Boy

Girl

Model: Web-MatchAnalysisDetailed

कुँडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर-वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाड़ी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते है। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर-वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/04/1987	जन्म तिथि	30/04/1990
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 10:15:00	जन्म समय	16:20:00 घंटे
घटी 10:06:41	जन्म समय(घटी)	26:35:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Gurgaon
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:19	सूर्योदय	05:42:57
18:38:35	सूर्यास्त	18:55:56
23:40:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:31

वृष	लग्न	कन्या
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
भरणी	नक्षत्र	पुनर्वसु
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
2	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	धृति
गर	करण	गर
लू-लूनेश	जन्म नामाक्षर	हा-हर्षा
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	मार्जार
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 3मा 23दि		28:04:11	वृष	लग्न	कन्या	13:00:56	गुरु 5वर्ष 6मा 11दि	
राहु		17:15:17	मीन	सूर्य	मेष	16:06:45	बुध	
24/07/2020		19:47:27	मेष	चंद्र	मिथु	28:43:22	11/11/2014	
24/07/2038		03:18:12	वृष	मंगल	कुंभ	13:23:54	11/11/2031	
राहु	06/04/2023	20:06:38	कुंभ	बुध व	मेष	21:39:52	बुध	08/04/2017
गुरु	29/08/2025	13:24:03	मीन	गुरु	मिथु	13:07:30	केतु	06/04/2018
शनि	05/07/2028	10:31:38	कुंभ	शुक्र	मीन	02:08:13	शुक्र	03/02/2021
बुध	23/01/2031	27:29:04	वृश्चि व	शनि	मक	01:35:50	सूर्य	11/12/2021
केतु	10/02/2032	17:49:18	मीन	राहु व	मक	18:19:06	चन्द्र	12/05/2023
शुक्र	10/02/2035	17:49:18	कन्या	केतु व	कर्क	18:19:06	मंगल	09/05/2024
सूर्य	05/01/2036	03:03:01	धनु	हर्ष व	धनु	15:44:58	राहु	26/11/2026
चन्द्र	06/07/2037	14:18:12	धनु	नेप व	धनु	20:47:47	गुरु	03/03/2029
मंगल	24/07/2038	15:39:45	तुला व	प्लूटो व	तुला	22:51:49	शनि	11/11/2031

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:40:40 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:31

लग्न-चलित

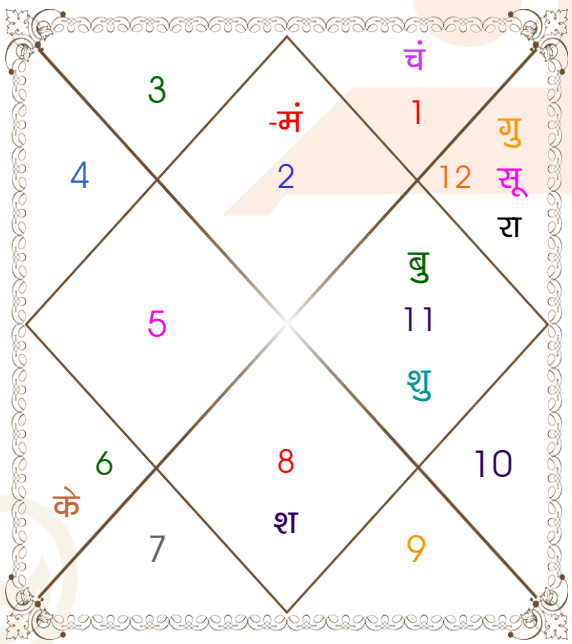

लग्न-चलित

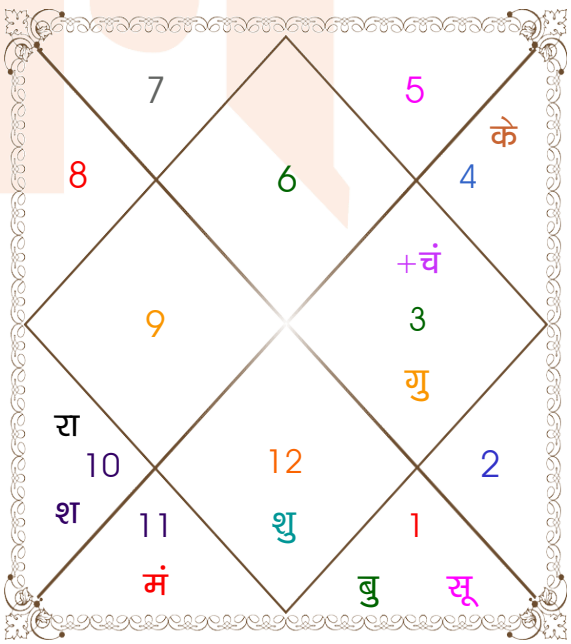

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

चन्द्र कुंडली

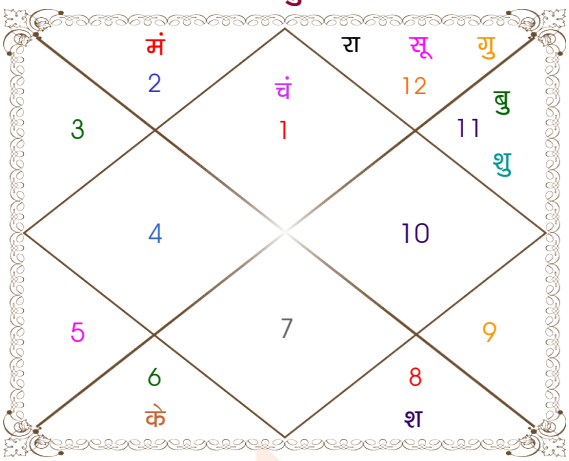

चन्द्र कुंडली

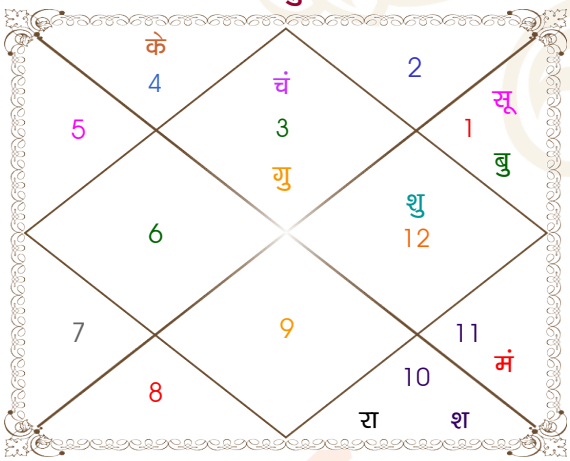

सूर्य कुंडली

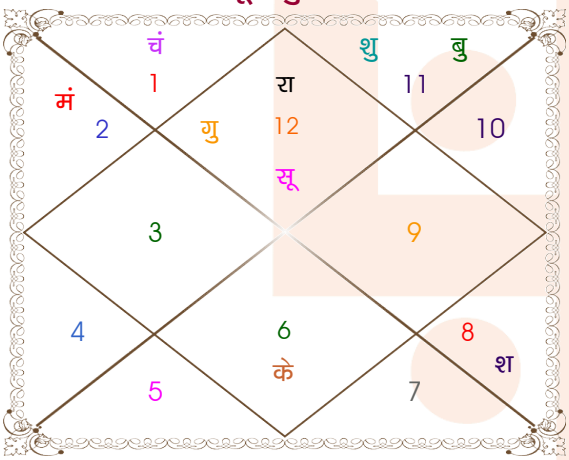

सूर्य कुंडली

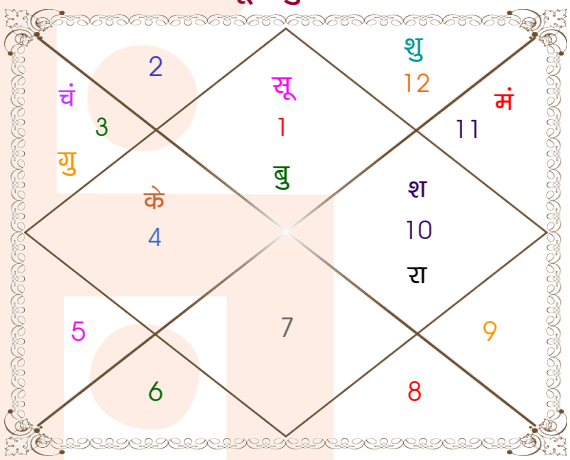

नवमांश कुंडली

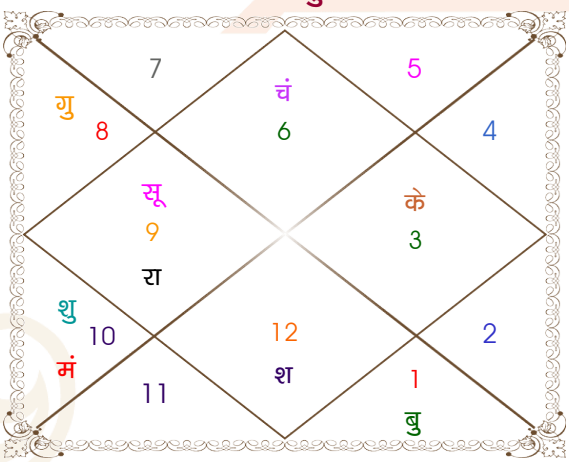

नवमांश कुंडली

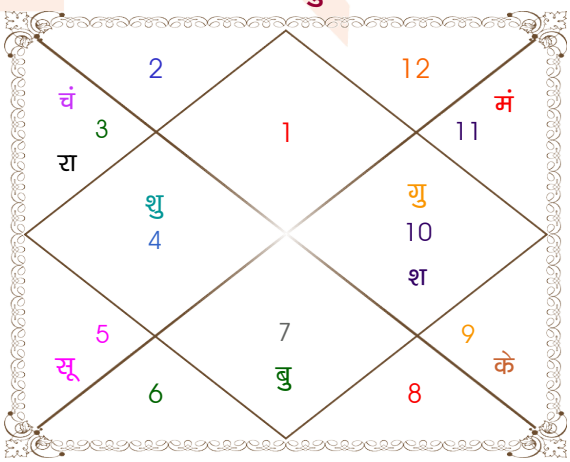

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 1 मास 28 दिन

के.पी. अयनांश : 23:34:33

फॉरच्युना : कर्क 00:42:29

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मीन	17:21:24	गुरु	बुध	बुध	शुक्र
चंद्र		मेष	19:53:35	मंगल	शुक्र	राहु	चंद्र
मंगल		वृष	03:24:20	शुक्र	सूर्य	शनि	बुध
बुध		कुंभ	20:12:46	शनि	गुरु	गुरु	गुरु
गुरु		मीन	13:30:10	गुरु	शनि	राहु	शनि
शुक्र		कुंभ	10:37:45	शनि	राहु	शनि	शनि
शनि	व	वृश्चि	27:35:12	मंगल	बुध	गुरु	मंगल
राहु		मीन	17:55:25	गुरु	बुध	बुध	राहु
केतु		कन्या	17:55:25	बुध	चंद्र	बुध	बुध
हर्ष		धनु	03:09:08	गुरु	केतु	सूर्य	राहु
नेप		धनु	14:24:19	गुरु	शुक्र	शुक्र	राहु
प्लूटो	व	तुला	15:45:52	शुक्र	राहु	शुक्र	चंद्र

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	वृष	28:10:19	शुक्र	मंगल	शनि	शनि
2	मिथु	21:23:39	बुध	गुरु	गुरु	चंद्र
3	कर्क	14:55:10	चंद्र	शनि	गुरु	गुरु
4	सिंह	12:06:29	सूर्य	केतु	बुध	शुक्र
5	कन्या	15:16:02	बुध	चंद्र	गुरु	चंद्र
6	तुला	22:39:49	शुक्र	गुरु	शनि	शुक्र
7	वृश्चि	28:10:19	मंगल	बुध	शनि	शनि
8	धनु	21:23:39	गुरु	शुक्र	गुरु	चंद्र
9	मक	14:55:10	शनि	चंद्र	गुरु	शुक्र
10	कुंभ	12:06:29	शनि	राहु	शनि	राहु
11	मीन	15:16:02	गुरु	शनि	गुरु	शनि
12	मेष	22:39:49	मंगल	शुक्र	शनि	शुक्र

भाव कुंडली

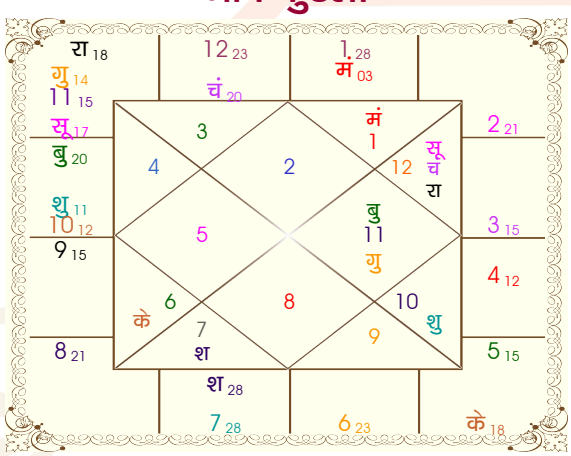

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 4 मास 26 दिन

के.पी. अयनांश : 23:37:07

फॉरच्युना : वृश्चिक 25:43:58

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मेष	16:13:09	मंगल	शुक्र	सूर्य	शुक्र
चंद्र		मिथु	28:49:46	बुध	गुरु	सूर्य	चंद्र
मंगल		कुंभ	13:30:18	शनि	राहु	बुध	मंगल
बुध	व	मेष	21:46:16	मंगल	शुक्र	गुरु	राहु
गुरु		मिथु	13:13:54	बुध	राहु	बुध	शुक्र
शुक्र		मीन	02:14:37	गुरु	गुरु	राहु	बुध
शनि		मक	01:42:14	शनि	सूर्य	गुरु	शनि
राहु	व	मक	18:25:31	शनि	चंद्र	बुध	शुक्र
केतु	व	कर्क	18:25:31	चंद्र	बुध	बुध	शनि
हर्ष	व	धनु	15:51:22	गुरु	शुक्र	सूर्य	गुरु
नेप	व	धनु	20:54:11	गुरु	शुक्र	गुरु	केतु
प्लूटो	व	तुला	22:58:13	शुक्र	गुरु	शनि	सूर्य

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	कन्या	13:07:20	बुध	चंद्र	राहु	केतु
2	तुला	11:26:08	शुक्र	राहु	शनि	शुक्र
3	वृश्चि	11:53:13	मंगल	शनि	चंद्र	शुक्र
4	धनु	13:23:52	गुरु	शुक्र	शुक्र	शुक्र
5	मक	14:59:50	शनि	चंद्र	गुरु	शुक्र
6	कुंभ	15:24:19	शनि	राहु	शुक्र	शुक्र
7	मीन	13:07:20	गुरु	शनि	राहु	राहु
8	मेष	11:26:08	मंगल	केतु	शनि	गुरु
9	वृष	11:53:13	शुक्र	चंद्र	मंगल	चंद्र
10	मिथु	13:23:52	बुध	राहु	बुध	चंद्र
11	कर्क	14:59:50	चंद्र	शनि	गुरु	गुरु
12	सिंह	15:24:19	सूर्य	शुक्र	शुक्र	बुध

भाव कुंडली

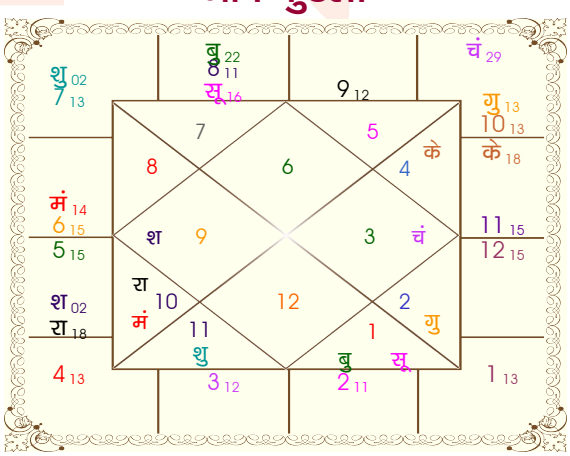

HoroscopeCart

Mobile / WhatsApp : +91-7835830918

Email : contact@horoscopecart.com

Website : www.horoscopecart.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	चंद्र- शुक्र-
2	सूर्य- बुध- शनि- राहु-
3	चंद्र- केतु-
4	सूर्य- मंगल-
5	सूर्य- बुध- शनि- राहु- केतु,
6	चंद्र- गुरु, शुक्र- शनि,
7	मंगल-
8	बुध- गुरु-
9	चंद्र, गुरु- शुक्र, शनि-
10	सूर्य, बुध+ गुरु+ शनि+ राहु,
11	सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध- गुरु- शुक्र, राहु, केतु,
12	मंगल,

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	बुध- केतु-
2	सूर्य- बुध- शुक्र-
3	मंगल-
4	चंद्र- गुरु- शुक्र- शनि,
5	मंगल+ गुरु, शनि- राहु,
6	सूर्य, बुध, शुक्र, शनि-
7	चंद्र- गुरु- शुक्र-
8	सूर्य, मंगल- बुध, शनि, केतु,
9	सूर्य- चंद्र, बुध- गुरु, शुक्र+
10	चंद्र, बुध- राहु, केतु-
11	चंद्र- राहु- केतु,
12	सूर्य- शनि-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 4- 5- 10, 11,
चंद्र	1- 3- 6- 9, 11,
मंगल	4- 7- 11, 12,
बुध	2- 5- 8- 10+ 11-
गुरु	6, 8- 9- 10+ 11-
शुक्र	1- 6- 9, 11,
शनि	2- 5- 6, 9- 10+
राहु	2- 5- 10, 11,
केतु	3- 5, 11,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 6, 8, 9- 12-
चंद्र	4- 7- 9, 10, 11-
मंगल	3- 5+ 8-
बुध	1- 2- 6, 8, 9- 10-
गुरु	4- 5, 7- 9,
शुक्र	2- 4- 6, 7- 9+
शनि	4, 5- 6- 8, 12-
राहु	5, 10, 11-
केतु	1- 8, 10- 11,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	मंगल
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
राशि नक्षत्र स्वामी	शुक्र
राशि स्वामी	मंगल
वार स्वामी	बुध
लग्न अन्तर स्वामी	शनि
राशि अन्तर स्वामी	राहु

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
लग्न राशि स्वामी	बुध
राशि नक्षत्र स्वामी	गुरु
राशि स्वामी	बुध
वार स्वामी	चन्द्र
लग्न अन्तर स्वामी	राहु
राशि अन्तर स्वामी	सूर्य

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली

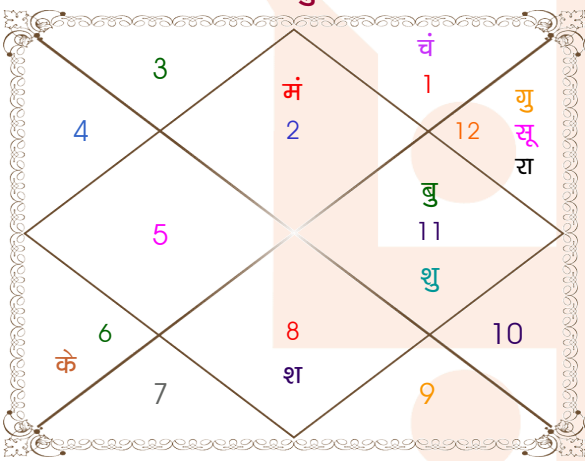

देह विचारः

लग्न कुंडली

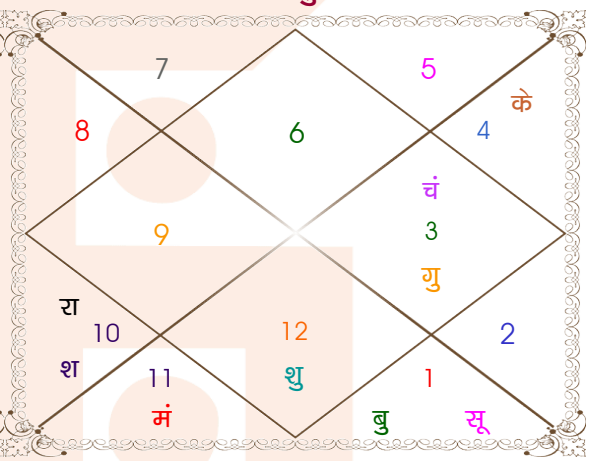

देह विचारः

होरा कुंडली

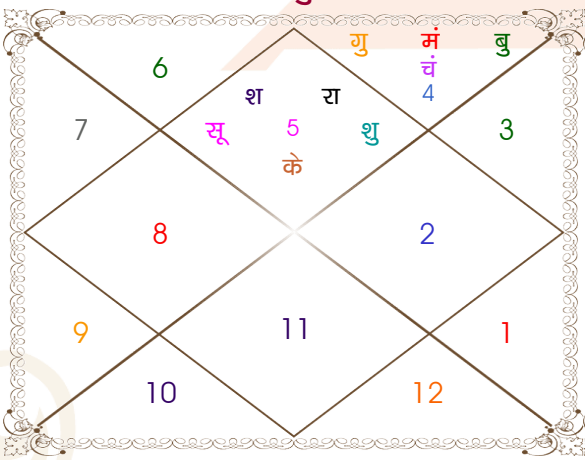

सम्पदाविचारः

होरा कुंडली

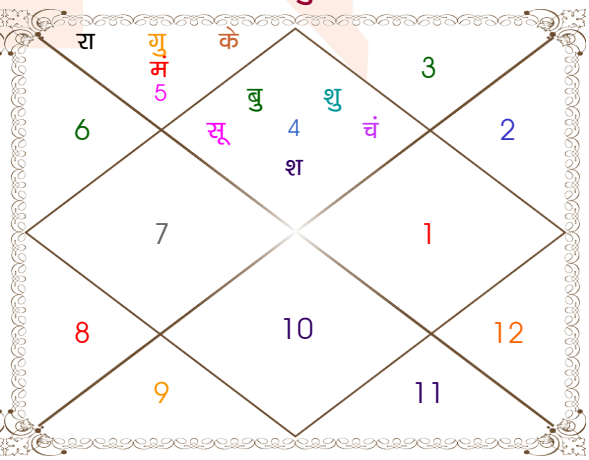

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

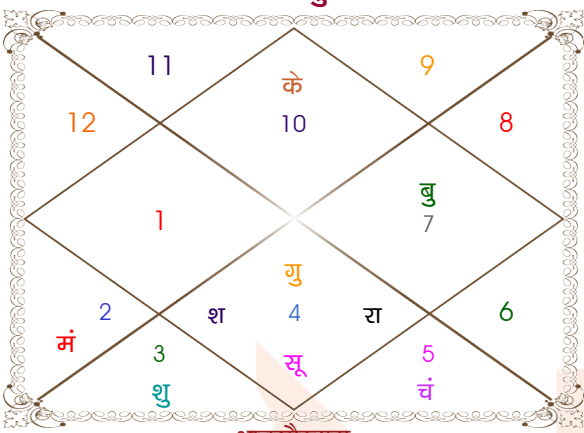

भ्रातृसौख्यम

द्रेष्काण कुंडली

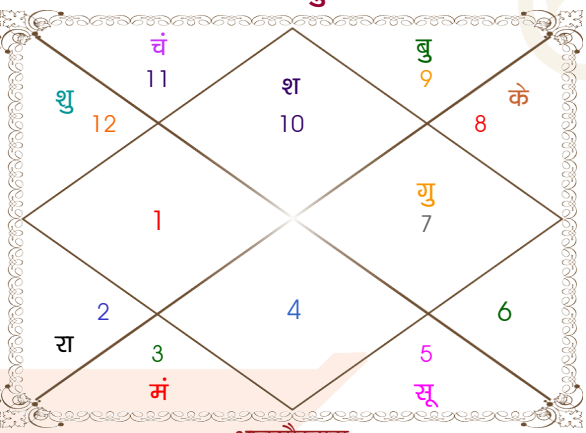

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

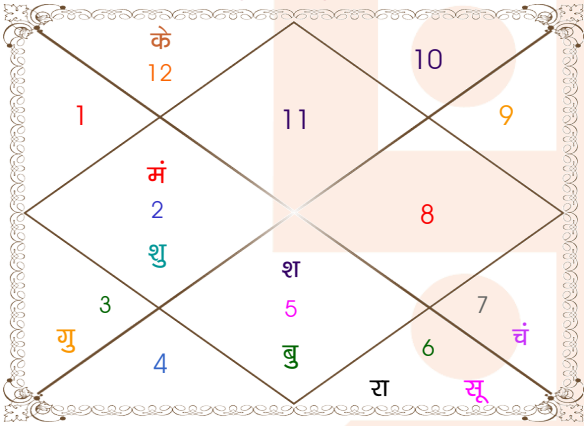

भाग्यविचारः

चतुर्थांश कुंडली

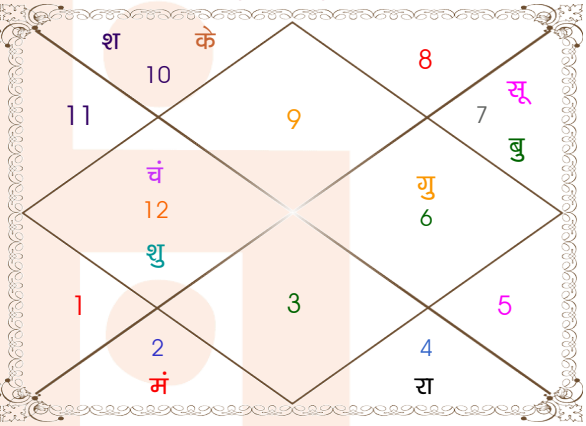

भाग्यविचारः

सप्तमांश कुंडली

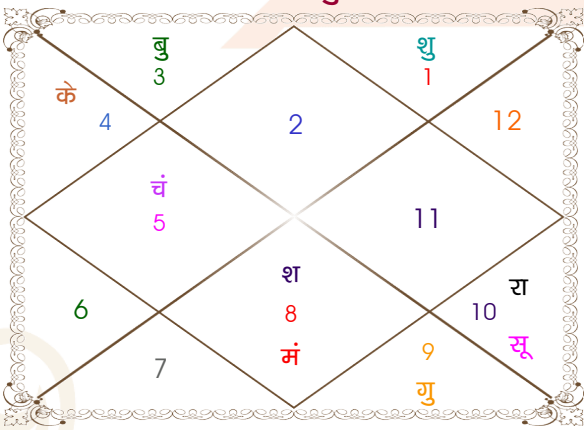

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

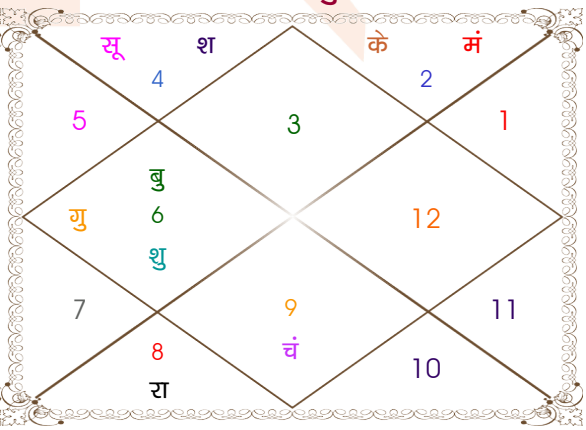

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

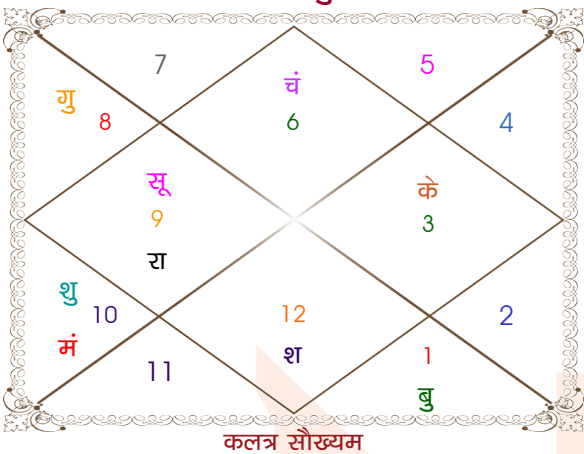

कलत्र सौख्यम

नवमांश कुंडली

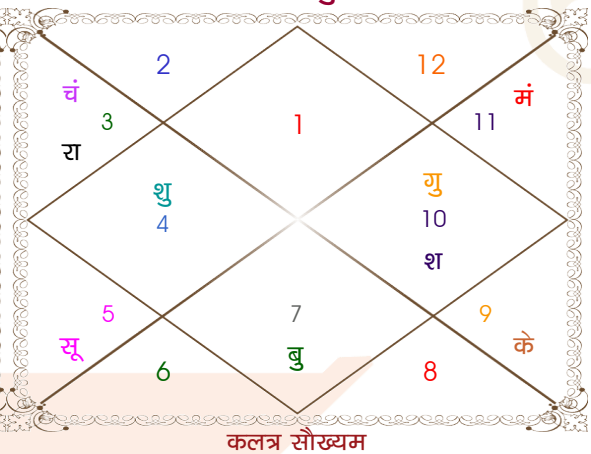

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

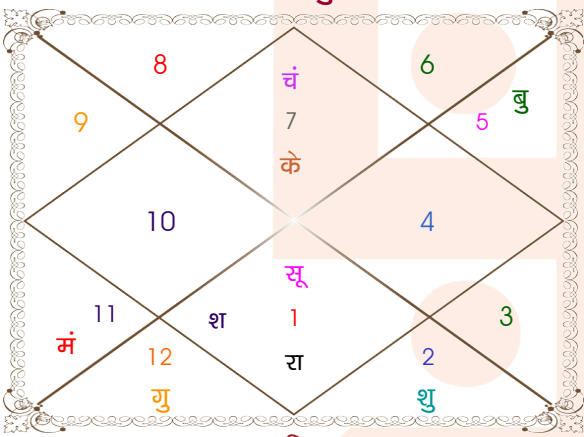

राज्यविचारः

दशमांश कुंडली

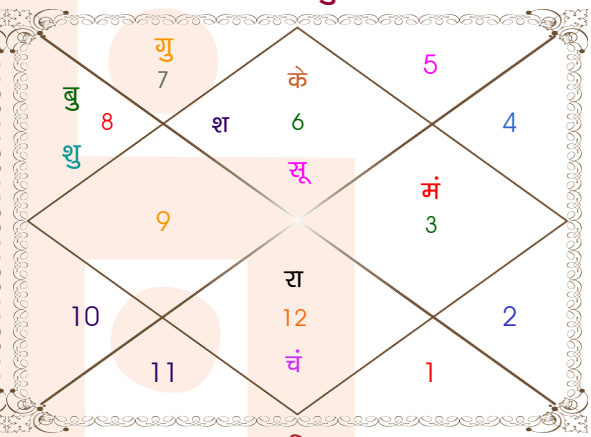

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

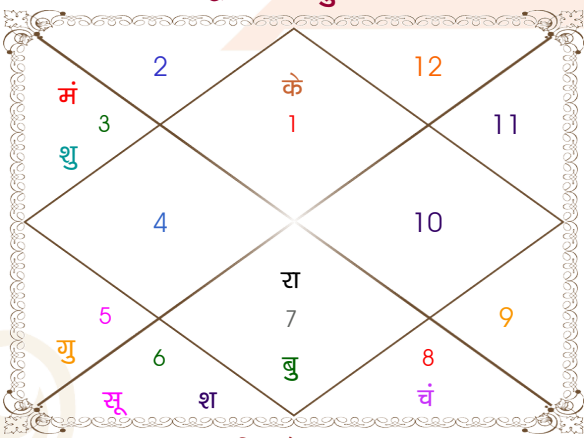

पितृसौख्यम

द्वादशांश कुंडली

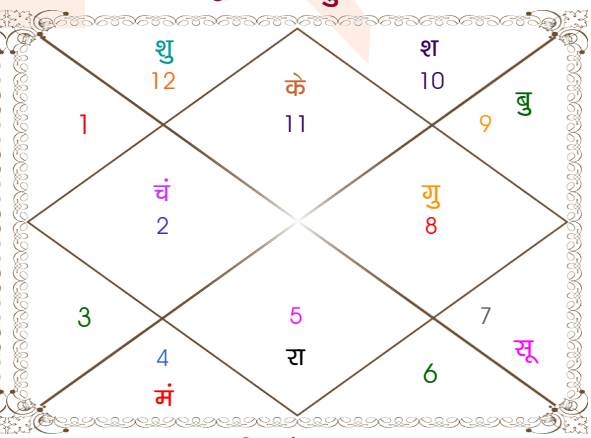

पितृसौख्यम

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

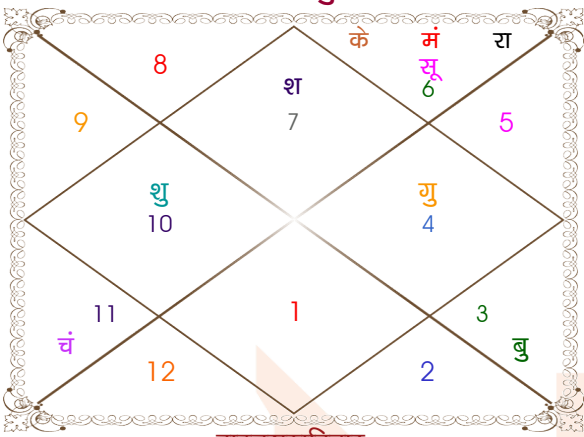

वाहनसुखविचारः

षोडशांश कुंडली

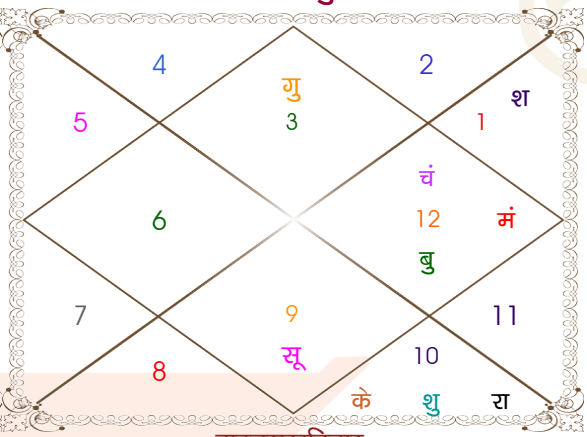

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

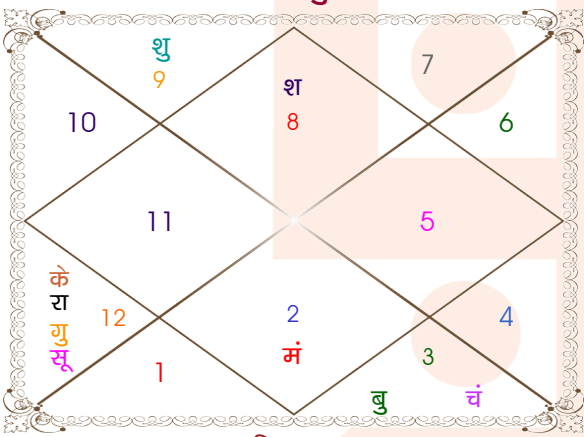

अरिष्टज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

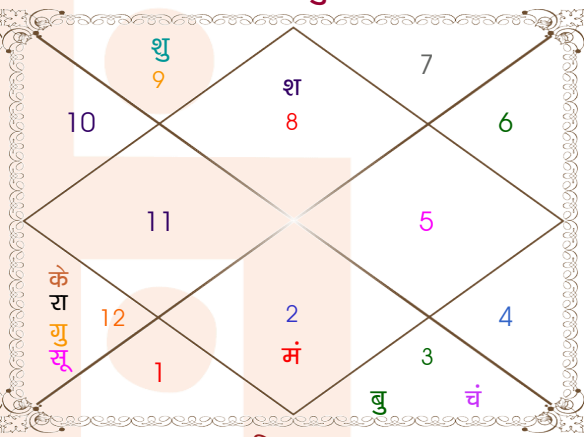

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

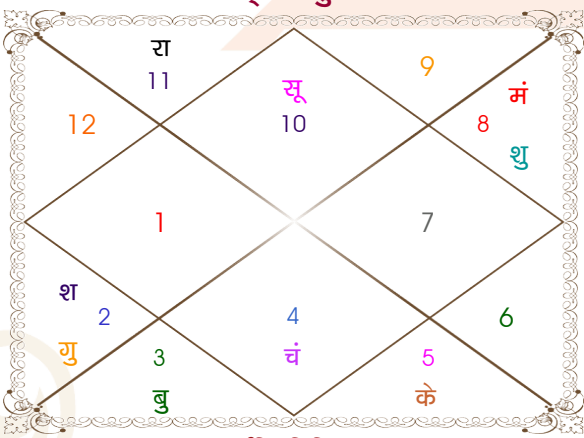

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

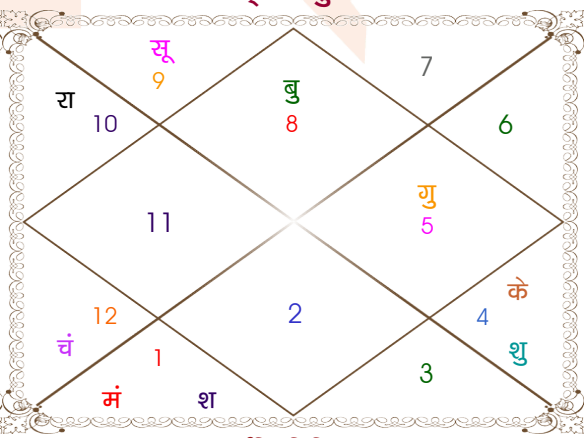

सर्वास्थितिविचारः

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री - Boy

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
चंद्र	अतिमित्र	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	---	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	---	मित्र	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	सम	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	---	सम	सम
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	अधिशत्रु	---

पंचधा मैत्री - Girl

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	सम	सम	सम
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	अधिशत्रु	सम
मंगल	अतिमित्र	सम	---	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	सम	सम	मित्र	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	सम	सम	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	मित्र	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	सम	अधिशत्रु	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	---	सम	अधिशत्रु
राहु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चंद्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
लग्न	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
कुल	3	3	2	5	5	5	3	3	5	4	6	4	48

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	4
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	4
लग्न	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
कुल	4	2	2	3	6	4	4	6	4	3	7	3	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
गुरु	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
सूर्य	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	6
शुक्र	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	7
बुध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
कुल	5	3	5	2	3	6	6	2	5	4	4	4	49

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
गुरु	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
मंगल	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
सूर्य	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	6
शुक्र	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	7
बुध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	4
कुल	8	5	2	3	2	7	4	4	4	4	4	2	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	कुल
शनि	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	7
गुरु	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	5
शुक्र	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
बुध	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	4
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
कुल	4	4	5	4	3	1	2	5	3	5	2	1	39

मंगल का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	7
गुरु	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	5
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
बुध	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	5
कुल	5	2	3	2	3	2	6	5	2	5	1	3	39

बुध का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	7
कुल	8	3	2	5	5	4	5	3	4	5	5	5	54

बुध का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	7
कुल	6	3	3	4	4	6	4	5	4	5	5	5	54

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

गुरु का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	9
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	6
बुध	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	8
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	9
कुल	7	3	6	6	2	3	3	7	5	6	4	4	56

गुरु का अष्टकवर्ग

	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	9
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
बुध	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	8
चंद्र	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	5
लग्न	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	9
कुल	4	6	4	4	3	3	8	5	5	4	5	5	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	1	7
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	5
मंगल	0	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	1	6
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चंद्र	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	9
लग्न	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	8
कुल	4	5	4	3	5	6	4	3	5	3	5	5	52

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	7
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चंद्र	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	9
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	8
कुल	4	6	5	3	4	3	4	6	4	4	5	4	52

शनि का अष्टकवर्ग

	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	6
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
शुक्र	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3
बुध	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	6
चंद्र	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
लग्न	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
कुल	1	3	5	4	4	3	1	2	5	2	5	4	39

शनि का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	4
मंगल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
सूर्य	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
शुक्र	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	3
बुध	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	6
चंद्र	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
लग्न	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	6
कुल	4	4	2	4	3	3	3	2	2	2	7	3	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	कुल
शनि	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
गुरु	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	9
मंगल	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
सूर्य	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
शुक्र	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	7
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	4	4	4	3	5	3	3	3	4	7	6	3	49

लग्न का अष्टकवर्ग

	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कुल
शनि	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	6
गुरु	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	9
मंगल	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
सूर्य	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	6
शुक्र	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	1	0	7
बुध	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	3	3	7	2	3	5	5	6	3	5	6	1	49

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

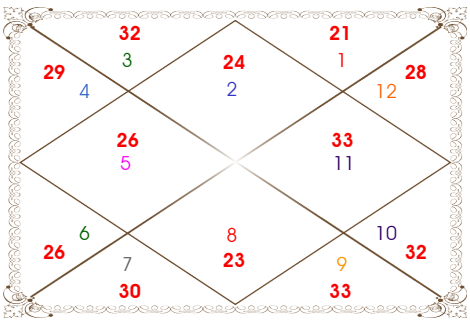

सर्वाष्टकवर्ग

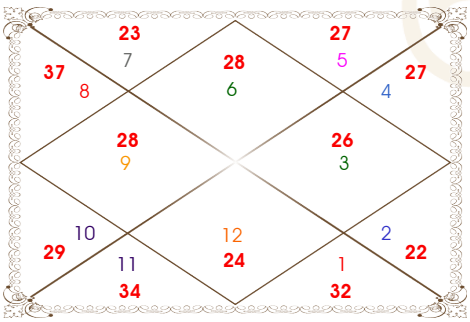

Boy

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	3	1	2	5	2	5	4	1	3	5	4	4	39
गुरु	3	6	6	2	3	3	7	5	6	4	4	7	56
मंगल	1	4	4	5	4	3	1	2	5	3	5	2	39
सूर्य	3	2	5	5	5	3	3	5	4	6	4	3	48
शुक्र	4	3	5	6	4	3	5	3	5	5	4	5	52
बुध	2	5	5	4	5	3	4	5	5	5	8	3	54
चंद्र	5	3	5	2	3	6	6	2	5	4	4	4	49
बिन्दु	21	24	32	29	26	26	30	23	33	32	33	28	337
रेखा	35	32	24	27	30	30	26	33	23	24	23	28	335

Girl

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	4	3	3	3	2	2	2	7	3	4	4	2	39
गुरु	5	5	4	6	4	4	3	3	8	5	5	4	56
मंगल	3	2	3	2	6	5	2	5	1	3	5	2	39
सूर्य	4	2	2	3	6	4	4	6	4	3	7	3	48
शुक्र	6	5	3	4	3	4	6	4	4	5	4	4	52
बुध	6	3	3	4	4	6	4	5	4	5	5	5	54
चंद्र	4	2	8	5	2	3	2	7	4	4	4	4	49
बिन्दु	32	22	26	27	27	28	23	37	28	29	34	24	337
रेखा	24	34	30	29	29	28	33	19	28	27	22	32	335

शोध्य पिंड - Boy

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	92	75	156	149	135	61	125
ग्रह पिंड	22	40	56	74	114	30	74
शोध्य पिंड	114	115	212	223	249	91	199

शोध्य पिंड - Girl

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	128	124	128	80	103	70	101
ग्रह पिंड	45	136	64	53	53	43	61
शोध्य पिंड	173	260	192	133	156	113	162

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

विंशोत्तरी दशा

शुक्र 10 वर्ष 3 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/04/1987		24/07/1997		24/07/2003	
24/07/1997		24/07/2003		24/07/2013	
	00/00/0000	सूर्य	11/11/1997	चंद्र	24/05/2004
	00/00/0000	चंद्र	12/05/1998	मंगल	23/12/2004
	00/00/0000	मंगल	17/09/1998	राहु	24/06/2006
	01/04/1987	राहु	12/08/1999	गुरु	24/10/2007
राहु	23/09/1987	गुरु	30/05/2000	शनि	24/05/2009
गुरु	24/05/1990	शनि	12/05/2001	बुध	24/10/2010
शनि	24/07/1993	बुध	18/03/2002	केतु	25/05/2011
बुध	24/05/1996	केतु	24/07/2002	शुक्र	22/01/2013
केतु	24/07/1997	शुक्र	24/07/2003	सूर्य	24/07/2013

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/07/2013		24/07/2020		24/07/2038	
24/07/2020		24/07/2038		24/07/2054	
मंगल	20/12/2013	राहु	06/04/2023	गुरु	10/09/2040
राहु	08/01/2015	गुरु	29/08/2025	शनि	25/03/2043
गुरु	15/12/2015	शनि	05/07/2028	बुध	30/06/2045
शनि	22/01/2017	बुध	23/01/2031	केतु	06/06/2046
बुध	20/01/2018	केतु	10/02/2032	शुक्र	04/02/2049
केतु	18/06/2018	शुक्र	10/02/2035	सूर्य	23/11/2049
शुक्र	18/08/2019	सूर्य	05/01/2036	चंद्र	25/03/2051
सूर्य	24/12/2019	चंद्र	06/07/2037	मंगल	29/02/2052
चंद्र	24/07/2020	मंगल	24/07/2038	राहु	24/07/2054

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/07/2054		24/07/2073		24/07/2090	
24/07/2073		24/07/2090		24/07/2097	
शनि	27/07/2057	बुध	21/12/2075	केतु	20/12/2090
बुध	05/04/2060	केतु	17/12/2076	शुक्र	19/02/2092
केतु	15/05/2061	शुक्र	18/10/2079	सूर्य	26/06/2092
शुक्र	15/07/2064	सूर्य	23/08/2080	चंद्र	25/01/2093
सूर्य	27/06/2065	चंद्र	23/01/2082	मंगल	24/06/2093
चंद्र	26/01/2067	मंगल	20/01/2083	राहु	12/07/2094
मंगल	06/03/2068	राहु	08/08/2085	गुरु	18/06/2095
राहु	11/01/2071	गुरु	14/11/2087	शनि	27/07/2096
गुरु	24/07/2073	शनि	24/07/2090	बुध	24/07/2097

गुरु 5 वर्ष 6 मास 11 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/04/1990		11/11/1995		11/11/2014	
11/11/1995		11/11/2014		11/11/2031	
	00/00/0000	शनि	14/11/1998	बुध	08/04/2017
	00/00/0000	बुध	24/07/2001	केतु	06/04/2018
	00/00/0000	केतु	02/09/2002	शुक्र	03/02/2021
	30/04/1990	शुक्र	01/11/2005	सूर्य	11/12/2021
शुक्र	24/05/1990	सूर्य	14/10/2006	चंद्र	12/05/2023
सूर्य	12/03/1991	चंद्र	15/05/2008	मंगल	09/05/2024
चंद्र	11/07/1992	मंगल	23/06/2009	राहु	26/11/2026
मंगल	17/06/1993	राहु	29/04/2012	गुरु	03/03/2029
राहु	11/11/1995	गुरु	11/11/2014	शनि	11/11/2031

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/11/2031		11/11/2038		11/11/2058	
11/11/2038		11/11/2058		10/11/2064	
केतु	08/04/2032	शुक्र	12/03/2042	सूर्य	28/02/2059
शुक्र	08/06/2033	सूर्य	12/03/2043	चंद्र	30/08/2059
सूर्य	14/10/2033	चंद्र	10/11/2044	मंगल	05/01/2060
चंद्र	15/05/2034	मंगल	10/01/2046	राहु	28/11/2060
मंगल	11/10/2034	राहु	10/01/2049	गुरु	17/09/2061
राहु	30/10/2035	गुरु	11/09/2051	शनि	30/08/2062
गुरु	05/10/2036	शनि	11/11/2054	बुध	06/07/2063
शनि	13/11/2037	बुध	11/09/2057	केतु	11/11/2063
बुध	11/11/2038	केतु	11/11/2058	शुक्र	10/11/2064

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/11/2064		11/11/2074		10/11/2081	
11/11/2074		10/11/2081		11/11/2099	
चंद्र	11/09/2065	मंगल	09/04/2075	राहु	24/07/2084
मंगल	12/04/2066	राहु	26/04/2076	गुरु	17/12/2086
राहु	12/10/2067	गुरु	02/04/2077	शनि	23/10/2089
गुरु	10/02/2069	शनि	12/05/2078	बुध	12/05/2092
शनि	11/09/2070	बुध	09/05/2079	केतु	30/05/2093
बुध	10/02/2072	केतु	05/10/2079	शुक्र	30/05/2096
केतु	10/09/2072	शुक्र	05/12/2080	सूर्य	24/04/2097
शुक्र	12/05/2074	सूर्य	11/04/2081	चंद्र	23/10/2098
सूर्य	11/11/2074	चंद्र	10/11/2081	मंगल	11/11/2099

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध	
06/04/2023		29/08/2025		05/07/2028	
29/08/2025		05/07/2028		23/01/2031	
गुरु	01/08/2023	शनि	10/02/2026	बुध	14/11/2028
शनि	18/12/2023	बुध	08/07/2026	केतु	08/01/2029
बुध	20/04/2024	केतु	06/09/2026	शुक्र	12/06/2029
केतु	10/06/2024	शुक्र	27/02/2027	सूर्य	29/07/2029
शुक्र	03/11/2024	सूर्य	20/04/2027	चंद्र	14/10/2029
सूर्य	17/12/2024	चंद्र	16/07/2027	मंगल	07/12/2029
चंद्र	28/02/2025	मंगल	15/09/2027	राहु	26/04/2030
मंगल	20/04/2025	राहु	18/02/2028	गुरु	28/08/2030
राहु	29/08/2025	गुरु	05/07/2028	शनि	23/01/2031

बुध - राहु		बुध - गुरु		बुध - शनि	
09/05/2024		26/11/2026		03/03/2029	
26/11/2026		03/03/2029		11/11/2031	
राहु	25/09/2024	गुरु	16/03/2027	शनि	05/08/2029
गुरु	27/01/2025	शनि	25/07/2027	बुध	23/12/2029
शनि	24/06/2025	बुध	20/11/2027	केतु	18/02/2030
बुध	03/11/2025	केतु	07/01/2028	शुक्र	01/08/2030
केतु	27/12/2025	शुक्र	24/05/2028	सूर्य	19/09/2030
शुक्र	31/05/2026	सूर्य	04/07/2028	चंद्र	10/12/2030
सूर्य	17/07/2026	चंद्र	11/09/2028	मंगल	05/02/2031
चंद्र	03/10/2026	मंगल	30/10/2028	राहु	03/07/2031
मंगल	26/11/2026	राहु	03/03/2029	गुरु	11/11/2031

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य	
23/01/2031		10/02/2032		10/02/2035	
10/02/2032		10/02/2035		05/01/2036	
केतु	14/02/2031	शुक्र	11/08/2032	सूर्य	27/02/2035
शुक्र	19/04/2031	सूर्य	05/10/2032	चंद्र	26/03/2035
सूर्य	08/05/2031	चंद्र	04/01/2033	मंगल	14/04/2035
चंद्र	09/06/2031	मंगल	09/03/2033	राहु	02/06/2035
मंगल	02/07/2031	राहु	20/08/2033	गुरु	16/07/2035
राहु	28/08/2031	गुरु	13/01/2034	शनि	06/09/2035
गुरु	18/10/2031	शनि	06/07/2034	बुध	23/10/2035
शनि	18/12/2031	बुध	08/12/2034	केतु	11/11/2035
बुध	10/02/2032	केतु	10/02/2035	शुक्र	05/01/2036

केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
11/11/2031		08/04/2032		08/06/2033	
08/04/2032		08/06/2033		14/10/2033	
केतु	20/11/2031	शुक्र	18/06/2032	सूर्य	15/06/2033
शुक्र	15/12/2031	सूर्य	09/07/2032	चंद्र	25/06/2033
सूर्य	22/12/2031	चंद्र	14/08/2032	मंगल	03/07/2033
चंद्र	03/01/2032	मंगल	08/09/2032	राहु	22/07/2033
मंगल	12/01/2032	राहु	11/11/2032	गुरु	08/08/2033
राहु	03/02/2032	गुरु	07/01/2033	शनि	28/08/2033
गुरु	23/02/2032	शनि	15/03/2033	बुध	15/09/2033
शनि	18/03/2032	बुध	14/05/2033	केतु	23/09/2033
बुध	08/04/2032	केतु	08/06/2033	शुक्र	14/10/2033

राहु - चंद्र		राहु - मंगल		गुरु - गुरु	
05/01/2036		06/07/2037		24/07/2038	
06/07/2037		24/07/2038		10/09/2040	
चंद्र	19/02/2036	मंगल	28/07/2037	गुरु	05/11/2038
मंगल	22/03/2036	राहु	24/09/2037	शनि	08/03/2039
राहु	13/06/2036	गुरु	14/11/2037	बुध	27/06/2039
गुरु	25/08/2036	शनि	13/01/2038	केतु	11/08/2039
शनि	19/11/2036	बुध	09/03/2038	शुक्र	19/12/2039
बुध	05/02/2037	केतु	31/03/2038	सूर्य	27/01/2040
केतु	09/03/2037	शुक्र	03/06/2038	चंद्र	01/04/2040
शुक्र	08/06/2037	सूर्य	22/06/2038	मंगल	17/05/2040
सूर्य	06/07/2037	चंद्र	24/07/2038	राहु	10/09/2040

केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु	
14/10/2033		15/05/2034		11/10/2034	
15/05/2034		11/10/2034		30/10/2035	
चंद्र	01/11/2033	मंगल	24/05/2034	राहु	08/12/2034
मंगल	13/11/2033	राहु	15/06/2034	गुरु	28/01/2035
राहु	15/12/2033	गुरु	05/07/2034	शनि	30/03/2035
गुरु	13/01/2034	शनि	29/07/2034	बुध	23/05/2035
शनि	15/02/2034	बुध	19/08/2034	केतु	14/06/2035
बुध	18/03/2034	केतु	28/08/2034	शुक्र	17/08/2035
केतु	30/03/2034	शुक्र	21/09/2034	सूर्य	05/09/2035
शुक्र	04/05/2034	सूर्य	29/09/2034	चंद्र	07/10/2035
सूर्य	15/05/2034	चंद्र	11/10/2034	मंगल	30/10/2035

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु	
10/09/2040		25/03/2043		30/06/2045	
25/03/2043		30/06/2045		06/06/2046	
शनि	04/02/2041	बुध	20/07/2043	केतु	19/07/2045
बुध	15/06/2041	केतु	06/09/2043	शुक्र	14/09/2045
केतु	08/08/2041	शुक्र	22/01/2044	सूर्य	01/10/2045
शुक्र	09/01/2042	सूर्य	04/03/2044	चंद्र	30/10/2045
सूर्य	24/02/2042	चंद्र	12/05/2044	मंगल	19/11/2045
चंद्र	13/05/2042	मंगल	29/06/2044	राहु	09/01/2046
मंगल	06/07/2042	राहु	31/10/2044	गुरु	23/02/2046
राहु	21/11/2042	गुरु	19/02/2045	शनि	18/04/2046
गुरु	25/03/2043	शनि	30/06/2045	बुध	06/06/2046

केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
30/10/2035		05/10/2036		13/11/2037	
05/10/2036		13/11/2037		11/11/2038	
गुरु	14/12/2035	शनि	08/12/2036	बुध	04/01/2038
शनि	06/02/2036	बुध	03/02/2037	केतु	25/01/2038
बुध	25/03/2036	केतु	27/02/2037	शुक्र	26/03/2038
केतु	14/04/2036	शुक्र	05/05/2037	सूर्य	13/04/2038
शुक्र	10/06/2036	सूर्य	25/05/2037	चंद्र	14/05/2038
सूर्य	27/06/2036	चंद्र	28/06/2037	मंगल	04/06/2038
चंद्र	26/07/2036	मंगल	22/07/2037	राहु	28/07/2038
मंगल	15/08/2036	राहु	21/09/2037	गुरु	14/09/2038
राहु	05/10/2036	गुरु	13/11/2037	शनि	11/11/2038

गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र	
06/06/2046		04/02/2049		23/11/2049	
04/02/2049		23/11/2049		25/03/2051	
शुक्र	15/11/2046	सूर्य	18/02/2049	चंद्र	02/01/2050
सूर्य	03/01/2047	चंद्र	14/03/2049	मंगल	31/01/2050
चंद्र	25/03/2047	मंगल	01/04/2049	राहु	14/04/2050
मंगल	21/05/2047	राहु	14/05/2049	गुरु	18/06/2050
राहु	14/10/2047	गुरु	22/06/2049	शनि	03/09/2050
गुरु	20/02/2048	शनि	08/08/2049	बुध	11/11/2050
शनि	24/07/2048	बुध	18/09/2049	केतु	09/12/2050
बुध	09/12/2048	केतु	05/10/2049	शुक्र	28/02/2051
केतु	04/02/2049	शुक्र	23/11/2049	सूर्य	25/03/2051

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र	
11/11/2038		12/03/2042		12/03/2043	
12/03/2042		12/03/2043		10/11/2044	
शुक्र	02/06/2039	सूर्य	30/03/2042	चंद्र	02/05/2043
सूर्य	01/08/2039	चंद्र	30/04/2042	मंगल	07/06/2043
चंद्र	11/11/2039	मंगल	21/05/2042	राहु	06/09/2043
मंगल	21/01/2040	राहु	15/07/2042	गुरु	26/11/2043
राहु	22/07/2040	गुरु	02/09/2042	शनि	02/03/2044
गुरु	31/12/2040	शनि	30/10/2042	बुध	27/05/2044
शनि	12/07/2041	बुध	20/12/2042	केतु	01/07/2044
बुध	31/12/2041	केतु	11/01/2043	शुक्र	11/10/2044
केतु	12/03/2042	शुक्र	12/03/2043	सूर्य	10/11/2044

गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
25/03/2051		29/02/2052		24/07/2054	
29/02/2052		24/07/2054		27/07/2057	
मंगल	14/04/2051	राहु	09/07/2052	शनि	14/01/2055
राहु	04/06/2051	गुरु	03/11/2052	बुध	19/06/2055
गुरु	19/07/2051	शनि	22/03/2053	केतु	22/08/2055
शनि	11/09/2051	बुध	24/07/2053	शुक्र	21/02/2056
बुध	29/10/2051	केतु	13/09/2053	सूर्य	16/04/2056
केतु	18/11/2051	शुक्र	06/02/2054	चंद्र	17/07/2056
शुक्र	14/01/2052	सूर्य	22/03/2054	मंगल	19/09/2056
सूर्य	31/01/2052	चंद्र	03/06/2054	राहु	02/03/2057
चंद्र	29/02/2052	मंगल	24/07/2054	गुरु	27/07/2057

शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु	
10/11/2044		10/01/2046		10/01/2049	
10/01/2046		10/01/2049		11/09/2051	
मंगल	05/12/2044	राहु	24/06/2046	गुरु	20/05/2049
राहु	07/02/2045	गुरु	17/11/2046	शनि	21/10/2049
गुरु	05/04/2045	शनि	09/05/2047	बुध	08/03/2050
शनि	11/06/2045	बुध	12/10/2047	केतु	04/05/2050
बुध	11/08/2045	केतु	14/12/2047	शुक्र	13/10/2050
केतु	04/09/2045	शुक्र	14/06/2048	सूर्य	01/12/2050
शुक्र	15/11/2045	सूर्य	08/08/2048	चंद्र	20/02/2051
सूर्य	06/12/2045	चंद्र	07/11/2048	मंगल	18/04/2051
चंद्र	10/01/2046	मंगल	10/01/2049	राहु	11/09/2051

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

योगिनी दशा

भद्रिका 2 वर्ष 6 मास 28 दिन

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
01/04/1987		29/10/1989		29/10/1995	
29/10/1989		29/10/1995		29/10/2002	
	00/00/0000	उल्क	29/10/1990	सिद्ध	09/03/1997
	01/04/1987	सिद्ध	29/12/1991	संक	28/09/1998
सिद्ध	30/04/1987	संक	29/04/1993	मंग	09/12/1998
संक	08/06/1988	मंग	29/06/1993	पिंग	30/04/1999
मंग	29/07/1988	पिंग	29/10/1993	धांय	29/11/1999
पिंग	08/11/1988	धांय	29/04/1994	भाम	08/09/2000
धांय	09/04/1989	भाम	29/12/1994	भद्रि	29/08/2001
भाम	29/10/1989	भद्रि	29/10/1995	उल्क	29/10/2002

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
29/10/2002		29/10/2010		29/10/2011	
29/10/2010		29/10/2011		29/10/2013	
संक	08/08/2004	मंग	08/11/2010	पिंग	09/12/2011
मंग	28/10/2004	पिंग	28/11/2010	धांय	08/02/2012
पिंग	09/04/2005	धांय	29/12/2010	भाम	29/04/2012
धांय	08/12/2005	भाम	07/02/2011	भद्रि	08/08/2012
भाम	29/10/2006	भद्रि	30/03/2011	उल्क	08/12/2012
भद्रि	09/12/2007	उल्क	30/05/2011	सिद्ध	29/04/2013
उल्क	09/04/2009	सिद्ध	09/08/2011	संक	08/10/2013
सिद्ध	29/10/2010	संक	29/10/2011	मंग	29/10/2013

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
29/10/2013		28/10/2016		28/10/2020	
28/10/2016		28/10/2020		29/10/2025	
धांय	28/01/2014	भाम	09/04/2017	भद्रि	09/07/2021
भाम	30/05/2014	भद्रि	29/10/2017	उल्क	09/05/2022
भद्रि	29/10/2014	उल्क	29/06/2018	सिद्ध	30/04/2023
उल्क	30/04/2015	सिद्ध	09/04/2019	संक	08/06/2024
सिद्ध	29/11/2015	संक	28/02/2020	मंग	29/07/2024
संक	29/07/2016	मंग	09/04/2020	पिंग	08/11/2024
मंग	29/08/2016	पिंग	29/06/2020	धांय	09/04/2025
पिंग	28/10/2016	धांय	28/10/2020	भाम	29/10/2025

पिंगला 0 वर्ष 8 मास 9 दिन

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
30/04/1990		08/01/1991		08/01/1994	
08/01/1991		08/01/1994		08/01/1998	
	00/00/0000	धांय	09/04/1991	भाम	19/06/1994
	00/00/0000	भाम	09/08/1991	भद्रि	08/01/1995
	00/00/0000	भद्रि	08/01/1992	उल्क	08/09/1995
	00/00/0000	उल्क	09/07/1992	सिद्ध	18/06/1996
	30/04/1990	सिद्ध	07/02/1993	संक	09/05/1997
सिद्ध	09/07/1990	संक	08/10/1993	मंग	19/06/1997
संक	18/12/1990	मंग	08/11/1993	पिंग	08/09/1997
मंग	08/01/1991	पिंग	08/01/1994	धांय	08/01/1998

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
08/01/1998		08/01/2003		07/01/2009	
08/01/2003		07/01/2009		08/01/2016	
भद्रि	18/09/1998	उल्क	08/01/2004	सिद्ध	19/05/2010
उल्क	20/07/1999	सिद्ध	09/03/2005	संक	09/12/2011
सिद्ध	09/07/2000	संक	09/07/2006	मंग	18/02/2012
संक	18/08/2001	मंग	08/09/2006	पिंग	09/07/2012
मंग	08/10/2001	पिंग	08/01/2007	धांय	07/02/2013
पिंग	18/01/2002	धांय	09/07/2007	भाम	18/11/2013
धांय	19/06/2002	भाम	09/03/2008	भद्रि	08/11/2014
भाम	08/01/2003	भद्रि	07/01/2009	उल्क	08/01/2016

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
08/01/2016		08/01/2024		07/01/2025	
08/01/2024		07/01/2025		08/01/2027	
संक	18/10/2017	मंग	18/01/2024	पिंग	17/02/2025
मंग	08/01/2018	पिंग	07/02/2024	धांय	19/04/2025
पिंग	19/06/2018	धांय	09/03/2024	भाम	09/07/2025
धांय	17/02/2019	भाम	18/04/2024	भद्रि	18/10/2025
भाम	08/01/2020	भद्रि	08/06/2024	उल्क	17/02/2026
भद्रि	17/02/2021	उल्क	08/08/2024	सिद्ध	09/07/2026
उल्क	19/06/2022	सिद्ध	18/10/2024	संक	18/12/2026
सिद्ध	08/01/2024	संक	07/01/2025	मंग	08/01/2027

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

योगिनी दशा

भद्रिका 2 वर्ष 6 मास 28 दिन

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
29/10/2025		29/10/2031		29/10/2038	
29/10/2031		29/10/2038		29/10/2046	
उल्क	29/10/2026	सिद्ध	09/03/2033	संक	08/08/2040
सिद्ध	29/12/2027	संक	28/09/2034	मंग	28/10/2040
संक	29/04/2029	मंग	09/12/2034	पिंग	09/04/2041
मंग	29/06/2029	पिंग	30/04/2035	धांय	08/12/2041
पिंग	29/10/2029	धांय	29/11/2035	भाम	29/10/2042
धांय	29/04/2030	भाम	08/09/2036	भद्रि	09/12/2043
भाम	29/12/2030	भद्रि	29/08/2037	उल्क	09/04/2045
भद्रि	29/10/2031	उल्क	29/10/2038	सिद्ध	29/10/2046

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
29/10/2046		29/10/2047		29/10/2049	
29/10/2047		29/10/2049		28/10/2052	
मंग	08/11/2046	पिंग	09/12/2047	धांय	28/01/2050
पिंग	28/11/2046	धांय	08/02/2048	भाम	30/05/2050
धांय	29/12/2046	भाम	29/04/2048	भद्रि	29/10/2050
भाम	07/02/2047	भद्रि	08/08/2048	उल्क	30/04/2051
भद्रि	30/03/2047	उल्क	08/12/2048	सिद्ध	29/11/2051
उल्क	30/05/2047	सिद्ध	29/04/2049	संक	29/07/2052
सिद्ध	09/08/2047	संक	08/10/2049	मंग	29/08/2052
संक	29/10/2047	मंग	29/10/2049	पिंग	28/10/2052

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
28/10/2052		28/10/2056		29/10/2061	
28/10/2056		29/10/2061		29/10/2067	
भाम	09/04/2053	भद्रि	09/07/2057	उल्क	29/10/2062
भद्रि	29/10/2053	उल्क	09/05/2058	सिद्ध	29/12/2063
उल्क	29/06/2054	सिद्ध	30/04/2059	संक	29/04/2065
सिद्ध	09/04/2055	संक	08/06/2060	मंग	29/06/2065
संक	28/02/2056	मंग	29/07/2060	पिंग	29/10/2065
मंग	09/04/2056	पिंग	08/11/2060	धांय	29/04/2066
पिंग	29/06/2056	धांय	09/04/2061	भाम	29/12/2066
धांय	28/10/2056	भाम	29/10/2061	भद्रि	29/10/2067

पिंगला 0 वर्ष 8 मास 9 दिन

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
08/01/2027		08/01/2030		08/01/2034	
08/01/2030		08/01/2034		08/01/2039	
धांय	09/04/2027	भाम	19/06/2030	भद्रि	18/09/2034
भाम	09/08/2027	भद्रि	08/01/2031	उल्क	20/07/2035
भद्रि	08/01/2028	उल्क	08/09/2031	सिद्ध	09/07/2036
उल्क	09/07/2028	सिद्ध	18/06/2032	संक	18/08/2037
सिद्ध	07/02/2029	संक	09/05/2033	मंग	08/10/2037
संक	08/10/2029	मंग	19/06/2033	पिंग	18/01/2038
मंग	08/11/2029	पिंग	08/09/2033	धांय	19/06/2038
पिंग	08/01/2030	धांय	08/01/2034	भाम	08/01/2039

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
08/01/2039		07/01/2045		08/01/2052	
07/01/2045		08/01/2052		08/01/2060	
उल्क	08/01/2040	सिद्ध	19/05/2046	संक	18/10/2053
सिद्ध	09/03/2041	संक	09/12/2047	मंग	08/01/2054
संक	09/07/2042	मंग	18/02/2048	पिंग	19/06/2054
मंग	08/09/2042	पिंग	09/07/2048	धांय	17/02/2055
पिंग	08/01/2043	धांय	07/02/2049	भाम	08/01/2056
धांय	09/07/2043	भाम	18/11/2049	भद्रि	17/02/2057
भाम	09/03/2044	भद्रि	08/11/2050	उल्क	19/06/2058
भद्रि	07/01/2045	उल्क	08/01/2052	सिद्ध	08/01/2060

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
08/01/2060		07/01/2061		08/01/2063	
07/01/2061		08/01/2063		08/01/2066	
मंग	18/01/2060	पिंग	17/02/2061	धांय	09/04/2063
पिंग	07/02/2060	धांय	19/04/2061	भाम	09/08/2063
धांय	09/03/2060	भाम	09/07/2061	भद्रि	08/01/2064
भाम	18/04/2060	भद्रि	18/10/2061	उल्क	09/07/2064
भद्रि	08/06/2060	उल्क	17/02/2062	सिद्ध	07/02/2065
उल्क	08/08/2060	सिद्ध	09/07/2062	संक	08/10/2065
सिद्ध	18/10/2060	संक	18/12/2062	मंग	08/11/2065
संक	07/01/2061	मंग	08/01/2063	पिंग	08/01/2066

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

1	मूलांक	3
3	भाग्यांक	8
1, 4, 8, 9, 3	मित्र अंक	3, 5, 7, 9, 8
5, 6	शत्रु अंक	1, 4,
19,28,37,46,55	शुभ वर्ष	21,30,39,48,57
शनि, बुध, शुक्र	शुभ दिन	बुध, शुक्र
शनि, बुध, शुक्र	शुभ ग्रह	बुध, शुक्र
कर्क, धनु	मित्र राशि	कन्या, कुम्भ
सिंह, मकर, मीन	मित्र लग्न	धनु, वृष, कर्क
हनुमान	अनुकूल देवता	गणेश
हीरा	शुभ रत्न	पन्ना
जरकिन, ओपल	शुभ उपरत्न	संगपन्ना, मरगज
नीलम	भाग्य रत्न	हीरा
रजत	शुभ धातु	कांसा
रजत	शुभ रंग	हरित
दक्षिणपूर्व	शुभ दिशा	उत्तर
सूर्योदय	शुभ समय	सूर्योदय के बाद
मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन	दान पदार्थ	हाथी दाँत, कपूर, फल
चावल	दान अन्न	मूँग
दूध	दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

Boy

जीवन रत्नः	हीरा	व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
भाग्य रत्नः	नीलम	दम्पति, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
कारक रत्नः	पन्ना	व्यावसायिक उन्नति, धन, सन्तति सुख
शुभ उपरत्नः	लहसुनिया	सन्तति सुख, व्यावसायिक उन्नति

Girl

जीवन रत्नः	पन्ना	दुर्घटना से बचाव, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	हीरा	दम्पति, भाग्योदय, धन
कारक रत्नः	नीलम	सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
शुभ उपरत्नः	गोमेद	सन्तति सुख

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	31/03/1987-16/12/1987
साढेसाती प्रथम ढैया	10/08/1995-16/04/1998
साढेसाती द्वितीय ढैया	16/04/1998-05/06/2000
साढेसाती तृतीय ढैया	05/06/2000-22/07/2002
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/09/2004-01/11/2006

द्वितीय चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/11/2014-19/01/2017
साढेसाती प्रथम ढैया	24/03/2025-26/10/2027
साढेसाती द्वितीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030
साढेसाती तृतीय ढैया	11/04/2030-25/05/2032
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/07/2034-20/08/2036

तृतीय चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/12/2043-29/11/2046
साढेसाती प्रथम ढैया	09/09/2054-01/04/2057
साढेसाती द्वितीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059
साढेसाती तृतीय ढैया	22/05/2059-05/07/2061
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/02/2064-03/10/2065

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	अशुभ	दाम्पत्य कलह
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	धनार्जन
साढेसाती द्वितीय ढैया	अशुभ	व्यय
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	स्वास्थ्य
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	अशुभ	पराक्रम हानि

प्रथम चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	30/04/1990-06/03/1993
साढेसाती प्रथम ढैया	05/06/2000-22/07/2002
साढेसाती द्वितीय ढैया	22/07/2002-05/09/2004
साढेसाती तृतीय ढैया	05/09/2004-01/11/2006
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	09/09/2009-15/11/2011

द्वितीय चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	18/01/2020-21/07/2022
साढेसाती प्रथम ढैया	11/04/2030-25/05/2032
साढेसाती द्वितीय ढैया	25/05/2032-06/07/2034
साढेसाती तृतीय ढैया	06/07/2034-20/08/2036
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	29/06/2039-06/03/2041

तृतीय चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	20/07/2049-17/02/2052
साढेसाती प्रथम ढैया	22/05/2059-05/07/2061
साढेसाती द्वितीय ढैया	05/07/2061-15/02/2064
साढेसाती तृतीय ढैया	15/02/2064-03/10/2065
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	21/08/2068-25/10/2070

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	सन्तति सुख
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	भाग्योदय
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	व्यावसाय
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	अल्प बचत
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	स्वास्थ्य

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त

किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

Boy

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

Girl

आपकी जन्मकुण्डली में पद्म नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। इसके कारण जातक के विद्याध्ययन में थोड़ा बहुत व्यवधान उपस्थित होता है। परन्तु कालान्तर में वह व्यवधान समाप्त हो जाता है। सन्तान प्रायः विलम्ब से प्राप्त होती है या उसको होने में आंशिक रूप से व्यवधान उपस्थित होता है। पुत्र सन्तान की प्रायः चिन्ता बनी रहती है। जातक का स्वास्थ्य कभी असामान्य हो जाता है।

इस योग के कारण दाम्पत्य जीवन सामान्य होते हुए भी कभी दुःखमय हो जाता है। परिवार में जातक को अपयश मिलने का भय बना रहता है और जातक के मित्रगण स्वार्थी होते हैं और वे सब जातक का पतन कराने में सहायक होते हैं। कभी जातक को तनावग्रस्त जीवन व्यतीत करना पड़ता है।

इस योग के प्रभाव से जातक के गुप्त शत्रु रहते हैं। वे सब थोड़ा बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। लाभ मार्ग में आंशिक बाधा उत्पन्न होती है एवं चिन्ता कष्ट के कारण जीवन संघर्षमय बना रहता है। जातक द्वारा संग्रहीत सम्पत्ति को प्रायः दूसरे लोग हरण कर लेते हैं। जातक को कभी रोग व्याधि भी घेर लेती है और रोग व्याधि में अधिक धन खर्च हो जाने के कारण आर्थिक संकट जातक के ऊपर उपस्थित हो जाता है तथा जातक वृद्धावस्था को लेकर चिन्तित रहता है एवं कभी-कभी जातक के मन में सन्यास ग्रहण करने की भावना जागृत हो जाती है। लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद भी जातक के जीवन में कई सफलता मिलती हैं।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।

5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रुमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

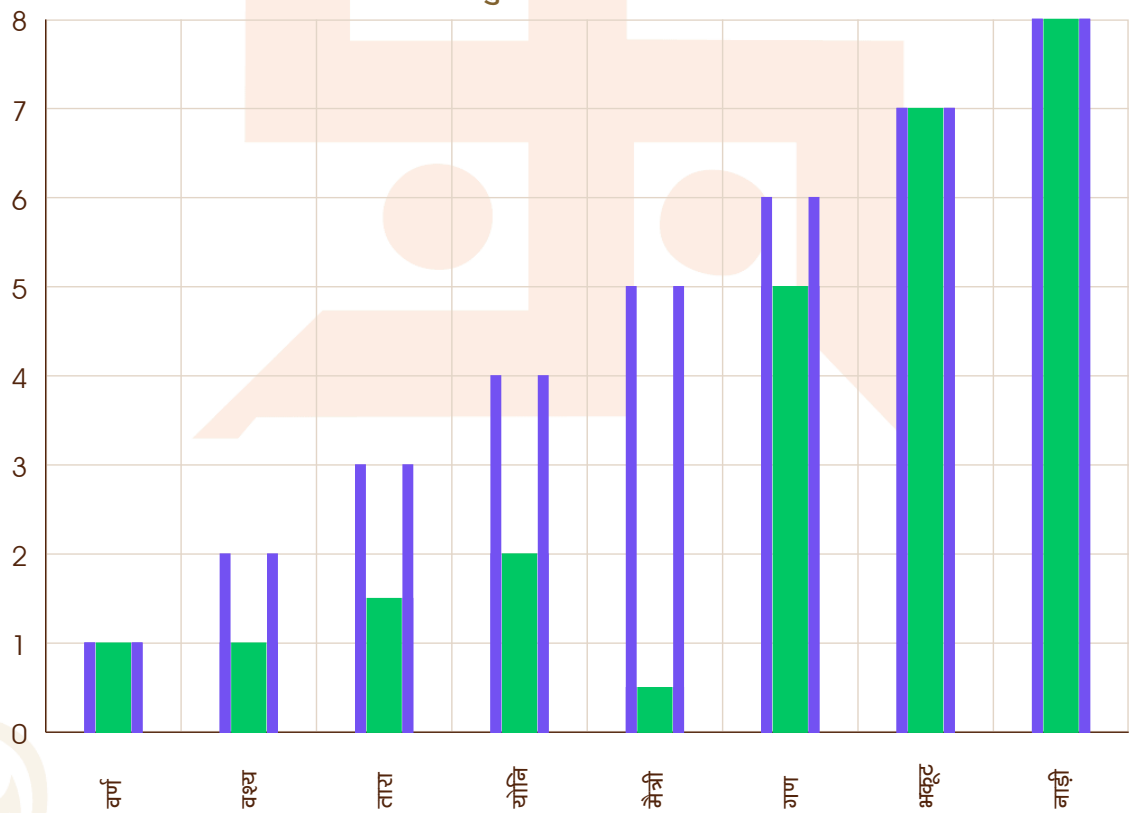

अष्टकूट मिलान

Boy का वर्ग मृग है तथा Girl का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Boy और Girl का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Boy मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Girl मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Girl कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Boy तथा Girl में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Boy की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष है तथा Girl की वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है। अग्नि और वायु के परस्पर सम्बन्ध मित्रता के हैं अतः इन दोनों में भी सामान्यतया शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समानता रहेगी तथा सामान्य मतभेदों के बावजूद जीवन में खुशी एवं प्रसन्नता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।

Boy का राशि स्वामी मंगल तथा Girl का राशि स्वामी बुध एक दूसरे के शत्रु हैं। यह ग्रह स्थिति दाम्पत्य सुख के लिए विशेष अनुकूल नहीं है। अतः जीवन में विभिन्न प्रकार के विरोधाभासों का इनको सामना करना पड़ेगा तथा अवसरानुकूल एक दूसरे के प्रति भी वैमनस्य का भाव रखेंगे जिससे जीवन में अनावश्यक अशांति तथा परेशानियां रहेंगी। अतः एक दूसरे की भावनाओं को समयानुसार आदर प्रदान करके ही आप उपरोक्त समस्याओं को कम कर सकते हैं।

Boy की राशि Girl की राशि से एकादश तथा Boy की Girl से तृतीय भाव में पड़ती है यह शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से आपकी परस्पर प्रेम एवं स्नेह की भावना में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे को समझने में सफलता प्राप्त करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में किंचित सुख एवं शांति की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही आर्थिक एवं अन्य सुख सुविधाओं का उपभोग करने में भी समर्थ रहेंगे।

Boy का वश्य चतुष्पद है तथा Girl का मानव। इसके प्रभाव से आपकी स्वाभाविक अभिरूचियों में स्पष्ट अंतर दृष्टिगोचर होगा तथा वैवाहिक जीवन में स्नेह एवं सुख में ईर्ष्या के भाव की भी उत्पति होने की संभावना रहेगी। यदि Boy, Girl की स्वतंत्र प्रेम प्रवृति को समझ सकें तथा Girl भी Boy की काम भावनाओं का आदर करें तो इनका जीवन सुखमय हो सकता है।

Boy का वर्ण क्षत्रिय है जिससे वह साहसी एवं पराक्रमी पुरूष होंगे तथा Girl का वर्ण शूद्र है इसके प्रभाव से वह कर्तव्य परायण होगी तथा किसी भी प्रकार के कार्य में विशेष रूचि का प्रदर्शन करके उसे करने में तत्पर हो जाएंगी।

धन

Boy और Girl की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Boy और Girl की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Girl एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण

संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Boy की नाड़ी मध्य तथा Girl की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु Girl के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Boy और Girl का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Boy और Girl के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Girl के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Girl को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Girl को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Boy और Girl सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Boy और Girl का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Girl के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Girl के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Girl अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता

पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Girl के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Boy के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Boy अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Boy के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Boy के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

अंक ज्योतिष फल

Boy

आपका जन्म दिनांक एक होने से आपका मूलांक एक होता है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा के व्यक्ति हेंगे। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगे। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगे उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगे। इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन संबंधों में, मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा। लम्बे समय तक जो भी विचार बना लेंगे उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगे। आपके प्रेमएवं स्थायी बनें रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य करने में असुविधा महसूस करेंगे। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगे। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी कि आप जो भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप आपको मंजूर नहीं होगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह होने के कारण सूर्य से संबंधित गुण कमोवेश मात्रा में आपके अंदर मौजूद रहेंगे। इसके प्रभावश दूसरों का उपकार, उपचार करने की प्रवृत्ति आपके अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान ही प्रकाशित होना पसंद करेंगे। सामाजिक संगठनों में मुखिया का पद पाने की आपकी चाहत बनी रहेगी। जोकि आप अपनी मेहनत एवं लगन से प्राप्त करेंगे।

Girl

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड़ ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर महिला के रूप में चर्चित रहेंगी। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगी। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रुझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्यन के क्षेत्र में सफल रहेंगी। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगी। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगी। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र, समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगी तथा इसकी

छाया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगी एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगी। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय की, वाणी से मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाली, धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य महिला के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

Boy

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

Girl

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाऐं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विध्नों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।

लग्न फल

Boy

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।

Girl

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी।

अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।

नक्षत्रफल

Boy

भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जन्म होने के कारण आपकी जन्म राशि मेष तथा राशि स्वामी मंगल होगा। नक्षत्रानुसार आपका मनुष्य गण, गज योनि, मध्य नाडी, क्षत्रिय वर्ण तथा मृग वर्ग होगा। भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न होने के कारण आपका जन्म नाम का प्रथम अक्षर "लू" से प्रारम्भ होगा।

भरणी नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप मनोरंजन के साधनों में गीत, संगीत, नृत्य या अन्य कलाएं तथा खेलकूद के प्रति विशेष आकर्षित रहेंगे तथा अपने समय का अधिकांश भाग इसी पर व्यतीत करेंगे। स्वभाव से ही पानी से आपको भय महसूस होगा। कभी कभी स्नानादि कर्म की भी आप इसी सन्दर्भ में उपेक्षा करेंगे। चंचलता का समावेश आपकी प्रवृति में रहेगा। तथा अन्य लोगों से आपका अच्छा व्यवहार नहीं रहेगा।

सदापकीर्ति र्हि महापवादैर्नाना विनोदैश्च विनीतकालः।
जलातिभीरूश्चपलः खलश्च प्राणी प्रणीतोभरणीजातः।।
जातकाभरणम्

आप अपने संकल्प के पक्के होंगे। एक बार जिस संकल्प को ले लेंगे उसे जी जान से पूर्ण करेंगे। सत्य बोलना तथा सत्य का पालन करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे। आपके शरीर में स्वस्थता बनी रहेगी तथा रोग ग्रस्त कम ही रहेंगे। चतुराई का गुण आप में स्वाभाविक होगा जो भी कार्य करेंगे आपकी दक्षता की झलक उसमें स्पष्ट दिखाई देगी। अतः आपका जीवन सुखी रहेगा।

कृत निश्चयः सत्यारूग्दक्षः सुखितश्च भरणीषु।
बृहज्जातकम्

कभी कभी आप किसी विशेष बात की हठ करेंगे और उसे पूरा ही करके छोडेगे चाहे अन्य लोगों को उस से कोई परेशानी ही क्यों न हो इससे अन्य लोग आपसे अप्रसन्न रहेंगे। आपके पास सम्पत्ति पूर्ण रूप से रहेगी एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा, शरीर से भी आप स्वस्थ रहेंगे तथा मुखाकृति दर्शनीय रहेगी।

अरोगी सत्यवादी च सम्पद्युक्तो दृढब्रतः।
भरण्यां जायते लोकः सुमुखश्च सुनिश्चितम्।।
जातक दीपिका

यदा कदा शारीरिक और मानसिक व्याकुलता से आप कष्ट का अनुभव करेंगे। जन सामान्य पर प्रभाव स्थापित करने के लिए कभी कभी आप कठोरता का भी प्रर्दशन करेंगे परन्तु धन से आप युक्त रहैंगे। तथा धनाभाव आजीवन नहीं रहेगा।

याम्यर्क्षे विकलोऽन्यदारनिरतः क्रूरः कृतध्नो धनी।

जातकपरिजातः

Girl

आप पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में पैदा हुई हैं। अतः आपकी जन्म राशि मिथुन तथा राशि स्वामी बुध होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी योनि मार्जार, गण देव, वर्ण शूद्र, वर्ग मेष तथा नाड़ी आद्य होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपका जन्म नाम "ह" अक्षर से शुरू होगा।

आपका स्वभाव अत्यन्त ही शान्त होगा तथा क्लेशादि के समय भी आप पूर्ण रूप से धैर्य रखेंगी व अन्य किसी प्रकार की उतावलेपन का प्रदर्शन नहीं करेंगी। आप समस्त भौतिक तथा सांसारिक सुखों से युक्त होकर जीवन यापन करेंगी। शारीरिक दृष्टि से आपका रूप एवं सौन्दर्य दर्शनीय होगा तथा वर्ण भी गौरवर्ण रहेगा। भाग्य हमेशा आपकी कार्य सिद्धियों में सहायक रहेगा। समाज में सभी के भलाई कार्यों में आप तन मन धन से तत्पर रहने के कारण खूब लोकप्रियता को प्राप्त करेंगी। साथ ही जीवन में पुत्र तथा मित्रों का आप को अभाव नहीं रहेगा।

शान्तः सुखी च सम्भोगी सुभगो जनबल्लभः।
पुत्रमित्रादिभिर्युक्तो जायते च पुनर्वसौ।।
मानसागरी

आपका स्वभाव सुशील तथा चाल चलन उत्तम रहेगा। यदा कदा आप दुष्ट बुद्धि से भी युक्त होंगी तथा दुष्कार्यों की ओर प्रवृत होंगी। साथ ही आपकी इच्छाओं का भी कभी अन्त नहीं होगा। तृष्णातुरता हमेशा बनी रहेगी परन्तु प्रवृति सन्तोषी होगी तथा किसी भी वस्तु की अधिक के स्थान पर कम प्राप्ति पर ही आप को सन्तोष हो जाएगा।

दान्तः सुखी सुशीलो दुर्मेधा रोगभाक् पिपासुश्च।
अल्पेन च सन्तुष्टः पुनर्वसौ जायते मनुजः।।
बृहज्जातकम्

गूढ़ से गूढ़ बातों का ज्ञान प्राप्त करने में आप सफलता प्राप्त करेंगी साथ ही आप आत्मज्ञानी भी होंगी। आप अपने वैभव तथा बल के कारण समाज में विख्यात होंगी लेखन कार्य आपका प्रियकार्य रहेगा तथा काव्य सृजन में आप सफलता को प्राप्त करेंगी।

गूढात्मा च पुनर्वसौ धनबलविख्यातः कविः कामुकः।
जातकपारिजातः

आपके मित्रों की संख्या अधिक होगी तथा शास्त्रज्ञान प्राप्ति में भी आपकी रूचि रहेगी। इसके लिए आप सतत प्रयत्नशील रहेंगी शुभ रत्नों तथा स्वर्ण से निर्मित आभूषणों से आप हमेशा सुसज्जित रहेंगी। आप में दानशीलता का गुण भी विद्यमान रहेगा तथा आप बहुत से सुखसंसाधनों तथा भूमि की स्वामिनी बनेंगी।

प्रभूतमित्रः कृतशास्त्रयत्नः सद्रत्नचामीकरभूषणाढ्यः।

दाता धरित्री वसुभि समेतः पुनर्वसु यस्य भवेत्प्रसूतौ।
जातकाभरणम

राशिफल

Boy

आपका जन्म मेष राशि में हुआ है। अतः आप अल्प भोजन करने वाले होंगे। साथ ही अन्य भाईयों में श्रेष्ठ होंगे। आप माता पिता के इकलौते पुत्र भी हो सकते हैं।

मेषस्थे यदि शीतगौ च लघुभुक् कामी महोत्थाग्रजो।।
जातकपरिजातः

आपके शरीर का वर्ण ताम्रवर्ण के समान गौरवर्ण का होगा तथा आखें लालीयुक्त गोल होंगी। आपके सिर पर ब्रण का निशान भी हो सकता हैं।

अल्प केशों से सिर सुशोभित होगा तथा कमल की कान्ति के समान आपके हाथ पैर होंगे। जल से भयभीत रहना आपकी स्वाभाविक प्रवृति होगी। साहस तथा संघर्ष की शक्ति का आप में अभाव नहीं रहेगा तथा अपने साहस से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आपकी प्रकृति चंचल होगी तथा धन को मान सम्मान से भी अधिक महत्व प्रदान करेगें जिससे कभी कभी परेशानियां उत्पन्न होंगी। सहयोगी तथा मित्र बड़ी संख्या में आपके पास होंगे। पुत्र भी पुत्रियों की अपेक्षा अधिक होंगे। स्त्री जाति आपकी कमजोरी होगी तथा उनके आगे आप पराजित सा महसूस करेंगें। लेकिन जनसामान्य से आपका स्नेहयुक्त व्यवहार रहेगा। अपने सद्व्यवहार तथा विनयशीलता के कारण आप पूर्ण सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।

सौववर्णाङ्गः स्थिरस्वः सहजविरहितः साहसी मानभद्रः।
कामार्तः क्षामजानुः कुनखतनुकचश्चञ्चलो मानवित्तः।।
पद्माभैः पाणिपादैर्वितत सुतजनो वर्तुलाकारनेत्रः।
सस्नेहतोयभीरू व्रणविकृतशिराः स्त्रीजितो मेष इन्दौ।।
सारावली

आप स्वभाव से ही शीघ्र क्रोध करने वाले तथा शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले होंगे। आपकी प्रवृति सुदूर क्षेत्रों में भ्रमण करने की होगी। आपके हाथ की हथेली में शौर्य सूचक चिन्ह यथा पताका चक्र आदि हो सकते हैं। स्त्री वर्ग में आप काफी लोकप्रिय रहेंगे। लेकिन सबके साथ सहयोग करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे तथा लोगों को अपनी परेशानी के समय भी सहायता प्रदान करेंगे।

वृतातास्रदृगुष्णशाकलघुभुक् क्षिप्रप्रसादोटनः।
कामी दुर्बलजानुरास्थिरधनः शूरोङ्गना बल्लभः।।
कुनखी व्रणाङ्कितशिरा मानी सहोत्थाग्रजः।
शक्त्यापणितलेडतोळति चपलस्तोये च भीरूः किये।।
बृहज्जातकम्

धन को आवश्यकता से अधिक महत्व प्रदान करने की प्रवृति आपके बुजुर्गो तथा

श्रेष्ठ संबंधियों की असन्तुष्टि का कारण बनेगा। जिससे वे आपसे अलग हो सकते हैं या आप भी उनसे अलग हो सकते हैं। साथ ही आपके अधिकांश घरेलू कार्य स्त्री की सलाह से ही सम्पन्न होंगे अतः तनाव तथा अलगाव का यह भी मुख्य कारण रहेगा। धन तथा पुत्र से आप आजीवन युक्त रहेंगे तथा सामाजिक कीर्ति भी प्राप्त करेंगे।

स्थिरधनोः रहितः सुजनैर्नरः सुतयुतः प्रमदा विजितो भवेत।
अजगतो द्विजराज इतीरितं विभुतयाद्भुतया स्वसुकीर्तिभाक्।।
जातकाभरणम्

भ्रमण के लिए आप ऐसे स्थानों पर जाना पसन्द करेंगे जो अगम्य हो अर्थात् जहां का भ्रमण आसानी से न किया जा सके। आपके सामाजिक संबंध विस्तृत होंगे अतः अवसरानुकूल आप अभक्ष्य पदार्थों अर्थात् मांस, मदिरा इत्यादि का भी भक्षण या सेवन कर सकते हैं।

मेषे त्वगम्यागमनप्रियश्च त्वभक्ष्यभक्षयोः।
वृहत्पाराशर होराशास्त्र

आपकी प्रकृति में कभी कभी उग्रता का प्रभाव भी परिलक्षित होगा। जब कभी आप अनावश्यक उग्रता दिखाएंगे समस्याएं उत्पन्न होगी। प्रवृति भी आपकी प्रारम्भ से चंचल रहेगी तथा अवसर पड़ने पर आप मिथ्याभाषण भी करेंगे।

वृतेक्षणो दुर्बलजानुरुग्रो भीरुर्जले स्याल्लघुभुक् सुकामी।
संचारशीलश्चपलोडनृतोक्ति व्रणाङ्कताङ्गः कियभे प्रजातः।।
फलदीपिका

यौगिक क्रिया आपको रूचिकर लगेगी तथा सिर अल्प केशों से युक्त रहेगा। पित्त या गरमी प्रदान करने वाले पदार्थों का आप यथाशक्ति परहेज करें अन्यथा मस्तिष्क में विकार का योग बनता है। दुर्घटनाओं से बचें तथा शारीरिक सुरक्षा का भी पूर्ण ध्यान रखें।

भवति विकलकेशो योगकर्मानुशीलो।
न भवति सुसमृद्धो नैव दारिद्रय युक्तः।।
व्रजति च सविकारं भूतियुक्तः प्रलापी।
संभवति पुरुषोळयं मेष राशौ।।
जातक दीपिका

आपके लिए कार्तिक मास, प्रतिपदा, षष्ठी, एकादशी शुक्ल तथा कृष्ण पक्ष दोनों की तिथियां, मघा नक्षत्र, विष्कुम्भ योग, बवकरण, रविवार तथा प्रथम प्रहर एवं मेष राशि में स्थित चन्द्रमा आपके लिए हानिकारक है। अतः आप 15 अक्टूबर से 14 नवम्बर के मध्य 1,6,11 शुक्ल तथा कृष्ण पक्ष की तिथियों में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, साझेदारी लेन देन आदि न करे। इससे आपको लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी। साथ ही मघा नक्षत्र, प्रथम प्रहर तथा मेष राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। उपरोक्त अशुभ समय में

शरीर की भी पूर्ण सुरक्षा रखें।

यदि आपके लिए समय प्रतिकूल चल रहा हो मानसिक अशान्ति, शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि ,नौकरी ,पदोन्नति प्राप्ति में बाधा उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट श्री हनुमान जी की उपासना करनी चाहिए। इसके साथ ही सोना, तांबा, गेहूं, घी, रक्त वस्त्र आदि पदार्थो का दान करना चाहिए इससे अशुभ फलों में कमी होगी तथा मानसिक शान्ति प्राप्त होगी। साथ ही मंगल के कम से कम 7000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। मंगलवार के उपवास भी शुभकार्यों की वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होंगे।

ऊँ क्रां क्रीं क्रों सः भौमाय नमः।
मंत्र- ऊं हुँ श्रीं भौमाय नमः।

Girl

आप मिथुन राशि में उत्पन्न हुई हैं। अतः आप की आखें थोड़ी लालिमा लिए हुए श्याम वर्ण की तथा बाल घुंघराले होंगे। आपके शरीर के सारे अंग कोमलता लिए पुष्ट तथा सुडौल होंगे एवं नासिका भी उन्नत होगी। विभिन्न प्रकार के शास्त्रों के अध्ययन में आप अभ्यासरत रह कर ज्ञान प्राप्त करेंगी। दूतिका कार्य या सन्देशों के आदान प्रदान में आप निपुणता का प्रदर्शन करेंगी। आप अत्यन्त तीव्र बुद्धि की होंगी तथा अपनी इसी बुद्धि के द्वारा अपने समीपस्थ अन्य जनों की चित्त की बातों को जानने में सफल सिद्ध होंगी। समाज के लोगों से आपका व्यवहार अत्यन्त ही विनयशील एवं प्रशंसनीय रहेगा। आप मधुर वाणी बोलेंगी जिससे अन्य जनों को प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। आप हंसने तथा हंसाने की शौकीन होंगी तथा आजीवन हास्य युक्त रहेंगी। संगीत से आपका अनन्य प्रेम रहेगा तथा नृत्य शास्त्र की आप विशेषज्ञा होंगी।

स्त्रीलोलः सुरतोपचारकुशलतास्रेक्षणः शास्त्राविद्।
दूतः कुत्रिचद् मूर्धजः पटुमति हास्योङ्गित द्यूतवित्।।
चार्वाङ्गाः प्रियवाक् प्रभक्षण रूचिर्गीतप्रियो नृत्यवित्।
क्लीबैर्याति रतिं समुन्नतश्चन्द्रे तृतीयर्क्षगे।।
बृहज्जातकम्

आपके हाथ में मछली का चिन्ह हो सकता हैं। आपके कद की ऊँचाई पूर्ण होगी। लेखन कार्य में नैसर्गिक रूप से आपकी रूचि रहेगी तथा काव्य सृजन में आप सफलता प्राप्त करेंगी। आप अपने जीवन में समस्त भौतिक तथा सांसारिक सुखसंसाधनों की उपभोग करने वाली होंगी। साथ ही पुरूषवर्ग को आप अपने वश में रखने में सफलता प्राप्त करेंगी।

उन्नासश्यामचक्षु सुरतविधिकला काव्यकृद्भोग भोगी।
हस्ते मत्स्याधिपाङ्को विषय सुखरतो बुद्धिदक्षः सिरालः।।
कान्तः सौभाग्य हास्य प्रियवचनयुतः स्त्रीजितौ व्यायताङ्गो।
याति क्लीबैश्च रतिकर्म संख्यशशिनि मिथुनगे मातृयुग्मप्रपुष्टः।।

सारावली

आप दीर्घजीवी होंगी तथा सदैव हास्य प्रिय रहेंगी। हंसने तथा हंसाने के कार्य को आप प्रिय समझेंगी। आप घूमने या यात्रा करने में भी उत्सुक रहेंगी तथा घर में रहकर भी सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगी।

दीर्घायुः सुरतोपचारकुशलो हास्यप्रियो युग्मके।।
जातकपरिजातः

आपकी मित्रता तथा सामाजिक क्षेत्र विस्तृत रहेगा तथा इनमें आप खूब लोकप्रिय रहेंगी। पुरूषों के प्रति आपका तीव्राकर्षण रहेगा तथा उनके मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय समझी जाएंगी। साथ ही आप अपनी प्रतिभा तथा सत्कार्यों से समाज में कीर्ति तथा गौरव भी अर्जित करेंगी।

प्रियकरः करमत्स्ययुतोनरः सुरतसौख्यभरो युवतीप्रियः।
मिथुन राशि गतौहिम गौ भवेत्सुजनतजनताकृत गौरवः।।
जातकाभरणम्

आप अपने लेखों तथा भाषणों में श्लिष्टयुत स्पष्ट वाक्यों का अधिकांश प्रयोग करेंगी जिससे सामान्य जन भी समझने में सफल रहेंगे आप अपने बन्धुवर्ग के तथा समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए हमेशा तत्पर रहेंगी। साथ ही आपकी प्रवृति पित्त कफ से युक्त होगी एवं चाल चलन उत्तम तथा प्रशंसनीय रहेगा।

मृदुरूपचित्तगात्रः श्लिष्टविस्पष्टवाक्यः।
परजनहितकर्ता पंडितौ हास्य युक्तः।।
प्रकृति शुभचरित्रं श्लेष्मचित्त स्वभावो।
भवति मिथुन जातो गीतवाद्यानुरक्तः।।
जातक दीपिका

आपके नेत्र हमेशा चंचलता से युक्त रहेंगे। संगीत एवं नृत्य के प्रति आप समर्पित रहेंगी तथा अपने अच्छे व्यवहार, अच्छे कार्य तथा धन एवं वैभव के द्वारा कीर्ति को प्राप्त करने में सफलता अर्जित करेंगी। अपने मन में एक बार आप जिस बात को सोच लेंगी उसे पूर्णरूप से सम्पन्न करके ही रहेंगी। यह आपके दृढ़संकल्प का परिचायक होगा। इसके साथ ही भाषण देने की कला में भी आप विशेष चतुर होंगी।

मृदुवाक्यो लोलदृष्टिर्दयालु मैथुनप्रियः।
गान्धर्ववित् कासरोगी कीर्तिभोगी धनी गुणी।।
गौरोदीर्घः पटुर्वक्ता मेधावी च दृढव्रतः।
समर्थो न्यायवादी च जायते मिथुने जनः।।
मानसागरी

आपके लिए आषाढ मास, द्वितीया, सप्तमी तथा द्वादशी तिथियां कृष्ण तथा शुक्ल

दोनों पक्षों की, स्वाती नक्षत्र, परिघयोग, सोमवार तृतीय प्रहर तथा धनु राशि स्थित चन्द्रमा अशुभ फल देने वाले हैं। अतः आप 15 जून से 14 जुलाई के मध्य, स्वाती नक्षत्र, परिघयोग में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रय आदि शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी। साथ ही सोमवार, तृतीय प्रहर तथा धनु राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें अन्यथा हानि योग बनता हैं। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति प्राप्ति में बाधा आदि या अन्य अशुभ फल घटित हो रहे हों तो ऐसे समय में आपको प्रातः तथा सायं काल नित्य नियमित रूप से श्री गणेश जी के दर्शन करने चाहिए तथा बुधवार का भी उपवास करना चाहिए ऐसा करने से आपके अशुभ प्रभाव दूर होंगे तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी। साथ ही पन्ना, हरा वस्त्र, मिश्री, घी, गुड़ आदि पदार्थो का भी श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा लाभमार्ग प्रशस्त होंगे।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

पाया विचार

Boy

आपका जन्म लौहपाद में हुआ है यद्यपि लौहपाद में उत्पन्न जातक जीवन में विभिन्न प्रकार से रोगी दुःखी, धन एवं सुख संसाधनों से हीन रहकर जीवन यापन करते है। परन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा की स्थिति शुभ राशि में है। अतः आपको अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फलों की प्राप्ति ही अधिक मात्रा में होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा सामान्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। आप एक दानशील व्यक्ति होंगे तथा दान देने के लिए सदैव उद्यत रहेंगे। आप एक गुणवान पुरूष होंगे तथा अपने सद्गुणों से अन्य जनों को प्रभावित करेंगे। आप शुभ कार्यों पर अधिक व्यय करेंगे। अनावश्यक या अन्य अशुभ कार्यों पर व्यय करना आपको अच्छा नहीं लगेगा। इसके अतिरिक्त जीवन में सर्वप्रकार के भौतिक एवं विलासमय सुखसंसाधनों से आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। इन्ही विलासमय वस्तुओं पर आपका व्ययाधिक होता रहेगा।

Girl

आप ताम्र पाद में उत्पन्न हुई हैं। अतः आप राज्य या सरकार से नित्य धनलाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा समाज में दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि व्याप्त रहेगी। देखने में आपका सौन्दर्य आकर्षक रहेगा। साथ ही आप सन्तोषी स्वभाव से भी युक्त रहेंगी। आपका आचरण श्रेष्ठ रहेगा। अतः सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। जीवन में विविध प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा सुखपूर्वक जीवन में इनका उपभोग करेंगी। माता पिता के प्रति आप पूर्ण सम्मान का भाव रखेंगी तथा उनसे भी आपको पर्याप्त धन सम्पत्ति प्राप्त होगी ज्ञानार्जन में आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा विदुषी के रूप में आपका सम्मान होता रहेगा। आप अपने द्वारा प्रारम्भ कार्यों में शीघ्र ही सफलता अर्जित करेंगी तथा वाहन एवं भूमि आदि जायदाद से भी सुसम्पन्न रहेंगी। धर्म के प्रति आपकी निष्ठा रहेगी तथा स्वभाव में साहस का समावेश रहेगा। आप परोपकार संबंधी कार्यों में भी में तत्पर रहेंगी तथा सज्जन पुरूषों का नित्य आदर करेंगी। इसके अतिरिक्त दानशीलता के भाव से भी आप युक्त रहेंगी।

गण फलादेश

Boy

आप मनुष्य गण में उत्पन्न हुए हैं। अतः जन्म से ही आप धार्मिक प्रवृति के होंगे। देवताओं तथा ब्राहमणों में आपकी असीम श्रद्धा होगी। आप धनवान होंगे परन्तु साथ ही अभिमान भी आपके अन्दर होगा। आप दयावान तथा बलवान होंगे तथा दीन दुःखियों की आप सच्चे मन से सेवा करेंगे। आप विभिन्न प्रकार के कार्य तथा कलाओं के ज्ञाता होंगे। ज्ञान प्राप्त करने में आप की अभिरूचि रहेगी। आपका शरीर सुन्दर तथा कान्ति युक्त होगा। आप बहुत से लोगों को सुख प्रदान करेंगे तथा कई लोग आप पर आश्रित होंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

मान सम्मान से आप हमेशा परिपूर्ण रहेंगे तथा आजीवन विपुल धन के स्वामी रहेंगे। आपकी आखें बड़ी बड़ी होंगी तथा निशाने बाजी में आप अत्यन्त ही चतुर होंगे। आपके शरीर का वर्ण गौरवर्ण होगा तथा नगरवासियों को आप वश में करने में सफल रहेंगे। आप किसी नगर के सम्मानित तथा आदरणीय व्यक्ति भी हो सकते हैं।

धनीमानी विशालाक्षो लक्ष्यभेदी धनुर्धरः।
गौरः पौरजन ग्राही जायते मानवे गणे।।
मानसागरी

Girl

आप देव गण में पैदा हुई हैं। अतः आपकी वाणी अत्यन्त श्रेष्ठ एवं मधुर होगी जिसे सुनकर श्रोताओं को हर्षानुभूति होगी। आप सरल बुद्धि की स्वामिनी होगी तथा बिना किसी अतिरिक्त परिश्रम से सादगी पूर्ण ढंग से अपने विचारों को प्रकट करेंगी। एवं उसी प्रकार अन्य जनों के विचारों को भी ग्रहण करेंगी। आप सात्विक भोजन करना पसन्द करेंगी तथा इसे रूचिपूर्वक भक्षण करेंगी। गुणों के मध्य भेद करने में आप सफल होंगी । तथा स्वयं विद्वानों द्वारा वर्णित उच्च गुणों से सम्पन्न रहेंगी। साथ ही आपको आजीवन धन वैभव तथा ऐश्वर्य की कमी नहीं रहेगी तथा इससे आप हमेशा सुशोभित रहेंगी।

सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च।
जायते सुरगणे डणज्ञः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः।।
जातकाभरणम्

आपका शरीर सुन्दर, गौरवर्ण, स्वस्थ तथा पुष्ट रहेगा। आप दानी स्वभाव की होंगी तथा अवसरानुकूल इस प्रवृति का निर्वाह करती रहेंगी इससे आपको समाज में मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप सादगी पसन्द होंगी तथा कार्य का आडम्बर या दिखावा आपको

पसन्द नहीं रहेगा। साथ ही आप एक विदुषी भी हो सकती हैं।

सुन्दरो दानशीलश्च कान्तिमान सरलः सदा।
अल्प भोगी महाप्रज्ञो नरो देवगणो भवेत।।
मानसागरी

योनी फलादेश

Boy

आप गज योनि में पैदा हुए हैं। अतः आप राजा के द्वारा पूर्ण सम्मानीय होंगे तथा बडे बडे अधिकारियों तथा मंत्रियों से आपके घनिष्ठ संबंध होंगे। आप आत्मबल बुद्धिबल तथा बाहुबल से युक्त रहेंगे। समस्त सांसारिक तथा भौतिक सुखों का आप उपभोग करेंगे। आप किसी मंत्री या उच्चाधिकारी के सहयोगी या स्वयं भी उच्चाधिकारी हो सकते हैं। आप बाल्य काल से ही उत्साही रहेंगे तथा इसी उत्साही प्रवृति से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे।

राजमान्यो बली भोगी भूपस्थान विभूषणः।
आत्मोत्साही नरो जातः गजयोनौ न संशयः।।
मानसागरी

Girl

मार्जार योनि में उत्पन्न होने के कारण आप स्वभाव से ही पराक्रमी एवं हिम्मत से कार्य करने वाली होंगी। आप अपने समस्त कार्यों को चतुराई से सम्पन्न करेंगी। मीठा भोजन तथा मीठा पेय आपके लिए अभिरूचिकारक होंगे। इनके सेवन से आपको अत्यन्त आनन्दाभूति होगी। भय का आप में सर्वथा अभाव रहेगा तथा निर्भयता पूर्वक जीवन पथ पर चलती रहेंगी। परन्तु कभी कभी आपके स्वभाव में दुष्टता का समावेश होगा। अतः दुष्कर्मों को करने में भी आपकी प्रवृति उत्पन्न होगी।

शूरः स्वकार्येदक्षश्च मिष्ठानपान भक्षकः।
निर्भयो दुस्वभावश्च नरो मार्जार योनिजः।।
मानसागरी

ग्रह फल - सूर्य

Boy

ग्यारहवें भाव में सूर्य हो तो जातक धनी, बलवान्, सुखी, स्वाभिमानी, तपस्वी, मितभाषी, सदाचारी, योगी, अल्पसन्तति एवं उदररोगी होता है।

मीन राशि में रवि हो तो जातक बुद्धिमान्, यशस्वी, व्यापारी, विवेकी ज्ञानी, योगी, प्रेमी, गुप्त विद्याओं में रुचि रखने वाला और स्वसुर से लाभन्वित होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य एकादश भाव में स्थित है अतः आप पिता के हमेशा प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा सामान्य रूप से वे शारीरिक व्याकुलता की अनुभूति भी करेंगे। धनैश्वर्य एवं सम्मान से वे हमेशा युक्त रहेंगे एवं जीवन में आपको सर्वप्रकार के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही आपके धनार्जन के साधनों की उन्नति में भी वे आपको प्रायः सहयोग तथा निर्देश प्रदान करते रहेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे। आप जीवन में उनको हमेशा वांछित सहयोग तथा सहायता प्रदान करते रहेंगे एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्टानुभूति नहीं होने देंगे।

Girl

अष्टमभाव में सूर्य हो तो जातक धैर्यहीन, निबुद्धि, सुखी, धनी, क्रोधी, चिन्तायुक्त एवं पित्तरोगी होता है।

मेष राशि में रवि हो तो जातक उदार, गम्भीर, शूरवीर, आत्मबली स्वाभिमानी, प्रतापी, चतुर, पित्तविकारी, युद्धप्रिय, साहसी एवं महत्वाकांक्षी होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य अष्टम भाव में विद्यमान है अतः पिता का आपके प्रति स्नेह का भाव रहेगा। उनका स्वास्थ्य ठीक होगा तथापि यदा कदा शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करते रहेंगे। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपकी पूर्ण सहायता करते रहेंगे। पिता से आप यदा कदा विशेष धन या सम्पत्ति भी अर्जित कर सकेंगी। साथ ही व्यापार आदि कार्यों एवं यात्रा आदि में भी वे आपका सहयोग करेंगे तथा वांछित निर्देश भी देंगे।

आप भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी तथा उनकी आज्ञा पालन करने तथा सेवा करने के लिए नित्य तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के उत्पन्न होने के कारण संबंधों में कटुता आएगी लेकिन कुछ समय के उपरान्त सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में हमेशा उनकी सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगी एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं

होने देंगी।

ग्रह फल - चन्द्र

Boy

बारहवें भाव में चन्द्रमा हो तो जातक मृदुभाषी, चिन्ताशील, एकात्तप्रिय, क्रोधी, कफरोगी, चंचल, नेत्ररोगी एवं अधिक व्यय करने वाला होता है।,

मेष राशि में चन्द्रमा हो तो जातक स्थिर सम्पत्तिवान्, शूर, दृढ़ शरीरवाला, बन्धुहीन, कामी, उतावला, जलभीरू, यात्रा करने का शौकीन ,आत्माभिमानी एवं साहसी होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति द्वादश भाव में है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य सामान्य अच्छा रहेगा तथा यदा कदा कष्टों का भी सामना करना पडेगा। लेकिन आपके प्रति उनके मन में वात्सल्य का भाव रहेगा तथा जीवन में आपको प्रायः यथाशक्ति अपना सहयोग प्रदान करती रहेंगी। आप उनसे अच्छे तथा पुण्य के कार्यों के प्रति प्रवृत होंगे तथा समयानुसार दानादि को भी उन्हीं के कथनानुसार सम्पन्न करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति आदर का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा का पालन आप कुछ अवसरों को छोडकर करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध विशेष मधुर नहीं होंगे क्योंकि आप में काफी मतभेद रहेंगे तथापि सांसारिक संबंधों में कोई तनाव नहीं रहेगा एवं सामंजस्य पूर्वक आप के परस्पर व्यवहार चलते रहेंगे। साथ ही उन्हें कष्ट के समय आप अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता अवश्य प्रदान करेंगे।

Girl

दसवेंभाव में चन्द्रमा हो तो जातक कार्यकुशल, व्यापारी, कार्यपरायण, सुखी, यशस्वी, विद्वान्, कुल-दीपक, दयालु, निर्बल बुद्धि, सन्तोषी लोकहितैषी, मानी, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घायु होता है।

मिथुन राशि में चन्द्रमा हो तो जातक विद्वान, अध्ययनशील, सुन्दर, रतिकुशल, भोगी, मर्मज्ञ, नेत्र चिकित्सक, अच्छा वक्ता एवं अच्छा अन्तर्ज्ञान वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति दशम भाव में है। अतः माता का आप पूर्ण स्नेह प्राप्त करेंगी। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। धन सम्पत्ति तथा अन्य आवश्यक सुख संसाधनों से वे युक्त रहेंगी तथा जीवन के आवश्यक कार्यों में आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही आप आजीविका, व्यापार तथा यश प्राप्ति भी उन्हीं के सहयोग से अर्जित करने में सफल होंगी।

आप उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा भाव रखेंगी एवं समयानुसार उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध अच्छे रहेंगे तथा यदा कदा आपस में सैद्धान्तिक मतभेद होंगे किन्तु उससे आपके संबंधों में कोई विशेष प्रभाव नहीं पडेगा। आप भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा हर सम्भव उनका सहयोग करने के लिए तत्पर रहेंगी। इस प्रकार आप एक दूसरें के लिए सामान्य रूप से शुभ ही समझी जाएंगी।

ग्रह फल - मंगल

Boy

लग्न (प्रथम) में मंगल हो तो जातक, चपल, क्रूर, महत्वाकांक्षी, विचार रहित, गुप्तरोगी, उतावला, लौहधातु एवं व्रणजन्य, कष्ट से युक्त, व्यवसायहानि, दुर्घटना की सम्भावना, दुःखी, निर्धन एवं साहसी होता है।

वृष राशि में मंगल हो तो जातक अत्यन्त कामुक, अनैतिक आचरण, पुत्रद्वेषी, प्रवासी, सुखहीन, लड़ाकू प्रकृति, वंचक, सिद्धान्त रहित, स्वार्थी एवं क्रूर होता है।

आपके जन्म काल में मंगल प्रथम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता उनमें परिलक्षित होगी। धन धान्य से वे प्रायः सुसम्पन्न ही दौरान आपकी- प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में आपको प्रायः अपना आथिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनको हृदय से चाहेंगे तथा उनकी वांछित सहायता एवं सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर ही होंगे परन्तु यदा कदा मतभेद के कारण संबंधों में कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा लेकिन यह अल्प समय के लिए ही रहेगा उसके बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस प्रकार मध्यम रूप से आप एक दूसरे का परस्पर सहयोग करते रहेंगे।

Girl

छठेभाव में मंगल हो तो जातक बलवान्, धैर्यशाली, प्रबल जठराग्नि, कुलवन्त, प्रचण्ड शक्ति, शत्रुहन्ता, ऋणी, दादरोगी, क्रोधी, पुलिस अफसर, व्रण और रक्तविकार युक्त एवं अधिकव्यय करने वाला होता है।

कुम्भ राशि में मंगल हो तो जातक व्यसनी, लोभी, सट्टे से धननाशक, आचारहीन, मत्सरवृत्ति एवं बुद्धिहीन होता है।

आपके जन्म समय में मंगल छठे भाव में स्थित है अतः भाई बहिनों की आप प्रिय रहेंगी एवं उनसे सम्मान एवं स्नेह की नित्य आपको प्राप्ति होती रहेगी। उनका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति होती रहेगी। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में आपको अपनी ओर से आर्थिक तथा अन्य रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। सुख दुःख में वे पूर्ण रूपेण आपके साथ रहेंगे एवं शत्रु वर्ग से आपकी यत्नपूर्वक सुरक्षा करेंगे।

आपका भी उनके प्रति हार्दिक प्रेम रहेगा एवं उनके कल्याण संबंधी कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण अल्प मात्रा में कटुता का भी आभास होगा लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप जीवन में उनको पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान

करके अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कष्टानुभूति नहीं होने देंगी।

ग्रह फल - बुध

Boy

दशमभाव में बुध हो तो जातक सत्यवादी, मनस्वी, व्यवहार कुशल, लोकमान्य, विद्वान, लेखक, कवि जमींदार, मातृ-पितृ भक्त, राजमान्य, न्यायी एवं भाग्यवान् होता है।

कुम्भ राशि में बुध हो तो जातक कुटुम्बहीन, दुःखी, अल्पधनी, झगड़ालू, प्रसिद्ध निर्बल स्वास्थ्य एवं प्रगति करने वाला होता है।

Girl

अष्टमभाव में बुध हो तो जातक दीर्घायु, अभिमानी, राजमान्य, कृषक, लब्धप्रतिष्ठ, मानसिक दुखी, कवि, वक्ता, न्यायाधीश, मनस्वी, धनवान् एवं धर्मात्मा होता है।

मेष राशि में बुध हो तो जातक चतुर, प्रेमी, सत्यप्रिय, नट, रतिप्रिय कृशदेही, लेखक, ऋणी, मिलनसार, अविश्वस्त एवं बुरे विचार वाला होता है।

ग्रह फल - गुरु

Boy

ग्यारहवें भाव में गुरु हो तो जातक व्यवसायी, धनिक, सन्तोषी, सुन्दरनिरोगी, लाभवान्, पराक्रमी, सद्व्ययी, बहुस्त्रीयुक्त, विद्वान् राजपूज्य एवं अल्पसन्ततिवान् होता है।

मीन राशि में गुरु हो तो जातक लेखक, शास्त्रज्ञ, गर्वहीन, राजमान्य, शान्त, व्यवहार कुशल, दयालु, साहित्य प्रेमी, विरासत में धन सम्पत्ति प्राप्त करने वाला, साहसी एवं उच्चपद पर आसीन होता है।

Girl

दशमभाव में गुरु हो तो जातक सुकर्म करने वाला, प्रसिद्ध और सम्मानित प्रतिष्ठित पद पर आसीन, सदाचारी, पुण्यात्मा, ऐश्वर्यवान्, साधु, चतुर, न्यायी, प्रसन्न, ज्योतिषी, सत्यवादी, शत्रुहन्ता, राजमान्य, स्वतन्त्र विचारक, मातृपितृ भक्त, लाभवान्, धनी एवं भाग्यवान् होता है।

मिथुन राशि में गुरु हो तो जातक योग्य वक्ता, सुगठित शरीर, लम्बाकद, उदार, विद्वान, कई भाषाओं का जानने वाला, अनायास धनप्राप्त करने वाला, लोकमान्य, लेखक एवं व्यवहार कुशल होता है।

ग्रह फल - शुक्र

Boy

दशम भाव में शुक्र हो तो जातक गुणवान्, दायालु, विलासी, ऐश्वर्यवान्, भाग्यवान्, न्यायवान् विजयी, गानप्रिय, धार्मिक ज्योतिषी एवं लोभी होता है।

कुम्भ राशि में शुक्र हो तो जातक शान्तिप्रिय, दूसरों को सहायता करने वाला, सच्चरित्र, सुन्दर, लोकप्रिय, चिन्ताशील एवं रोग से सन्तप्त होता है।

Girl

सप्तमभाव में शुक्र हो तो जातक लोकप्रिय, धनिक, चिन्तित, विवाह के बाद भाग्योदय, साधुप्रेमी, स्त्री से सुख, कामी, भाग्यवान् गानप्रिय, विलासी, अल्पव्यभिचारी चंचल एवं उदार होता है।

मीन राशि में शुक्र हो तो जातक जौहरी, शिल्पज्ञ, जमीन्दार, अच्छा और हास परिहास का स्वभाव, विद्वान, लोकप्रिय, शान्त, धनी, कार्यदक्ष, कृषिकर्म का मर्मज्ञ, शिष्ट और सभ्य सम्मानित एवं आराम तलब होता है।

ग्रह फल – शनि

Boy

सप्तम भाव में शनि हो तो जातक क्रोधी, कामी, विलासी, अविवाहित रहना या दुःखी विवाहित जीवन, धन सुखहीन, भ्रमणशील, नीचकर्मरत, स्त्रीभक्त एवं आलसी होता है।

वृश्चिक राशि में शनि हो तो जातक संकीर्ण विचारों वाला, हिंसक, कठोरघ्दय, उतावला, कमजोर स्वास्थ्य, बुरी आदतें, दुःखी, विष से खतरा, निर्धन स्त्रीहीन, क्रोधी, कठोर एवं लोभी होता है।

Girl

पंचम भाव में शनि हो तो जातक आलसी, सन्तानयुक्त, चंचल, उदासीन, विद्वान, भ्रमणशील एवं बातरोगी होता है।

मकर राशि में शनि हो तो जातक कुशा बुद्धि, परिश्रमी, आस्तिक भोगी, मिथ्याभाषी, शिल्पकार, प्रवासी, अच्छा घरेलू जीवन, विद्वान्, सन्देह करनेवाला, बदला लेने वाला एवं दार्शनिक होता है।

ग्रह फल - राहु

Boy

ग्यारहवें भाव में राहु हो तो जातक परिश्रमी, अल्पसन्तान, विदेशियों से धनलाभ, दीर्घायु, मन्दमति, लाभहीन, अरिष्टनाशक, व्यवसाययुक्त, कदाचित् लाभदायक एवं कार्य सफल करने वाला होता है।

मीन राशि में राहु हो तो जातक आस्तिक, कुलीन, शान्त, कलाप्रिय और दक्ष होता है।

Girl

पंचम भाव में राहु हो तो जातक शास्त्रप्रिय, कार्यकर्ता, भाग्यवान्, उदररोगी, मतिमन्द, कुल धननाशक, धनहीन, नीतिदक्ष एवं सन्तान के लिए अशुभ होता है।

मकर राशि में राहु हो तो जातक मितव्ययी, कुटुम्बहीन एव दाँत रोगी होता है।

ग्रह फल – केतु

Boy

पंचम भाव में केतु हो तो जातक वातरोगी, कुचाली, कुबुद्धि, सन्तान को नष्ट करता है, योगी, कुशाग्रबुद्धि एवं कोधी होता है।

कन्या राशि में केतु हो तो जातक सदारोगी, मूर्ख, मन्दाग्निरोग एवं व्यर्थवादी होता है।

Girl

ग्यारहवें भाव में केतु हो तो जातक बुद्धिहीन, निजका हानिकर्त्ता, अरिष्टनाशक एवं वातरोगी होता है।

कर्क राशि में केतु हो तो जातक वातविकारी, भूतप्रेत पीड़ित एवं दुःखी होता है।

Boy

आपके जन्म समय में लग्न में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। सामान्यतया वृष लग्न में उत्पन्न मनुष्य धैर्य युक्त एवं सहनशील स्वभाव के होते हैं तथा अपने वार्तालाप में सर्वदा मधुर वाणी का उपयोग करते हैं। शारीरिक रूप से उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा परिश्रम करने की उनमें अपूर्व क्षमता विद्यमान रहती है तथा अपने परिश्रमशील स्वभाव के द्वारा वे जीवन में उन्नति तथा सफलता अर्जित करने में समर्थ होते है जिससे समाज में उनको मान प्रतिष्ठा तथा यश की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में सुखऐश्वर्य से युक्त होकर वे भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते है। वे शांत स्वभाव के होते है परन्तु पराक्रम एवं उत्साह से पूर्ण रहते है।

अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक शांति तथा सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आपकी वाणी मधुर होगी तथा स्ववाक्चातुर्य से आप अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे। आपका शारीरिक कद मध्यम रहेगा तथा स्वभाव में सहिष्णुता तथा उदारता का भाव विद्यमान होगा। आपके सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय पूर्ण होंगे जिससे आपको सुखैश्वर्य की प्राप्ति होगी तथा समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आप एक उत्साही पराक्रमी तथा परिश्रमी पुरुष होंगे तथा इनसे जीवन में इच्छित उन्नति एवं सफलताओं को अर्जित करेंगे। आप अपने श्रेष्ठ जनों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रखने में समर्थ होंगे। आप में विद्वता का भाव भी रहेगा तथा कला एवं साहित्य के क्षेत्र में परिश्रम पूर्वक उन्नति करेंगे। साथ ही जीवन में भौतिक सुखों को प्राप्त करके प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

लग्न में मंगल के प्रभाव से आप एक साहसी पराक्रमी तथा तेजस्वी पुरुष होंगे तथा यदा कदा आप क्रोध के भाव को भी प्रदर्शित करेंगे लेकिन क्रोध के भाव पर आपको यत्नपूर्वक नियंत्रण रखना चाहिए जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हों। आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। लेकिन आपके सांसारिक महत्व के सभी कार्य पराक्रम तथा परिश्रम से सफल होंगे तथा जीवन में मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप एक बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा अपने कार्य कलापों में बुद्धिमता की छाप अवश्य छोड़ेगे।

आपके स्वभाव में तेजस्विता का भाव रहेगा परन्तु उदारता का भी आप समय समय पर प्रदर्शन करेंगे तथा जरूरतमंद लोगों की समय समय पर सेवा एवं सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। लेकिन परिश्रम एवं योग्यता से आपके उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा इच्छित धन वैभव एवं सुख संसाधनों को अर्जित करने में समर्थ होंगे। स्त्री से आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा तथा पुत्र संतति से भी युक्त रहेंगे। संगीत के प्रति भी यदा कदा आप रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा न्यूनाधिक रूप से इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के इच्छुक होंगे।

इस प्रकार आप पराक्रमी तेजस्वी साहसी तथा बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा जीवन में स्व योग्यता से सफलता अर्जित करके सुखपूर्वक समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Girl

आपके जन्म समय में लग्न में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। सामान्यतया कन्या लग्न में उत्पन्न जातक अध्ययनशील होते हैं तथा विभिन्न विषयों के ज्ञानार्जन में उनकी रूचि रहती है। सदगुणों से वे युक्त रहते हैं एवं भाग्यशाली भी होते हैं। उनके सांसारिक महत्व के कार्य अल्प परिश्रम के द्वारा ही भाग्यबल से सम्पन्न हो जाते हैं फलतः कार्यक्षेत्र में वे उन्नतिशील रहते हैं। उनकी बुद्धि भी तीक्ष्ण होती है तथा कठिन से कठिन विषय को समझने तथा समाधान करने में वे समर्थ रहते हैं। राजनीति में यद्यपि उनकी रूचि अल्प होती है तथापि राजकार्यों में सलाहकार या सचिव अथवा प्रशासनिक क्षेत्र में वे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त बुद्धि द्वारा संचालित होते हैं तथा भावुकता की इनमें न्यूनता रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आप आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगी तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगी। अध्ययन के प्रति आपके रूचि रहेगी तथा कला लेखन मनोविज्ञान या आलोचना आदि के क्षेत्र में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। अपनी योग्यता एवं स्वभाव से जीवन में आपको सुखैश्वर्य एवं भौतिक संसाधनों की प्राप्ति होगी। आपके बुद्धि भी तीव्र होगी एवं गूढ़ से गूढ़ समस्याओं का समाधान करने में समर्थ होंगी। यदि आप नौकरी या कोई कार्य नहीं करती है तो उपरोक्त योग आपके पति पर घटित होंगे।

लग्न में बुध की राशि के प्रभाव से आपका स्वरूप सुन्दर एवं आकर्षक होगा तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी प्रसन्न तथा स्वस्थ रहेंगी। आपकी वाणी मधुर एवं ओजस्वी होगी तथा आदर्श वक्ता के रूप में आप जानी जाएंगी। व्यावहारिक रूप से आप अत्यंत ही कुशलता का प्रदर्शन करेंगी जिससे लोग आपसे प्रभावित रहेंगी। कला एवं साहित्य के प्रति आपके विशेष रूचि होगी तथा लेखन सम्पादन आदि में भी सफलता अर्जित करेंगी। शारीरिक बल की आप में प्रचुरता रहेगी तथा परिश्रम एवं पराक्रम से जीवन में इच्छित धनवैभव एवं भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में सफल होंगी। साथ ही समाज एवं कार्य क्षेत्र में आप प्रतिष्ठित तथा यशस्वी महिला होंगी।

स्वभाव से आप शांत एवं उदार रहेंगी तथा समय पर अन्य जनों के उपकार करने में भी तत्पर होंगी श्रेष्ठ कार्यों को करने में आपकी हमेशा रूचि रहेगी। आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी तीव्र बुद्धि के द्वारा कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान करेंगी एवं गूढ़ से गूढ़ विषय को भी आत्मसात करने में सफल होंगी।

धर्म के प्रति आपकी प्रबल आस्था रहेगी तथा समय समय पर श्रद्धापूर्वक धार्मिक कार्यकलापों तथा अनुष्ठानों को सम्पन्न करेंगी। अपने इन कार्यों से आपको आत्मिक शांति की अनुभूति होगी। मित्र वर्ग के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय होंगी तथा उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग समय समय पर मिलता रहेगा। इस प्रकार आप अपनी बुद्धिमता योग्यता एवं

पराक्रम से अपने महत्वपूर्ण कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगी तथा उनमें इच्छित सफलता अर्जित करके शांतिपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

Boy

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप की प्रवृति धनसंग्रह करने की रहेगी तथा वर्तमान एवं भविष्य के लिए प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करके उसका संग्रह करेंगे इससे आपकी आर्थिक स्थिति सन्तुलित रहेगी। साथ ही जायदाद या स्वर्ण आदि धातुओं पर पूंजीनिवेश करेंगे तथा इससे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ प्राप्त होगा। आपका पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्ति से युक्त रहेगा तथा उनकी खुशहाली के लिए आप सदैव प्रयत्नशील रहेंगे तथा पारिवारिक जनों से आपको पूर्ण सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा।

सामान्यतया आपको सभी स्वाद रूचिकर लगेंगे परन्तु मिष्ठान के प्रति विशेष रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे। चूंकि यह भाव वाणी का प्रतिनिधित्व करता है तथा इसका स्वामी बुध होने के कारण आपकी वाणी मृदु तथा प्रभाव शाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही विचारों की अभिव्यक्ति भी कुशलता पूर्वक करेंगे परन्तु अवसरानुकूल आप अपने विचारों में परिवर्तन भी कर सकते है। यदि आप यह अनुभव करते है कि इस समय के लिए यह विचार ठीक नहीं है। आतिथ्य सत्कार की भावना भी आपके मन में विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त स्त्री वर्ग से आपको उचित लाभ समय समय पर मिलता रहेगा तथा वाहन एवं बहुमूल्य रत्नों की भी प्राप्ति होगी। इसके साथ ही धार्मिक एवं सज्जन प्रवृति के लोगों से आप सामान्यतया मित्रता करना पसन्द करेंगे।

Girl

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में तुला राशि उदित हुई है जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आपका पारिवारिक जीवन सुख शान्ति एवं समृद्धि से युक्त रहेगा तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। आपकी वाणी अत्यंत ही मधुर एवं प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी तथा अपने वाक्चातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में भी सम्पन्न रहेंगी। इसके साथ ही प्रौढ़ावस्था में आप अल्प मात्रा में नेत्र संबंधी कष्ट की भी अनुभूति कर सकती हैं।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक तथा शुभ एवं मांगलिक कार्यो को समय समय पर सम्पन्न करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य उत्सवों की भी प्रिय होंगी तथा ऐसे उत्सवों के आयोजन भी समय समय पर होते रहेंगे। जीवन में आपको पैतृक सम्पति भी अर्जित होगी। साथ ही अपने परिश्रम पराक्रम एवं सौभाग्य से भी वांछित मात्रा में धनऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करने में सफल रहेंगी। परिवार को सुख सुविधा तथा प्रसन्नता प्रदान करना आपका मूल उददेश्य रहेगा। समाज में आप एक आदरणीया महिला होंगी तथा सौभाग्य से अपना जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी। साथ ही व्यापार संबंधी लाभ भी समय

समय पर होता रहेगा।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

Boy

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चंद्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप अपने भाई बहिनों के प्रति उदार भावुक तथा अत्यंत ही सहानुभूति का व्यवहार रखेंगे। आप उनसे अत्यधिक प्रेम करेंगे तथा उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगे परन्तु इसके बाद भी उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा आदर अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। कभी कभी परिस्थिति के अनुकूल आप असाधारण साहस तथा पराक्रम का प्रदर्शन करेंगे। आप एक बुद्धिमान पुरुष होंगे तथा नैतिकता का यत्नपूर्वक अनुपालन करते रहेंगे। भाई बहिनों के प्रति समयानुसार आप अपने को परिवर्तन करने में समर्थ रहेंगे। आपकी स्मरण शाक्ति तीव्र रहेगी तथा ऐतिहासिक घटनाओं को याद रखने में सफल रहेंगे। साथ ही भाई बहिनों के प्रति आपका क्रोध भी क्षणिक रहेगा तथा शीघ्र ही उनसे प्रसन्न हो जाएंगे।

जीवन में आप एक कर्तव्य परायण व्यक्ति रहेंगे तथा यत्नपूर्वक अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण करेंगे। आपकी सीखने या याद करने की शक्ति तीव्र होगी अतः किसी से कोई नवीन ज्ञान अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही उच्च शिक्षा या दर्शन शास्त्र के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी। आप सामाजिक जनों की भी यथाशाक्ति सेवा करेंगे। अतः अपने इन कार्यो से ख्याति भी प्राप्त होगी। आप किसी भी उददेश्य को कार्य रूप में परिवर्तित करने के लिए साहसिक निर्णय लेने में हमेशा समर्थ रहेंगे अतः यदा कदा आप समूह के नेतृत्व को भी प्राप्त कर सकते हैं। आप समाज सेवा, लेखन या किसी नवीन आविष्कार से प्रसिद्धि प्राप्त कर सकते है। साथ ही संचार की सुविधाओं से आप युक्त रहेंगे तथा संचार के क्षेत्र में आजीविका आदि भी कर सकेंगे। प्रकाशक संपादक या संवाददाता के रूप में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। इसके अतिरिक्त आप वैश्य वर्ग के मित्र रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक अपने घर एवं परिवार का पालन पोषण करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आपकी रूचि रहेंगी तथा शील स्वभाव भी उत्तम रहेगा।

Girl

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में वृश्चिक राशि उदित हुई है जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति प्रबल रहेगी तथा किसी भी वस्तु को आप चिर काल तक नहीं भूलेंगे। आप एक आत्म विश्वासी, साहसी तथा पराक्रमी महिला होंगी तथा अपने इन्हीं गुणों से सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मंगल के प्रभाव से आपकी निर्णय लेने की शक्ति दृढ़ रहेगी तथा मस्तिष्क भी हमेशा सक्रिय एवं सजग रहेगा।

जीवन में भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगी तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही आप भी उनका पूरा ध्यान रखेंगी एवं सुख दुख में उनकी सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगी। आपके प्रति वे हमेशा आज्ञाकारी, विश्वसनीय तथा कर्तव्य परायण रहेंगे। अतः पारिवारिक शान्ति तथा समृद्धि के लिए उनकी गलतियों को भी क्षमा कर

देंगी। साथ ही जमीन जायदाद आदि से भी युक्त रहेंगी एवं इससे आपको प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। आप परेशानी, क्रोधावस्था तथा अनावश्यक वादविवाद आदि में अप्रिय स्थिति से बचने में समर्थ रहेंगी। अपनी नेतृत्व प्रतिभा तथा अन्य गुणों से समाज में आप एक गणमान्य महिला होंगी। आधुनिक संचार संबंधी महत्वपूर्ण उपकरण यथा टेलीफोन, टेलीविजन तथा वाहन आदि से आप युक्त रहेंगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगी । यदा कदा संगीत के प्रति भी आप रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगी । दूर समीप की यात्राओं से भी आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त आप पराक्रमी कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा अन्य जनों से यदा कदा विवाद भी होगा अतः सतर्क रहें।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

Boy

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों एवं आधुनिक विलासमय वस्तुओं से युक्त होंगे तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ होंगे। शुक्र के प्रभाव से युवावस्था से ही आपको सुख-संसाधनों की उपलब्धि हो जायेगी तथा इसके लिए विशेष परिश्रम भी कम ही करना पड़ेगा।

जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को आप अवश्य प्राप्त करेंगे। आपके प्रचुर मात्रा में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी तथा विवाह के बाद इसमें काफी वृद्धि होगी। स्त्री के सहयोग से भी धनाढ्य एवं समृद्धशाली व्यक्ति माने जायेंगे। चल सम्पत्ति की उपेक्षा अचल सम्पत्ति की आपके पास बहुलता होगी जिससे जमीन जायदाद तथा मकान प्रमुख होंगे। साथ ही समस्त आधुनिक भौतिक एवं विलासमय उपकरणों से आप सम्पन्न होंगे तथा आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

उत्तम निवास स्थान के विषय में आप सौभाग्यशाली व्यक्ति समझे जायेंगे। आपका घर उत्तम एवं आधुनिक स्थान में होगा तथा सर्व प्रकार से यह आकर्षक एवं सुसज्जित रहेगा। आप भी इसकी सुन्दरता एवं सफाई का पूर्ण ध्यान रखेंगे। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा एवं पड़ोसी भी बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे तथा आपसी संबंध अच्छे रहेंगे। आपकी कुंडली में उत्तम वाहन के भी योग बनते है जिसका आप युवावस्था से ही उपयोग करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

आपकी माता जी सुन्दर सुसंस्कृत एवं मृदुस्वभाव की महिला होंगी तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वह एक चतुर एवं बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी चतुराई एवं व्यवहार कुशलता से परिवार का अच्छी तरह पालन पोषण करेंगी एवं किसी भी व्यक्ति को उनसे कोई परेशानी नहीं होगी। आपके प्रति उनके हृदय में विशेष वात्सल्य एवं स्नेह का भाव होगा तथा अवसरानुकूल उनसे आपको प्रचुर मात्रा में आर्थिक सहयोग की भी प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रखेंगे तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त सुख-दुख में उनको अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इस प्रकार आपसी संबंध भी मधुर होंगे।

अध्ययन के प्रति वचपन से ही आपकी रूचि होगी तथा बुद्धिमान एवं परिश्रमशील होने के कारण प्रारंभ से ही अध्ययन के क्षेत्र में अनावश्यक समस्याओं एवं बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसी परिपेक्ष्य में आप स्नातक परीक्षा आसानी से उतीर्ण करेंगे तथा इससे आप की आत्मिक शक्ति में वृद्धि होगी फलतः जीवन में इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे। सामाजिक जनों एवं संबंधियों में भी आपके सम्मान में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपसे प्रसन्न एवं प्रभावित होंगे। इससे आपको प्रोत्साहन मिलेगा जिससे भविष्य

उज्ज्वल होगा।

Girl

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप समस्त संसारिक एवं भौतिक सुखों को अर्जित करने में सफल होंगी। आधुनिक सुख संसाधनों एवं उपकरणों से भी युक्त होंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। आप एक वैभवशाली महिला होंगी तथा समाज में आपको यथोचित स्तर बना रहेगा तथा सभी लोग आपको वांछित सम्मान एवं आदर प्रदान करेंगी।

आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा जीवन में आपको काफी चल एवं अचल सम्पत्ति का स्वामित्व प्राप्त होगा। मामा के प्रभाव या सहयोग से भी आपको काफी धन सम्पत्ति मिल सकती है। आप स्वपराक्रम परिश्रम एवं बुद्धिमता से चल एवं अचल सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगी। आपको चल सम्पत्ति से शीध्र लाभ होगा अतः इसके लिए आप समयानुसार पूंजी निवेश कर सकती हैं।

आपका आवास उत्तम होगा तथा आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त रहेगा। समस्त भौतिक उपकरणों की इसमें प्रबलता रहेगी। घर की सुन्दरता का आप विशेष ध्यान रखेंगी तथा अन्य जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगी। आपका घर किसी अच्छी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगी एवं आपसी संबंधों में भी अनुकूलता होगी। इसके अतिरिक्त उत्तमवाहन से भी आप युक्त होंगी तथा युवावस्था के बाद अपने वाहन का सुख प्राप्त करेंगी।

आपकी माता जी शिक्षित, बुद्धिमान एवं हास्य प्रिय महिला होंगी तथा अपने हास्यप्रिय स्वभाव से सभी को प्रसन्न तथा प्रभावित करेंगी। परिवार का वह पूर्ण लालन-पालन करेंगी तथा अपनी ओर से किसी भी सदस्य को कोई भी कष्ट नहीं होने देंगी। परिवार में सभी लोग उनकी आज्ञा का पालन करेंगे तथा मान-सम्मान भी प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनका विशिष्ट स्नेह भाव होगा एवं आपकी उन्नति में उनका प्रमुख योगदान रहेगा। आपको समय समय पर उनसे वांछित आर्थिक सहयोग भी मिलता रहेगा। आप भी उनका पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा अपनी ओर से कोई कष्ट नहीं होने देंगे। इससे आपके आपसी संबंधों में मधुरता का भाव विद्यमान होगा।

लग्नेश बुध की स्थिति के प्रभाव से आप प्रारंभ से ही एक अध्ययनशील महिला होंगी तथा अपनी प्रारंभिक कक्षाओं से ही परीक्षाओं में अच्छे अंक अर्जित करेंगी। आप स्नातक परीक्षा भी अच्छे अंको से ससम्मान उतीर्ण करेंगी। इससे आपके मन में आत्मविश्वास के भाव की वृद्धि होगी तथा भविष्य भी उज्ज्वल बनेगा। स्वजनों एवं मित्रवर्ग से आपको पूर्ण प्रोत्साहन तथा सम्मान मिलेगा। इससे अतिरिक्त आप न्याय संबंधित शिक्षा में इच्छित सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

यद्यपि आप जीवन में सामान्यतया स्वस्थ ही होंगी परंतु वृद्धावस्था में यदा कदा

रक्त चाप आदि से परेशानी की अनुभूति कर सकती है। अतः यदि खान-पान का उचित पथ्य रखें तो ऐसी समस्याओं से आप सुरक्षित हो सकती हैं तथा सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

Boy

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है तथा केतु भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्य बुद्धि के व्यक्ति होंगे तथा सामाजिक तथा अन्य कार्य कलापों को सामान्य बुद्धि से ही सम्पन्न करेंगे। आपको गंभीर समस्याओं का समाधान करने में काफी परिश्रम का सामना करना पड़ेगा। अतः यदा कदा आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करने में विलंब का सामना करना पड़ेगा। वैदिक एवं धर्मशास्त्र तथा दर्शन के ग्रन्थों में आपकी अल्प रूचि होगी परंतु आधुनिक एवं पाश्चात्य साहित्य एवं विज्ञान में अवश्य रूचि एवं अध्ययनशील होंगे तथा इनमें आप परिश्रम पूर्वक न्यूनाधिक मात्रा में सम्मान अर्जित करने में समर्थ होंगे। जिससे समाज में आपको यथोचित सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी ।

पंचमभाव में केतु की स्थिति के प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में भी आपकी रूचि होगी तथा कई बार एक से अधिक प्रसंग भी आप स्थापित कर सकते है। आपके लिए प्रेम प्रसंगो में मर्यादा तथा आदर्श के भाव की न्यूनता होगी जिससे कई बार आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः ऐसी प्रवृतियों की आपको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

केतु की पंचमभावस्थ स्थिति के प्रभाव से आपको संतति प्राप्ति में काफी विलंब का सामना करना पड़ सकता है परंतु विलंब से ही सही संतति की प्राप्ति अवश्य होगी। आपकी संतति गुणवान, तेजस्वी एवं पराक्रमी होगी तथा जीवन में वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में उनको काफी परिश्रम करना पड़ेगा तथापि अपनी आजीविका अर्जित करने में वे समर्थ होंगे। लेकिन वह हठी एवं मनमौजी प्रवृति के होंगे तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी मर्जी से सम्पन्न करेंगे एवं माता पिता की सलाह लेना आवश्यक नहीं समझेंगे। माता पिता का ध्यान भी वृद्धावस्था में कम ही रखेंगे। अतः बच्चों से आपको विशेष अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। माता की अपेक्षा पिता से उनका अधिक लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान पिता के ही माध्यम से करना पसन्द करेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में आपके बच्चों की उन्नति संतोषप्रद होगी तथा आजीविका प्राप्त करने की आवश्यक्ता ही पूर्ण होगी तथापि वे व्यवहार कुशल होंगे। अतः धन ऐश्वर्य की उनके पास कमी नहीं होगी। जिससे उनका जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इसके अतिरक्त वे स्वभाव से तेजस्वी भी होंगे अतः समय समय पर अन्य सामाजिक जनों से उनका वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे समाज में उनके एवं आपके मान सम्मान में कमी भी आ सकती है। अतः ऐसी स्थितियों की यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तभी आपका एवं उनका जीवन सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत हो सकता है।

Girl

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में मकरराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है तथा राहु भी पंचमभाव में ही बैठा है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा आपके सभी कार्यो में बुद्धिमता की स्पष्ट छाप होगी जिससे लोग आपसे प्रसन्न एवं प्रभावित होंगी तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगी। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्म ग्रन्थों में आपकी रूचि अल्प मात्रा में ही होगी परन्तु आधुनिक, वैज्ञानिक विषयों, साहित्य एवं इतिहास जैसे प्राचीन विषयों में भी आपकी रूचि होगी तथा रूचि पूर्वक इसका अध्ययन करके ज्ञानार्जन करेंगी। पाश्चात्य साहित्य में भी आप रूचिशील होंगी तथा इसका आपको काफी ज्ञान होगा जिससे एक विदुषी के रूप में समाज में अपनी छवि स्थापित करने में समर्थ होंगी।

राहु की पंचमभाव में स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंगों में भी आपकी रूचि होगी तथा प्रेम को मनोरंजन एवं सुख का साधन अधिक समझेंगी। यदि आप प्रेम-प्रसंग में मर्यादा एवं नैतिकता का पालन न कर सके तो इससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा तथा सामाजिक सम्मान भी प्रभावित हो सकता है। अतः आपको ऐसी स्थिति की यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

पंचमभाव में राहु की स्थिति के प्रभाव से आपको पुत्र संतति की प्राप्ति में विलम्ब एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु पुत्र संतति की प्राप्ति अवश्य होगी तथा कन्या संतति अधिक हो सकती है। आपकी सन्तति पराक्रमी, तेजस्वी एवं व्यवहारिक प्रवृति की होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में उन्नति तथा सफलताएं अर्जित करेंगी। माता-पिता के प्रति उनके मन में यद्यपि सम्मान एवं श्रद्धा का भाव होगा तथापि उनकी आज्ञापालन की वे उपेक्षा करेंगे। वे सांसारिक कार्यो के महत्व में भी माता पिता का सहयोग एवं सलाह कम ही लेंगे। लेकिन आप को उनकी इस प्रवृति से परेशान नहीं होना चाहिए तथा उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्यो को सम्पन्न करने देने चाहिए। इससे आपसी संबंधों में मधुरता होगी तथा विश्वास का भाव भी बना रहेगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में बच्चों से आपको विशेष अपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा अपने लिए प्रचुर मात्रा में धन संचित करके रखना चाहिए जिससे अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

शिक्षा के क्षेत्र में आपकी संतति की उन्नति सन्तोष प्रद होगी तथा परिश्रम से ही वे न्यूनाधिक मात्रा में उन्नति का प्रदर्शन करेंगी यद्यपि आप अपनी ओर से उनके लिए शिक्षा का उचित प्रबन्ध करेंगी तथा आधुनिक परिवेश में उन्हें शिक्षा प्रदान करेंगी। उनकी प्रवृति व्यावहारिक होगी तथा जीवन में उचित शिक्षा अर्जित करके आपकी चिन्ताओं में कमी करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य लोगो से भी उनका समय-समय पर वाद-विवाद होगा जिससे अनावश्यक परेशानी हो सकती है परंतु आप अपने सद्व्यवहार से स्थिति को सम्भालने में समर्थ होंगी। इस प्रकार बच्चों का आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

Boy

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे तथा किसी भी प्रकार के कष्ट को सहन करने की शक्ति आप में विद्यमान रहेंगी। आप यदा कदा बुखार या अन्य सामान्य रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकते है लेकिन आपको अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए क्योंकि आप में रोग अवरोधक तत्वों की न्यूनता होने से जब एक बार बीमार पड़ेगें तो इसमें ठीक होने में काफी समय लग जाएगा। इसके अतिरिक्त भावुकता में आपको वाहन आदि को भी सामान्य गति से चलाना चाहिए।

आपके शत्रु काफी होंगे तथा समय समय पर आपको नीचा दिखाने के लिए वे प्रयत्नशील रहेंगे क्योंकि वे आपकी खुशहाली के प्रति ईर्ष्या का भाव रखते हैं। साथ ही आपके मित्र, संबन्धी एवं पड़ौसी भी आपके ऐश्वर्य से ईर्ष्या करेंगे अतः ये भी समय समय पर शत्रुओं का कार्य करेंगे जो कि आपके अन्य प्रत्यक्ष शत्रुओं से अधिक प्रभावी होंगे। यद्यपि मुकद्दमे आदि में आपकी कोई रूचि नहीं रहेगी परन्तु धन संबन्धी मामलों में आप कोई मुकद्दमा दायर कर सकते हैं। इसमें आपका धन व्यय अधिक होगा परन्तु कुछ परिश्रम के बाद आपको इसमें सफलता मिल सकती है। आपके नौकर आपके लिए विश्वास पात्र नहीं रहेंगे तथा पारिवारिक गुप्त रहस्यों को वे अन्य लोगों को बताकर आपके सम्मान में न्यूनता लाएंगे। साथ ही उनकी चोरी करने की आदत से भी आपको आर्थिक हानि की संभावना रहेगी।

आप स्वच्छन्द प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा अपनी रूचि के अनुसार ही कार्यो को सम्पन्न करेंगे। यद्यपि आपके पास प्रचुर मात्रा में धनागमन होता रहेगा लेकिन आपात्काल के लिए आप बचाव करने में असमर्थ रहेंगे तथा प्रौढ़ावस्था में आपको भाइयों या संबन्धियों के कारण आपको ऋण के बोझ में दबना पड़ सकता है। इससे आपके सामाजिक सम्मान में न्यूनता होगी अतः ऐसी परिस्थितियों से सावधान रहना चाहिए। आपके मामा मामियों से संबन्ध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। खान पान के प्रति भी आपको सतर्क रहना चाहिए अन्यथा वृद्धावस्था में आपको वायु, गुर्दे तथा प्रमेह संबन्धी रोगों से परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आप एक धनवान व्यक्ति होंगे परन्तु समाज में आपके अच्छे कार्यो से भी लोगों से शत्रुता के भाव में वृद्धि होगी अतः सावधान रहें।

Girl

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आयु भी दीर्घ होगी। आप एक दयालु प्रवृत्ति की महिला होंगी परन्तु यदा वार्तालाप में कठोर शब्दों का प्रयोग कर सकती है इससे कई लोग आपसे विरोध की भावना रखेंगे। साथ ही लोग आपके वैभव एवं खुशाहली से ईर्ष्या के कारण भी आपसे शत्रुता का भाव रखेंगे। यद्यपि आप एक सम्मानीया

महिला होंगी तथापि आपका विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा। आप अपने पारिवारिक सदस्यों पर अत्यधिक व्यय करेंगी। अतः इसी परिपेक्ष्य में आपको ऋण आदि भी लेना पड़ सकता है। इसके भुगतान में विलम्ब के कारण ऋणदाता द्वारा आपके सम्मान में हानि की संभावना हो सकती है लेकिन अपनी प्रतिभा तथा अधिकार के बल पर आप इन समस्याओं का सामना एवं समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

आपका सेवक वर्ग आज्ञाकारी रहेगा तथा पूर्ण ईमानदारी से आपकी सेवा करने में तत्पर रहेंगे। अपने कार्य से वे आपको सन्तुष्ट रखेंगे लेकिन यदा कदा इनसे मान हानि की भी संभावना रहेगी अतः इनसे व्यक्तिगत कलह तथा कीमती वस्तुओं को हमेशा दूर रखना चाहिए। मुकद्दमे आदि कार्यो के प्रति आप लापरवाह रहेंगी परन्तु आपको ऐसे मामलों का सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अवलोकन करना चाहिए तथा अपने व्यापारिक तथा अन्य हिसाब को सही रखना चाहिए। यदि आप इस प्रकार से नियमानुसार कार्य सम्पन्न करती रहें तो आपको किसी भी क्षेत्र में कोई विशेष परेशानी नहीं होगी। साथ ही फौजदारी मुकद्दमे में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है।

मामा मामियों से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। प्रत्यक्ष रूप से तो आपके प्रति वे सदभावना का प्रदर्शन करेंगे परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से उनकी आपके सहयोग आदि में कोई भी रूचि नहीं रहेगी। अतः संबंधों में मधुरता रखने के लिए बुद्धिमता का प्रयोग करना चाहिए। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में आप गुर्दे तथा उदर संबन्धी परेशानी की अनुभूति कर सकती है। अतः युवावस्था में खान पान संबंधी परहेज अवश्य रखें।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

Boy

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है तथा शनि भी सप्तम भाव को प्रभावित कर रहा है सामान्यतया वृश्चिक राशि के सप्तम भाव में होने से जातक का सहयोगी धनवान पित प्रकृति एवं व्ययशील प्रवृति का मनुष्य होता है। साथ ही शनि के प्रभाव से वह उग्रस्वभाव पराक्रमी एवं साहसी होता है लेकिन चंचलता की अपेक्षा गंभीरता का भाव सर्वदा विद्यमान रहता है।

अतः इनके प्रभाव से आपकी पत्नी तेजस्वी पराक्रमी एवं बुद्धिमती महिला होगी तथा चतुराई से अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करंगी। वह भौतिकतावादी एवं आधुनिक विचारों की महिला होंगी एवं पाश्चत्य शास्त्रों के अध्ययन में विशेष रूचि रखेंगी। साथ ही गंभीरता का भाव भी उनके स्वभाव में विद्यमान होगा कर्तव्य परायणता की भावना भी उनमें रहेगी तथा समाज एवं परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने में तत्पर होंगी।

आपकी पत्नी किंचित श्यामवर्ण की आकर्षक महिला होंगी तथा उनका कद ऊंचा रहेगा। शारीरिक संरचना शनि जैसे शुष्क ग्रह के प्रभाव से दुबली पतली होगी परन्तु आकर्षण विद्यमान रहेगा साथ ही अन्य अंग प्रत्यंग भी पुष्ट एवं सुडौल रहेंगे उनका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा सौन्दर्य के प्रति सतर्क रहेंगी एवं समयानुसार सौन्दर्य प्रसाधनों का भी प्रयोग करेंगी।

सप्तम भाव में शनि के प्रभाव से आपके विवाह में विलम्ब होगा लेकिन वैवाहिक प्रक्रिया समय पर पूर्ण हो जाएगी। आपका विवाह विज्ञापन द्वारा सम्पन्न होगा एवं विशिष्ट परिस्थितियों में आप अपनी इच्छा से प्रेम विवाह भी कर सकते है विवाह के बाद सामान्यतया आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा परन्तु दोनों की प्रवृति स्वाभिमानी एवं तेजस्वी होने के कारण अल्प समय के लिए आपसी वाद विवाद के कारण संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है अतः यदि आप दोनों संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक कार्य लें तो संबंधों में मधुरता हो सकती है।

आपका विवाह समृद्ध एवं धनवान परिवार से सम्पन्न होगा तथा सामाजिक रूप से भी वे प्रभावशाली रहेंगे अतः विवाह के समय दहेज के रूप में आपको पर्याप्त मात्रा में धन सम्पति की प्राप्ति होगी एवं अन्य बहुमूल्य उपहार भी मिलेंगे साथ ही भविष्य में भी आर्थिक एवं नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। सास ससुर से आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट अवसरों पर ही मेल मिलाप होगा लेकिन आपसी सौहार्दता बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि में शनि के प्रभाव से आपकी पत्नी का सास ससुर के प्रति विशेष सेवा की भावना अल्प होगी एवं सुख दुख में उनका ध्यान कम ही रखेंगी। अपने उग्रस्वभाव से देवर एवं ननद भी उनको विशेष सम्मान एवं सहयोग प्रदान नहीं करेंगे जिससे पारिवारिक सुख शांति प्रभावित होगी।

व्यापार या किसी महत्वपूर्ण कार्य में साझेदारी के लिए स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा

इससे हानि की संभावना रहेगी अतः साझेदारी की आपको यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

Girl

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है तथा शुक्र भी अपनी उच्च राशि में सप्तम भाव में ही स्थित है सामान्यतया मीन राशि की सप्तम भाव में स्थिति से जातक का सहयोगी सुशील धनवान एवं वात कफ प्रवृति युक्त एवं आस्तिक होता है। शुक्र के प्रभाव से वह शिक्षित आधुनिक विचारों से युक्त एवं पाश्चात्य संस्कृति के प्रति विशेष आकर्षण रखता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति बुद्धिमान शिक्षित एवं सुशील स्वभाव की व्यक्ति होंगे। वह आधुनिक विचारों के व्यक्ति होंगे तथा भौतिकता के प्रति उनके मन में प्रबल आकर्षण होगा। साथ ही सांसारिक कार्य कलापों में वह दक्षता का परिचय देंगे एवं अपने उत्कृष्ट कार्य कलापों से सभी जनों को प्रभावित रखेंगे। उच्चस्थ शुक्र के प्रभाव से उनके कर्तव्य परायणता के भावना की भी प्रबलता होगी एवं परिवार तथा समाज के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने में प्रवृत रहेंगे।
आपके पति आकर्षक सुंदर एवं अत्यंत ही गौरवर्ण की व्यक्ति होंगे तथा कद मध्यम होगा। उनका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय होगा एवं शरीर सुडौल एवं पुष्टता से युक्त होगा इससे उनकी सुंदरता तथा व्यक्तित्व के आकर्षण में वृद्धि होगी। संगीत एवं कला के प्रति उनका प्रबल आकर्षण रहेगा एवं पाश्चात्य संस्कृति का भी अनुपालन करेंगे। इसके अतिरिक्त सुंदर एवं कलात्मक वस्तुओं के संग्रह में भी प्रवृत रहेंगे ।

आपका विवाह किसी महिला संबंधी के सहयोग से सम्पन्न होगा। उच्चस्थ शुक्र के प्रभाव से आप स्वेच्छा से प्रेम विवाह भी कर सकते है। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं एक दूसरे के प्रति प्रबल समर्पण एवं प्रेम की भावना होगी। सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप एक दूसरे की सलाह तथा सहमति से करेंगे जिससे परस्पर विश्वास एवं समानता का भाव रहेगा।

आपका विवाह किसी समृद्ध परिवार में होगा तथा सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वे सुदृढ़ होंगे। विवाह के बाद सास ससुर से आपके अच्छे संबंध रहेंगे तथा जीवन में उनसे नैतिक तथा आर्थिक सहयोग की प्राप्ति होगी। आप भी उन्हें यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगी जिससे आपस में विश्वास तथा संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

सास ससुर के प्रति आपके पति का सेवा भाव रहेगा तथा सुख दुख में पूर्ण ध्यान रखेंगे साले एवं सालियां भी उनके सद्व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे तथा उन्हें वांछित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

व्यापार या महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति उत्तम रहेगी तथा साझेदारी से विशेष लाभ होगा एवं परस्पर विश्वास का भाव भी रहेगा।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

Boy

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आपकी ज्यौतिष एवं तंत्र मंत्र आदि के प्रति श्रद्धा रहेगी तथा यत्न पूर्वक इसके ज्ञानार्जन करने में भी समर्थ रहेंगे। साथ ही मनोविज्ञान के क्षेत्र में भी कुछ कार्य करने के लिए तत्पर होंगे। आप के पास पैतृक सम्पत्ति रहेगी लेकिन वह अधिक नहीं होगी साथ ही उसका उपयोग भी आप अच्छी तरह करने में असमर्थ से रहेंगे। आपके संबन्धी भी आपकी जमीन जायदाद आदि पर अपना दावा कर सकते है जिससे अनावश्यक तर्क वितर्कों के साथ वातावरण अप्रसन्नता से युक्त रहेगा। इसके प्रभाव से पारिवारिक कलह भी हो सकता है। अतः यह जायदाद सन्तुष्टि की जगह असन्तुष्टि का भाव ही उत्पन्न करेगी।

विवाह के समय दहेज आदि आपको मध्यम रूप से ही प्राप्त होगा तथा ससुराल पक्ष से किसी निश्चित रकम के बारे में कोई विवाद भी हो सकता है जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता प्रभावित हो सकती है। आपको न्यूनाधिक रूप से बीमा अवश्य कराना चाहिए चाहे वह किसी का भी हो इससे आपको न्यूनाधिक लाभ अवश्य प्राप्त होगा यद्यपि जीवन में आपको यहां चोरी आदि की संभावना नहीं है तथापि सावधान अवश्य रहना चाहिए। आप स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से ही इच्छित धनार्जन करेंगे तथा विशिष्ट धन लाभ के भाव की अल्पता रहेगी। आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा जीवन में आप स्वस्थ रहकर अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे परन्तु वृद्धावस्था में यदा कदा आप शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे लेकिन इसका विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा।

Girl

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आध्यत्म ज्यौतिष या तंत्र मंत्र के प्रति विशेष रूचि नहीं रहेगी। इसका मुख्य कारण यह होगा कि आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण व्यस्त रहेंगी तथा परिश्रम एवं पराक्रम से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा भाग्य की अपेक्षा कर्म पर ही अधिक विश्वास करेंगी। इस प्रकार व्यस्तता तथा तत्परता के कारण आपके पास समय का अभाव रहेगा। यदि आपके पास समय बचे तो आप अन्यत्र उसका सदुपयोग करना पसन्द करेंगी लेकिन आध्यात्म संबन्धी प्रवचनों का आप यदा कदा श्रवण कर सकती हैं। जीवन में आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होगी तथा विस्तृत जमीन जायदाद की स्वामिनी बनेंगी। यदि आप इसका विक्रय भी करेंगी तो इससे आपको वांछित कीमत मिलेगी। इसकी कीमतों में निरन्तर वृद्धि के कारण इसे इच्छित कीमत पर बेचकर वांछित धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा ससुराल में किसी प्रकार की कमी नहीं होगी तथा सर्वप्रकार के सुख संसाधनों से वे युक्त रहेंगे। बीमा आदि करने से भी आपको इच्छित लाभ होगा। अतः समय समय पर आप अपना तथा महत्वपूर्ण वस्तुओं का

मकान या अन्य का बीमा करवाती रहें। आपकी कुंडली में घर में चोरी आदि की समस्याएं अल्प रहेंगी तथापि सुरक्षा वश आपको बहुमूल्य वस्तुओं को सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए लेकिन दुर्घटना आदि के प्रति आपको पूर्ण रूप से सचेत रहना चाहिए अन्यथा न्यूनाधिक रूप से ऐसी घटना जीवन में घट सकती है लेकिन उससे कोई विशेष हानि नहीं होगी। आपकी आयु अच्छी रहेगी तथा सामान्यतया अपना सांसारिक जीवन सुख पूर्वक ही व्यतीत करेंगी।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

Boy

आपके जन्म समय में नवम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से यद्यपि आप धर्म तथा धार्मिक कार्य कलापों का विरोध नहीं करेंगे परंतु स्वयं की इसमें कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी। साथ ही इच्छा पूर्वक किसी भी धार्मिक ग्रंथ के अध्ययन के इच्छुक भी नहीं रहेंगे लेकिन ईश्वर की सत्ता में आपका पूर्ण विश्वास रहेगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप व्रतादि का भी आचरण करेंगे। आप दैनिक पूजा पाठ भी सम्पन्न करेंगे या इस उदद्शेय की पूर्ति के लिए प्रतिदिन किसी मंदिर या अन्य पूजास्थल में जा सकते है। आप धार्मिक कार्य कलापों में विशेष व्यय करना उचित नहीं समझते। इसके साथ ही अन्य विषयों में उच्चशिक्षा अर्जित करने के लिए विशेष उत्सुक रहेंगे लेकिन धर्म एवं भाग्य को आप अपनी विचार धारा में सम्मिलित कम ही करेंगे। आपकी अर्न्तप्रज्ञा विकसित रहेगी तथा शरीर में आत्मा को स्वीकार करेंगे।

आपके विचार में जीवन कर्म प्रधान होना चाहिए तथा भाग्य इसमें सहायक की भूमिका निभाता है। अतः अन्य जनों को हमेशा कार्य करने की शिक्षा देंगे तथा भाग्य पर अल्प विश्वास करने के लिए कहेंगे लेकिन प्रौढ़ावस्था में आप स्वयं कर्म की अपेक्षा भाग्य की महत्ता को अधिक मात्रा में अनुभव करेंगे तथा आपके विचार में भाग्य की प्रबलता के बिना कर्म का कोई विशेष महत्व नहीं है। आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं अल्प मात्रा में होंगी तथा इनसे विशेष लाभ भी नहीं होगा लेकिन समाज में सम्मानीय तथा ख्याति प्राप्त व्यक्ति होंगे। आप अपने पूर्व जन्म के पुण्यों के फल से मध्यमायु में शुभ फल प्राप्त करेंगे तथा इस समय सुखी रहेंगे लेकिन वृद्धावस्था में किंचित परेशानी हो सकती है। साथ ही पौत्रादि का सुख भी मध्यम ही रहेगा।

Girl

आपके जन्म समय में नवम भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप धार्मिक प्रवृति की महिला होंगी तथा यह गुण आपको पैतृक एवं पारिवारिक संस्कारों से प्राप्त होगा। धार्मिक कार्य कलापों को आप श्रद्धा पूर्वक सम्पन्न करेंगी तथा दैनिक पूजा या पाठ आदि में भी तत्पर रहेंगी। यद्यपि युवावस्था में दैनिक पूजा या ध्यान करने में असमर्थ सी रहेंगी परन्तु ईश्वर के प्रति आपकी पूर्ण आस्था विद्यमान रहेगी। साथ ही आध्यात्मिक तथा ध्यान योग के प्रति भी रूचिशील रहेंगी तथा उपरोक्त विषयों के ग्रंथों का रूचि पूर्वक अध्ययन करेंगी। आपकी अन्तर्प्रज्ञा शक्ति भी प्रबल रहेगी तथा ज्यौतिष आदि शास्त्रों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा इनका न्यूनाधिक ज्ञानार्जन में भी रूचिशील रहेंगी इसके अतिरिक्त आपके पूर्वाभास तथा भविष्य वाणियां भी सत्य सिद्ध होंगी।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगी तथा इसके द्वारा समाज में इच्छित मान सम्मान तथा प्रसिद्धि प्राप्त होगी। साथ ही तीर्थ स्थानों की भी आप यात्रा करेंगी जिससे आपको ज्ञान तथा लाभ अर्जित होगा। वैदिक साहित्य में भी आपकी रूचि रहेगी तथा वृद्धावस्था में अपना

अधिकांश समय भगवत भजन में व्यतीत करेंगी आप अपने परिश्रम एवं सौभाग्य से वैभवशाली जीवन व्यतीत करने में भी समर्थ रहेंगी।

पौत्रों के द्वारा आपको इच्छित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही अपने पूर्व जन्म के पुण्यों के द्वारा इस जीवन में सुख एवं वैभव अर्जित करेंगी। इसके अतिरिक्त आप दीनों की सहायता करने वाली, दानी, सर्व अलंकरों से युक्त तथा अतिथि सेवा में तत्पर रहकर धार्मिक प्रवृति का अनुपालन करती हुई अपने जीवन को आनन्द पूर्वक व्यतीत करेंगी।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

Boy

आपके जन्म समय में दशमभाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। साथ ही लग्नेश शुक्र भी दशम भाव में ही स्थित है। कुम्भ राशि वायुतत्व एवं शुक्र जलतत्व युक्त ग्रह है। अतः इसके प्रभाव से आपको व्यवसाय श्रमसाध्य होगा परन्तु बौद्धिक एवं मानसिक क्रियाओं की भी प्रमुखता होगी तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में स्थायित्व रहेगा एवं परिवर्तन की संभावनाएं कम ही होंगी।

लग्नेश शुक्र की दशमभाव में स्थिति के प्रभाव से आपकी आजीविका का क्षेत्र कला, संगीत, सिनेमा, दूरदर्शन विभाग, इलैक्ट्रोनिक्स विभाग, न्याय विभाग तथा न्यायधीश वकील या न्यायालयीय कर्मचारी, सचिव सलाहकार, फिल्म निदेशक या कलाकार हो सकता है। यदि आप उपरोक्त विभागों या क्षेत्रों में अपना आजीविका संबंधी कार्य प्रारंभ करेंगे तो इनमें आपको वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी तथा भविष्य के लिए भी उन्नति मार्ग प्रशस्त होंगे। अतः अपने उज्जवल भविष्य के लिए आपको इन्हीं क्षेत्रों में अपना कार्य प्रारंभ करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में आपके लिए चांदी, सोना, रत्न आदि का व्यापार, चतुष्पाद या वाहन संबंधी क्रय-विक्रय, आलंकारिक एवं मूल्यवान वस्त्रों का व्यापार, सौदंर्य प्रसाधन सामग्री तथा रेशमी या अन्य वस्त्रों का आयात निर्यात तथा मूल्यवान मदिरा आदि का व्यापार आपके लिए लाभदायक रहेगा। यदि आप इन पदार्थो या क्षेत्रों में व्यापार प्रारंभ करेंगे तो आपको इच्छित मात्रा में धनार्जन होगा तथा उन्नति के मार्ग में अग्रसर होंगे।

लग्नेश की दशम भाव में स्थिति के प्रभाव से जीवन में आपको विशिष्ट मान सम्मान तथा पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में आपके मान प्रतिष्ठा एवं यश की अभिवृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इसके साथ ही सामाजिक या धार्मिक प्रतिष्ठानों से भी आपका प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से संबंध होगा एवं इनमें पदाधिकारी के रूप में आप कार्य करेंगे। शुक्र की नैसर्गिता शुभता के प्रभाव से आपको बिना किसी विलम्ब एवं व्यवधान के मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा मिलेगी जिससे आपको मानसिक सन्तुष्टि मिलेगी।

नैसर्गिक शुभ ग्रह शुक्र के प्रभाव से आपके पिता आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी, बुद्धिमान शिक्षित एवं योग्य व्यक्ति होंगे तथा समाज में उनका प्रभुत्व रहेगा फलतः सभी लोग उन्हें वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही अन्य जनों की भलाई के कार्यो में भी उनकी रूचि होगी। आपके प्रति उनका पूर्ण स्नेह एवं वात्सल्य का भाव होगा तथा शिक्षा दीक्षा के प्रति पूर्ण ध्यान रखेंगे। आपके कार्य क्षेत्र की उन्नति में उनका विशेष योगदान होगा तथा उनके प्रभाव से भी आपको इच्छित सफलता एवं प्रतिष्ठा मिलेगी। साथ ही पिता के प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना होगी तथा उनकी आज्ञा पालन में भी तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त

आप दोनों का परस्पर उत्तम सामंजस्य रहेगा एवं संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

Girl

आपके जन्म समय में दशम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। साथ ही बृहस्पति भी दशम भाव में ही स्थित है। मिथुन राशि एवं बृहस्पति ग्रह दोनों वायु तत्व प्रधान है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा श्रमसाध्य के भाव की इसमें न्यूनता होगी। साथ ही आप किसी स्वतंत्र कार्य करने की इच्छुक होंगी तथा इसमें सामयिक परिवर्तन भी करेंगी जिससे वांछित लाभ के प्रबल योग बनेंगे।

बृहस्पति की दशम भाव में स्थिति के प्रभाव से आपके लिए आजीविका संबंधी क्षेत्र शिक्षक या व्याख्याता, धर्मोपदेशक प्रोफेसर, वकील, न्यायधीश, बैंक अधिकारी, शेयर ब्रोकर, सरकारी विभाग में सचिव, सलाहकार तथा प्रशासानिक क्षेत्र उत्तम एवं अनुकूल रहेंगे। इन क्षेत्रों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी तथा अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों से सुरक्षित रहेंगे। अतः यदि आप आजीविका क्षेत्र में वांछित सफलता तथा प्रसिद्धि प्राप्त करना चाहते है तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में आपके लिए सुवर्ण आदि धातु व्यापार, शेयर क्रय विक्रय का कार्य, वित्तीय संस्था द्वारा या ब्याज द्वारा आप वांछित लाभ एवं धन अर्जित करने में समर्थ होंगी। इसके साथ ही कम्पनी के स्वामित्व, वकील का स्वतंत्र व्यवसाय तथा किसी संस्था के स्वामित्व से भी आपको इच्छित लाभ एवं धन की प्राप्ति होगी। अतः यदि आप व्यापारिक क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता बिना किसी समस्याओं एवं व्यवधानों के प्राप्त करना चाहती हैं तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार का प्रारंभ करना चाहिए।

दशम भाव में बृहस्पति के शुभ प्रभाव से जीवन में आपको इच्छित मान प्रतिष्ठा एवं सम्मान की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में भी सफल होंगी। समाज में आप एक प्रभावशाली महिला होंगी तथा सभी लोग आपको वांछित आदर प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रसिद्धि भी दूर दूर तक व्याप्त होगी। इसके अतिरिक्त आप किसी सामाजिक या शैक्षणिक संस्था में किसी सम्मानित पदाधिकारी के रूप में भी कार्य कर सकती हैं। इससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा मानसिक सन्तुष्टि मिलेगी।

दशम भाव में बृहस्पति के प्रभाव से आपके पिता जी शिक्षित विद्वान एवं प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सामाजिक जनों के मध्य उनका पूर्ण आदर रहेगा एवं लोगों को वे अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके प्रति उनका पूर्ण वात्सल्य का भाव होगा तथा शिक्षा का उच्चस्तर पर समुचित प्रबंध करेंगे। साथ ही कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता में उनका प्रमुख योगदान होगा तथा इससे आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप भी अपने बुद्धिमतापूर्ण उत्तम कार्य कलापों से पिता के मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगी। आपके आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य एक दूसरे की सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे साथ ही सैद्धान्तिक तथा वैचारिक समानता भी विद्यमान होगी।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

Boy

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा अपनी महत्वाकांक्षाओं तथा इच्छाओं की पूर्ति के लिए ईमानदारी तथा सत्य का अनुपालन करेंगे तथा परिश्रम पूर्वक उनको पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही आप जब भी जिस वस्तु की कामना करते है आपको उसकी प्राप्ति भी हो सकती है। आप शिक्षक, बैंक अधिकारी, वकील कम्पनी या सरकारी अधिकारी के रूप में व्यवसायिक सफलता अर्जित कर सकते है या इन लोगों से आपको समय समय पर विशिष्ट लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके प्रभाव से आप मित्रों के संबंध में भाग्यशाली रहेंगे तथा उनसे आपको समय समय पर इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा। मित्रों से आप को जीवन में उचित प्रोत्साहन भी प्राप्त होगा जिससे आपकी उन्नति होगी तथा वे आपसे वयस्क एवं अनुभवी होंगे।

आपका सामाजिक स्तर उच्च रहेगा तथा बड़े बड़े अधिकारी मंत्री नेता या महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मेल जोल या संबंध रहेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। साथ ही महत्वपूर्ण लोगों के प्रभाव से आप उचित लाभ एवं ख्याति प्राप्त करेंगे। बड़े भाई बहिनों से आपके संबंध सामान्यतया मधुर रहेंगे आवश्यकतानुसार उनका सहयोग भी मिलता रहेगा। आपके आय के साधन मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य भी हो सकते है जिससे की आपका धनार्जन अच्छा रहेगा साथ ही जीवन में आप समयानुसार कोई विशिष्ट सम्मान भी अर्जित करने में समर्थ हो सकते है। इसके अतिरिक्त बाएं कान के दर्द से यदा कदा परेशान हो सकते है परन्तु सामान्य जीवन आनन्द पूर्वक व्यतीत करेंगे।

Girl

आपके जन्म समय में एकादश भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप अपने परिश्रम एवं पराक्रम के द्वारा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ रहेंगी तथा अन्य क्षेत्रों में भी सौभाग्यशाली रहेंगी। माता के द्वारा आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी जिससे आप इच्छित मात्रा में धन लाभ प्राप्त करेंगी या वे किसी उद्यम आदि में आपको किसी प्रकार का सहयोग प्रदान कर सकती है। साथ ही आप जल से उत्पन्न पदार्थो के द्वारा यथा रत्न या वस्त्र आदि के व्यापार अथवा कार्य से धनार्जन करेंगी। यदि आप कार्यरत नहीं है तो उपरोक्त आय स्रोतों से आपके पति लाभ अर्जित करेंगे। इस प्रकार स्वपरिश्रम एवं सौभाग्य से अपनी आकाक्षांओं तथा इच्छाओं को पूर्ण करने में समर्थ होंगी।

आपकी कुंडली के अनुसार ज्येष्ठ भाइयों की अपेक्षा बहिनों से आपको इच्छित सहयोग लाभ एवं स्नेह की प्राप्ति होगी साथ ही माताजी से भी आप वांछित स्नेह एवं सुख की प्राप्ति होगी। आपकी मित्रता का क्षेत्र विस्तृत रहेगा तथा मित्र मंडली में आदरणीया रहेंगी। आपके सभी मित्र गुणवान शिक्षित तथा बुद्धिमान होंगे। अवस्था के साथ साथ सभी सामाजिक

जनों एवं मित्रों के प्रति आपके मन स्नेह एवं अपनत्व की भावना उत्पन्न होगी तथा उन सबकी सेवा एवं सहायता के लिए तत्पर रहेंगी। परिवार के प्रति आपके मन में पूर्ण आकर्षण रहेगा तथा अपने अधिकाशं समय को पारिवारिक जनों के मध्य ही व्यतीत करेंगी। साथ ही अपने क्षेत्र एवं समाज में आपकी प्रसिद्धि रहेगी। जीवन में आपको कोई विशिष्ट सामाजिक सम्मान भी प्राप्त होगा। इस प्रकार आपका सामान्य जीवन सपरिवार सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

Boy

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप धन का सदुपयोग करने वाले व्यक्ति होंगे तथा अवसरानुकूल बचत भी करेंगे। आप समान्यतया अनावश्यक व्यय कम ही करेंगे। साथ ही धैर्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। आप धन की कीमत समझेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक इसका उपयोग करेंगे लेकिन आपको अपना पूंजीनिवेश सामान्य कंपनियों या अन्य स्थानों में नहीं करना चाहिए।

आपकी जीवन में उन्नति शनैः शनैः सम्पन्न होगी क्योंकि आप किसी कार्य को अत्यंत ही सोच समझकर धैर्य पूर्वक सम्पन्न करते हैं तथा आर्थिक स्थिति भी युवावस्था के बाद ही विशेष अनुकूल हो सकती है। अतः आपको आर्थिक क्षेत्र में किसी नाटकीय परिवर्तन की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त आप लम्बी अवधि के निवेशों से लाभान्वित हो सकते है।

आपका सामान्य व्यय परोपकार संबंधी कार्यो पर होगा तथापि यदा कदा कोई अनावश्यक व्यय भी हो सकता है। अतः इससे आपको सावधानी रखनी चाहिए। यात्राओं से आपको आनन्द की अनुभूति होगी तथा समय समय पर इनसे लाभ भी होता रहेगा। आप जीवन में विदेश यात्रा अवश्य करेंगे। यह यात्रा आपकी धर्म या धार्मिक कार्यो से संबंधित होगी अथवा किसी अन्य व्यक्ति या संबंधी के सहयोग से आपको यह सुअवसर प्राप्त होगा। यह चाहे यात्रा किसी भी संदर्भ में हो आपके लिए आर्थिक एवं अन्य दृष्टियों से लाभदायक रहेगी तथा विभिन्न दर्शनीय स्थानों की सैर करने का भी आपको अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त यदा कदा आपको बायीं आंख में कोई परेशानी हो सकती है। अतः इसका उचित ध्यान रखना चाहिए।

Girl

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आपकी कार्य क्षेत्र की उन्नति में सुदृढ़ता रहेगी तथा भूमि से उत्पन्न उत्पादों के द्वारा आपको वांछित लाभ होगा। आप शीघ्रातिशीघ्र धनवान होने की कामना करेंगी। अतः इस उददेश्य की पूर्ति के लिए आप अथक परिश्रम करेंगी। आर्थिक क्षेत्र में आप अत्यंत ही सतर्कता का परिचय देंगी तथा पैसा कहां से आकर कहां जा रहा है इसका आपको पूर्ण ध्यान रहेगा। साथ ही अत्यधिक सोच विचारकर आप व्यय करेंगी इस प्रवृति से आप पूंजी निवेश में अधिक धन लगाएंगी जिससे अनुकूल बचत भी बनी रहेगी। आप मध्यमवस्था तक समाज के समक्ष अपने आपको एक धनवान महिला के रूप में स्थापित करने में समर्थ रहेंगी।

आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं बैंक में आपका स्थान सम्मानीय रहेगा। आपके पास सामान्यतया कोई व्यसन नहीं होंगे तथा शौक भी विशेष नहीं रहेगा। अतः आपका

व्यय उचित एवं अनुकूल मात्रा में होगा जिससे आर्थिक बचत बनी रहेगी। परिवार के प्रति आप अपनी पूर्ण जिम्मेवारी निभाएंगी तथा उनकी सुख सुविधाओं के लिए समय समय पर आवश्यक व्यय करती रहेगी साथ ही बच्चों के रहन सहन, खान पान तथा अन्य स्तर में भी वृद्धि करने में तत्पर रहेंगी।

आपको यात्रा करना रूचिकर लगेगा वैसे आपकी प्रवृति भ्रमण प्रिय रहेगी आपकी यात्राएं व्यवसाय या कार्य क्षेत्र से संबंधित रहेगी। साथ ही यदा कदा भ्रमण या दर्शनीय स्थानों की सैर के लिए भी यात्रा करेंगी। इसके अतिरिक्त जीवन में एक बार आपकी अवश्य ही विदेश यात्रा होगी जिसके प्रभाव से आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी तथा सामान्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

दशा विश्लेषण

Boy

महादशा :- राहु
(24/07/2020 - 24/07/2038)

राहु की महादशा 24/07/2020 को आरम्भ और 24/07/2038 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष। आपकी जन्मकण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में स्थित है। राहु की दृष्टि पंचम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी सात वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। मंगल के कारण आपके जीवनचर्या में उन्नति, भाई-बहनों तथा सम्बन्धियों से लाभ, छोटी यात्रा तथा शक्ति में वृद्धि होगी। राहु की इस दशा के दौरान आपको आर्थिक समृद्धि की प्राप्ति, हर प्रकार का लाभ तथा इच्छाओं की पूर्ति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप सुखी तथा आशावादी होंगे। राहु के कारण आपको हर तरह की भोजन के मामले में हर तरह की अतिशयता से बचना चाहिए। गरिष्ठ भोजन से बचें। मौसम में परिवर्तन के कारण पाचन क्रिया में गड़बड़ी, चर्मरोग, पित्त से सम्बन्धित रोग, बुखार, कान तथा निचली भुजा में कष्ट हो सकता है। सावधानी बरतने से इनमें से अधिकांश बीमारियों से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपका आर्थिक स्थिति अत्यन्त मजबूत होगी। आपके पास धन होगा, आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे और निवेश तथा सट्टा लाभदायक होगा। इस अवधि में आपको सम्पत्ति, समृद्धि तथा अचानक लाभ मिलेगा। आपकी अनेक इच्छाएं आकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं। जीविका तथा व्यवसाय के लिए विधि, दवा, लेखा, कम्प्यूटर, खेल, पराविज्ञान तथा जलसेवा के क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। दवा, रसायन, एण्टीबायोटिक दवाओं, चमड़े के सामान, लोहा और इस्पात आदि का व्यापार लाभदायक होगा। सेवारत लोगों को विरोधियों पर विजय, कार्यस्थान में अनुकूल स्थिति, लाभ और सम्मान की प्राप्ति होगी। आपके सहकर्मी तथा अधीनस्थ कर्मचारी आपके सहयोगी होंगे। आपका स्थानान्तरण या परिवर्तन हो सकता है। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों को सम्पत्ति की प्राप्ति, लाभ में वृद्धि, व्यापार में विस्तार तथा हर प्रकार का लाभ मिलेगा। आर्थिक समृद्धि तथा महत्वाकांक्षा की पूर्ति और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह दशा अति उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

शुक्र की अन्तर्दशा में आपको जीवन का हर सुख मिलेगा। आवास में परिवर्तन सम्भव है। जमीन-जायदाद के मामलों में हानि कम करने के लिए सावधानी बरतना चाहिए। आप वाहन खरीद सकते हैं। मंगल की अन्तर्दशा में आपकी छोटी किन्तु लाभदायक यात्रा होगी। शुक्र तथा शनि की अन्तर्दशा में दूर की यात्रा हो सकती है।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आप अपने महत्वाकांक्षा की पूर्ति करेंगे। आप सभी परीक्षाओं और प्रतिस्पर्धाओं में सफल होंगे। अर्थशास्त्र, दवा, प्रबन्धन, इन्जीनियरिंग तथा विधि के विषयों में आपकी रुचि हो सकती है। आप पराविज्ञान, खेल, दर्शनशास्त्र आदि में रुचि रखते हैं और शिक्षा से अलग गतिविधियों में आगे बढ़ेंगे।

परिवार :

परिवार के साथ आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपके बच्चे आपकी खुशी के साधन होंगे। आपके जीवनसाथी को सुख, निवेश तथा सट्टे में सफलता, समृद्धि तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपके जीवन साथी से आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। उनकी अचानक छोटी यात्रा और सम्पत्ति की प्राप्ति होगी जबकि आपके पिता को संबंधियों से लाभ मिलेगा और यात्रा होगी। आपके छोटे भाई-बहनों को समृद्धि मिलेगी जबकि बड़े भाई-बहनों को यश, ख्याति, सम्पत्ति, शक्ति तथा अधिकार मिलेगा। आपका उनके साथ सम्बन्ध मधुर रहेगा।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा के कारण आपको सम्पत्ति-समृद्धि की प्राप्ति और इच्छाओं की पूर्ति होगी। गुरु की अन्तर्दशा में आपको हर प्रकार का लाभ और प्रतिष्ठा मिलेगी। शनि की अन्तर्दशा के दौरान यश और ख्यति मिलेगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उन्नति होगी। बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप शिक्षा उत्तम होगा और सट्टे में लाभ होगा। केतु की अन्तर्दशा के कारण कुछ समस्या हो सकती है। शुक्र की अन्तर्दशा के दौरान सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति तथा यात्रा होगी। सूर्य की अन्तर्दशा के फलस्वरूप शादी, साझेदारों से लाभ तथा यात्रा होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के दौरान कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्या हो सकती है, जबकि मंगल की अन्तर्दशा में यात्रा, संबंधियों से सहायता तथा जीविकोपार्जन में उन्नति होगी।

Girl

महादशा :- बुध
(11/11/2014 - 11/11/2031)

बुध की महादशा 11/11/2014 को आरम्भ होगी और 17 वर्ष की होकर 11/11/2031 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध अष्टम भाव में स्थित है। बुध की दृष्टि द्वितीय भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 19 वर्ष की शनि दशा चल रही थी। इस दशा में शनि आपकी छोटी यात्रा तथा जमीन-जायदाद में वृद्धि हुई होगी, संबंधियों से सहायता तथा जमीन तथा सम्पत्ति की प्राप्ति हुई होगी। बुध की वर्तमान दशा में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, शिक्षा उत्तम होगी और जमीन-जायदाद में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप स्फूर्तिवान और शक्तिशाली रहेंगे। आपको ज्वर, संक्रामक बीमारी, चर्मरोग, फ्लू, बदहजमी, पेट दर्द आदि कुछ मौसमी बीमारियाँ हो सकती हैं। इन मामूली बीमारियों को छोड़ आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

अर्थ और व्यवसाय :

आपको सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आपको अवकाश ग्रहण से लाभ, बोनस और ग्रैय्यूइटी मिल सकती है। सट्टा लाभदायक होगा। अचानक लाभ भी हो सकता है। कुल मिलाकर अर्थ की दृष्टि से यह दशा आपके लिए उत्तम होगी क्योंकि इसमें आपका धन-संग्रह होगा। जीवन-वृत्ति और व्यवसाय के लिए लेखा, पत्रकारिता, शिक्षण तथा सभी बौद्धिक कार्यों का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा,रत्न, पुस्तक, लेखा-सामग्री, कम्प्यूटर तथा हस्तनिर्मित वस्तुओं का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोग अच्छा करेंगे, उन्हें सफलता उच्च पद और अधिकार मिलेगा। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों को सम्पत्ति की प्राप्ति, आय में वृद्धि तथा लाभ होगा। आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और आप आपना लक्ष्य प्राप्त करेंगे। आपको सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक उपलब्धि के लिए यह दशा बहुत उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

शनि की अन्तर्दशा में आपको जीवन का हर सुख प्रापप्त होगा। आपको जमीन तथा अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपका पैतृक या विरासती सम्पत्ति मिल सकती है। आपको वाहन की प्राप्ति भी होगी। शनि की अन्तर्दशा में आपकी छोटी यात्रा और शुक्र की अन्तर्दशा में दूर की यात्रा होगी। तीर्थान पर जा सकते हैं।

शिक्षा :

आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आपकी अनुसन्धान परियोजना में रुचि हो सकती है। आप सभी परीक्षाओं तथा प्रतियोगिताओं में बहुत अच्छा करेंगे। आप विज्ञान, गणित तथा वाणिज्य में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। लेखा, वाणिज्य, साहित्य, कम्प्यूटर विज्ञान, रचनात्मक पत्रकारिता, समाचार माध्यम, जनसंचार आदि विषयों में आपकी रुचि होगी। आप प्रतिभावान, कूटनीतिक और बहुमुखी हैं तथा विभिन्न विषयों में आपकी रुचि है। आपका दिमाग विवेकपूर्ण और विश्लेषणात्मक है और सभी बौद्धिक कार्यों में अच्छा करेंगे।

परिवार :

आपका परिवार के सभी सदस्यों के साथ सम्बन्ध अच्छा रहेगा। आपको बच्चों से सुख तथा आनन्द मिलेगा। आपके जीवन साथी को लाभ, पारिवारिक सुख तथा अचानक धन की प्राप्ति होगी। आपका आपके जीवन साथी के साथ सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता को सट्टे में लाभ और सुख मिलेगा जबकि आपके पिता का शुभ कार्यों में व्यय होगा, उनकी यात्रा होगी और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति झुकाव होगा। आपके छोटे भाई-बहनों को विरोधियों पर विजय मिलेगी और कार्य-स्थान में स्थिति अनुकूल होगी जबकि बड़े भाई-बहनों को जीविकोपार्जन में सफलता, यश और ख्याति मिलेगी।

अन्तर्दशा :

बुध की महादशा में बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपका धन संग्रह होगा तथा जमीन-जायदाद और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि में वृद्धि होगी। केतु के फलस्वरूप कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। शुक्र की अन्तर्दशा में यात्रा तथा साझेदारों से लाभ मिलेगा। सूर्य

की अन्तर्दशा में जीविकोपार्जन में प्रगति होगी जबकि चन्द्र की अन्तर्दशा में सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी। मंगल की अन्तर्दशा के फलस्वरूप यश, ख्याति और शत्रुओं पर विजय मिलेगी तथा स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जबकि राहु कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। गुरु की अन्तर्दशा में सम्पत्ति तथा बच्चों से सुख की प्राप्ति होगी। शनि की अन्तर्दशा के फलस्वरूप छोटी यात्रा होगी और सुख तथा जमीन-जायदाद में वृद्धि होगी।

दशा विश्लेषण

Boy

महादशा :- गुरु
(24/07/2038 - 24/07/2054)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा को 24/07/2038 शुरू तथा 24/07/2054 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु एकादश भाव में स्थित है। एकादश भाव मित्र, समुदाय, लक्ष्य, इच्छा और उसकी पूर्ति, आमदनी, लाभ, समृद्धि, स्वास्थ्य लाभ और भाग्योदय तथा टखनों का द्योतक है। गुरु स्वभावतः एक शुभ ग्रह है जिसकी स्थिति आपकी कुण्डली में एकादश भाव में है तथा तृतीय, पंचम एवं सप्तम भाव पर इसकी दृष्टि है और इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है। सोलह साल की यह अवधि आपके लिए साहस एवं समृद्धि की होगी।

स्वास्थ्य :

महादशेश गुरु एकादश भाव में स्थित होकर तृतीय भाव को (पंचम एवं सप्तम भावों के अतिरिक्त) देख रहा है जिसके फल स्वरूप आप हिम्मत, बहादुरी तथा मजबूती के साथ सभी समस्याओं को झेल पाएंगे और कोई बड़ी घटना या दुर्घटना आपको या आपके स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं कर पाएगी और आपको सामान्य कार्य करने में असुविधा नहीं होगी।

अर्थ-संपत्ति :

गुरु एकादश भाव अर्थात आय भाव में स्थित है तथा अपने ही भाव को शक्ति प्रदान कर रहा है जिसके फलस्वरूप आप इस दशा काल में चल या अचल संपत्ति अर्जित नहीं कर पाएँगे और भोग विलास की वस्तुओं पर खर्च करते हुए एक सामान्य जीवन का आनन्द लेंगे।

व्यवसाय :

यदि आप नौकरी में हैं तो आपको उन्नति तथा आय एवं धन में वृद्धि मिलेगी। व्यवसाय के प्रति अनेक नये विचार आपके दिमाग में आएंगे जिससे आप अपने व्यवसाय में नाम और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। अपके मित्र व्यवसाय में उन्नति करने की आपको प्रेरणा देंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपके जीवन साथी आपके सहायक होंगे और आपके पारिवारिक जीवन को सुखमय तथा उत्साहपूर्ण बनाएँगे। गुरु की एकादश भाव से सप्तम अर्थात जीवन साथी के भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आपके जीवन साथी हमेशा आपकी परेशानी में हाथ बँटाने के लिए तैयार रहेंगे। आपके बड़े भाई तथा मित्र भी आपके पारिवारिक जीवन को सुखमय बनाने में सहायक होंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आपकी ज्ञान की खोज के प्रति रुचि रहेगी।

Girl

महादशा :- केतु
(11/11/2031 - 11/11/2038)

केतु की महादशा 11/11/2031 को आरम्भ और 11/11/2038 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष है।

अपकी जन्मकुण्डली में केतु ग्यारहवें भाव में स्थित है और इसकी दृष्टि पंचम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी बुध की दशा चल रही थी जिसकी अवधि 17 वर्ष थी। बुध के कारण आपको सम्पत्ति का लाभ, अप्रत्याशित परिवर्तन, उत्तम शिक्षा और बच्चों से सुख की प्राप्ति हुई होगी। केतु की वर्तमान दशा में आपको सभी प्रकार का लाभ, वाहन-सुख और जीवन का आराम मिलेगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप साहसी और आत्मविश्वासी होंगे। केतु के कारण आपको प्रसन्नता मिलेगी और आप आशावादी होंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण आपको दाहक पित्त-दोष, पाचन-समस्या, विषाणुजन्य तथा संक्रामक रोग आदि हो सकते हैं। कुछ सावधानी बरतकर इनसे बचाव किया जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त मजबूत होगी। आपको हर प्रकार के लाभ, लक्ष्य और मनोकामना की पूर्ति और धन-समृद्धि की प्राप्ति होगी। सट्टे में लाभ की संभावना है और निवेश लाभदायक होगा। जीविका और व्यवसाय के लिए शिक्षण, लेखन, विदेशी भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर विज्ञान, लेखाकार्य, ज्योतिष आदि का चयन कर सकते हैं। खेल के सामान, दवा, चमड़े, पशु, किताब, आभूषण, कम्प्यूटर आदि का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों के कार्यस्थान में स्थिति अनुकूल रहेगी। आप अपने कार्य सक्रियता से पूरा करेंगे और उच्च पद प्राप्त करेंगे। व्यापार-व्यवसाय से जुड़े लोगों की आय तथा लाभ में वृद्धि होगी। आपके व्यवसाय का विस्तार और कार्य में वृद्धि होगी। आर्थिक समृद्धि के लिए यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जायदाद :

शुक्र की अन्तर्दशा में आपको आराम मिलेगा। नयी गाड़ी खरीदने में कुछ अड़चन आ सकती है। सम्पत्ति के लेन-देन में अचानक परिवर्तन और नुकसान होगा, इसलिए उचित प्रबन्धन की आवश्यकता है। मंगल की अन्तर्दशा में आपकी छोटी तथा शनि की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आप परीक्षा-प्रतियोगिता में अच्छा

करेंगे। कम्प्यूटर विज्ञान, भाषा, विधि, दवा, तत्त्व-मीमांसा, खेल आदि में आपकी रुचि होगी। आप सक्रिय, उद्यमी और अत्यन्त आत्मविश्वासी हैं। आप अपने अध्ययन में अच्छा करेंगे।

परिवार :

परिवार के साथ आपका संबंध मधुर रहेगा। आपके बच्चों को साझेदारों से लाभ, यात्रा और सफलता मिलेगी। आपके जीवन साथी को सट्टे में लाभ होगा, निवेश लाभदायक रहेगा, और अध्यात्म की ओर उनकी रुचि में वृद्धि होगी। आपके जीवनसाथी के साथ आपका सम्बन्ध मधुर रहेगा। आपकी माता को अचानक लाभ और हानि, कुछ स्वास्थ्य समस्या और विरासती सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपकी माता की छोटी यात्रा और संबंधियों से सहायता प्राप्त होगी तथा स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके छोटे भाई-बहनों को धन-समृद्धि की प्राप्ति और यात्रा होगी जबकि बड़ों को यश, ख्याति, समृद्धि और सफलता मिलेगी। उनके साथ आपका संबंध मधुर रहेगा।

अन्तर्दशा :

केतु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा के दौरान आपको सफलता, लाभ और प्रगति होगी। शुक्र के कारण आराम और धन-समृद्धि की प्राप्ति होगी। सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान साझेदारों से लाभ और प्रगति होगी जबकि चन्द्र के कारण कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो सकती है। मंगल की अन्तर्दशा में छोटी यात्रा, स्वास्थ्य उत्तम, शक्ति में वृद्धि तथा जीवन में सफलता मिलेगी। राहु के कारण कुछ समस्या हो सकती है। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान लाभ और धन-समृद्धि की प्राप्ति होगी जबकि शनि के कारण स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और सम्पत्ति, यश और ख्याति की प्राप्ति तथा यात्रा होगी। बुध की अन्तर्दशा में कुछ परिवर्तन, उत्तम शिक्षा, सट्टा-कार्य में वृद्धि तथा अचानक लाभ मिलेगा।

दशा विश्लेषण

Boy

महादशा :- शनि
(24/07/2054 - 24/07/2073)

शनि की महादशा की अवधि उन्नीस वर्ष की है। आपकी कुण्डली में यह 24/07/2054 को आरम्भ और 24/07/2073 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में शनि सप्तम भाव में स्थित है। यह स्वाभाविक रूप से एक अशुभ ग्रह है। यह फल की प्राप्ति में बाधा तथा विलम्ब कर जातक के धैर्य की परीक्षा लेता है। यह परिश्रम के फल से वंचित नहीं करता, पर लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जातक को कठिन परिश्रम करने को प्रेरित करता है। जन्म कुण्डली में सप्तम भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि नवम, प्रथम तथा चतुर्थ भावों पर है जिससे उनके कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सप्तम भाव कानूनी गठबंधन, दासता, जीवन ओर व्यापार के साझेदार, वाद-मुकदमा, विदेश में अर्जित प्रभाव व सम्मान का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

सप्तम भाव में स्थित महादशा स्वामी शनि की प्रथम भाव (9वें और 4थे भावों के साथ-साथ) पर दृष्टि है इसलिए आपको किसी बड़ी बीमारी या दुर्घटना की सम्भावना नहीं है, किन्तु आपका व्यक्तित्व आकर्षक होने के बावजूद आपको कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो सकती है।

अर्थ और सम्पत्ति :

सप्तम भाव में स्थित शनि के कारण आपको कठिन परिश्रम करना पड़ सकता है और लक्ष्य की प्राप्ति में और अर्थ सम्पत्ति में वृद्धि के मार्ग में अनेक बाधाओं का सामना करना पर सकता है। इसके अष्टम भाव स्वामी होने के कारण भी आपकी आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव आएंगे। आपकी आर्थिक स्थिति परिवर्तनशील रहेगी।

व्यवसाय :

आप व्यवसाय में सुव्यवस्थित हो सकते हैं। आपके विदेश जाने और वहाँ बस जाने की सम्भावना भी है। आप दफ्तर के कार्य से भी विदेश जा सकते हैं जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी। किन्तु, विदेश में आपके बीमार होने अथवा कुछ स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित होने की सम्भावना है जिससे अन्ततः आपको देश वापस आना होगा।

पारिवारिक जीवन :

शनि के सप्तम भाव में स्थित होने के कारण आपका विवाह अच्छे कुल के धार्मिक तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति के साथ होगा। आपका व्यक्तित्व आकर्षक होने के कारण विपरीत लिंग के लोग आपकी ओर आकृष्ट होंगे। आपके जीवन साथी के कारण आपके पारिवारिक जीवन में तनाव उत्पन्न हो सकता है।

Girl

महादशा :- शुक्र
(11/11/2038 - 11/11/2058)

आपकी कुण्डली में शुक्र की महादशा 11/11/2038 को आरम्भ होकर 11/11/2058 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 20 वर्ष है।

आपकी कुण्डली में शुक्र सप्तम भाव में स्थित है। शुक्र स्वभावतः एक शुभ ग्रह है जो अच्छे स्वाद, भावनात्मक आनन्द तथा सुखमय जीवन, विशेष रूप से औरत के साथ, का द्योतक है। यह विवाह का कारक भी है। यह दो राशियों तुला तथा वृष का स्वामी है। यह मीन में उच्च का जबकि कन्या में निम्न का होता है। आपकी जन्म कुण्डली में यह सप्तम भाव में स्थित होकर प्रथम भाव को देख रहा है और इस भाव पर कारकत्व का प्रभाव डाल रहा है। भाव जिस में यह स्थित है अर्थात सप्तम भाव भूमि, आय, जीवन-साथी और व्यवसाय में साथी, मुकदमें तथा विदेश में प्रभाव या वहाँ अर्जित प्रतिष्ठा का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शुक्र सप्तम भाव में स्थित है। सप्तम भाव से यह प्रथम भाव को देख रहा है जो लग्न है तथा शरीर-गठन एवं शरीर का द्योतक है। यह आपकी किसी बड़ी शारीरिक समस्या या दुर्घटना से रक्षा करेगा।

अर्थ संपत्ति :

शुक्र सप्तम भाव में स्थित है और अपने ही भाव को प्रबलित कर रहा है जो साथी या जीवन साथी का भाव है। इस दशा काल में आप साझेदारी का व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं जिसमें आप सफल रहेंगे या विदेश जाने की स्थिति में आपको वहाँ अच्छी उपलब्धियाँ तथा लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे और आपकी चल तथा अचल संपत्ति में वृद्धि संभव है।

व्यवसाय :

आप साझेदारी का व्यवसाय कर सकते हैं जिसमें सफलता मिलेगी विशेष कर जब यह विचरीत लिंग के साथ हो। आप उन वस्तुओं को बनाने का काम करेंगे जिनकी मांगे औरतों में ज्यादा होती है जैसे रंग-रोगन या कपड़े का व्यवसाय।

पारिवारिक जीवन :

शुक्र विवाह का कारक भी है तथा सप्तम भाव जो विवाह का द्योतक है, में स्थित है और आपको एक कारक दोष देता है जिसके परिणाम स्वरूप आपके वैवाहिक जीवन में कुछ समस्या आ सकती है। आपको एक समर्पणशील या आज्ञाकारी जीवन साथी मिलेगा। किन्तु इसके बावजूद आपका परायी स्त्रियों की ओर झुकाव होगा, जो आपके वैवाहिक जीवन को तहस-नहस कर सकता है। आप बहुत ही भावुक होंगे और स्त्रियों के प्रति झुकाव के कारण स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं हो सकती हैं।

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2024

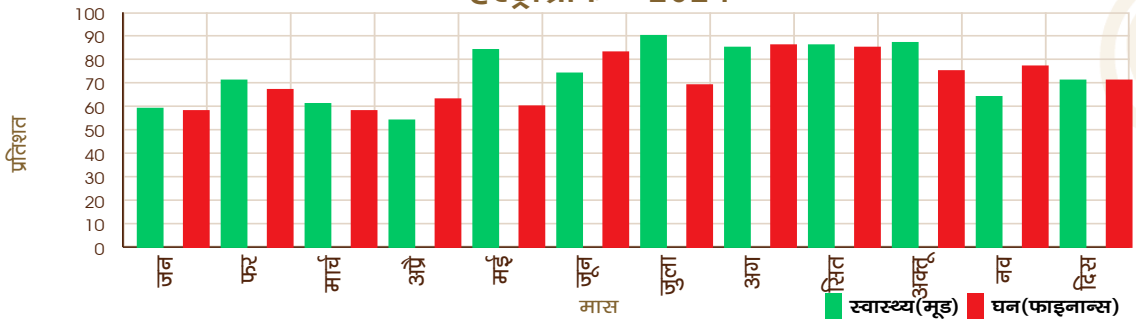

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2024

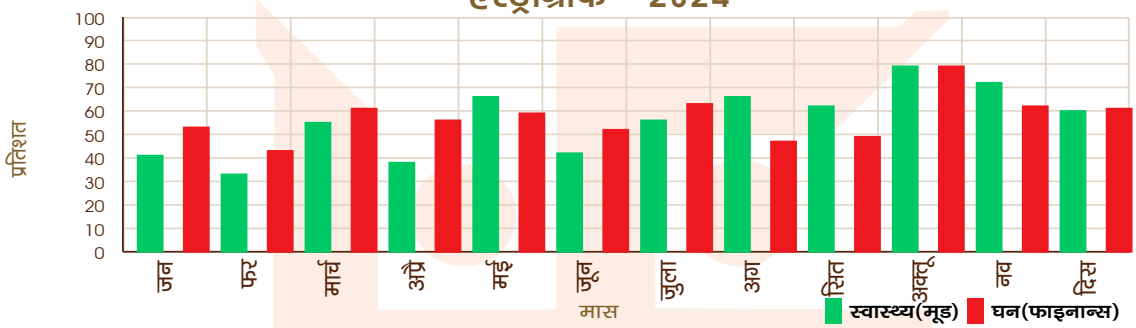

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2025

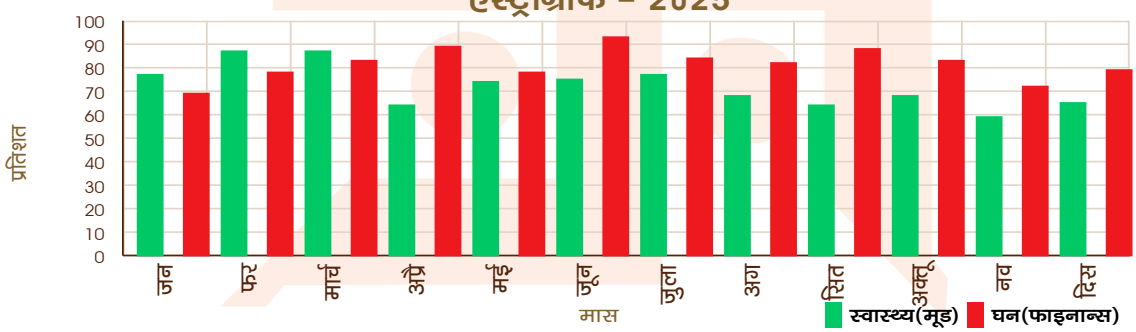

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2025

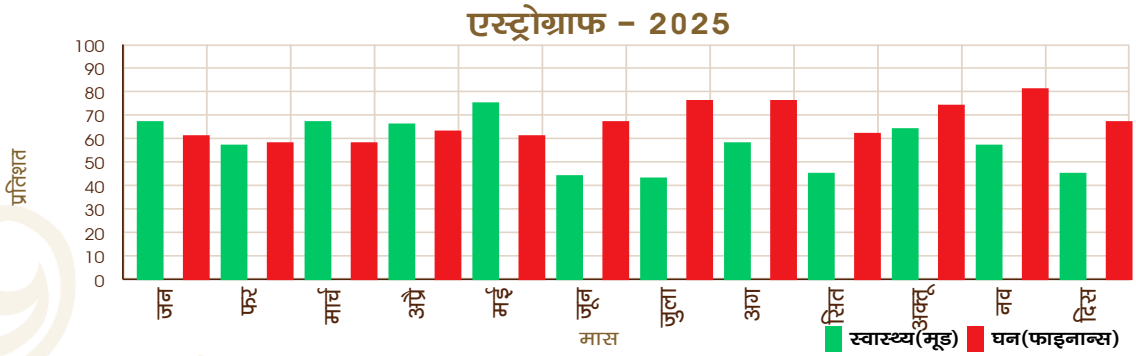

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2026

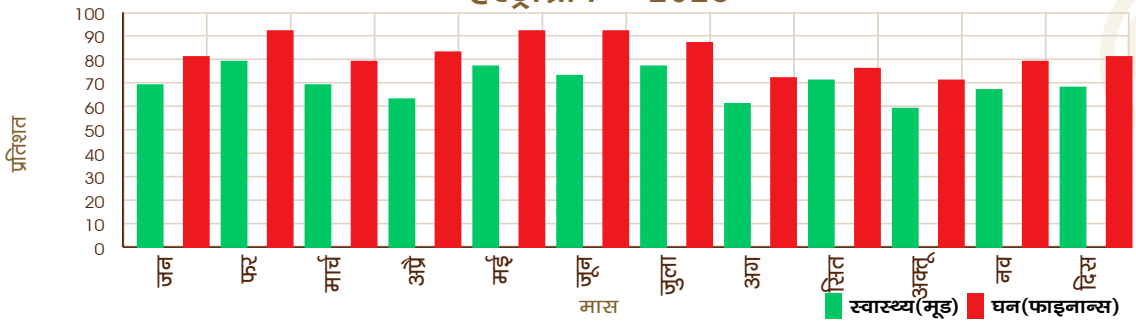

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2026

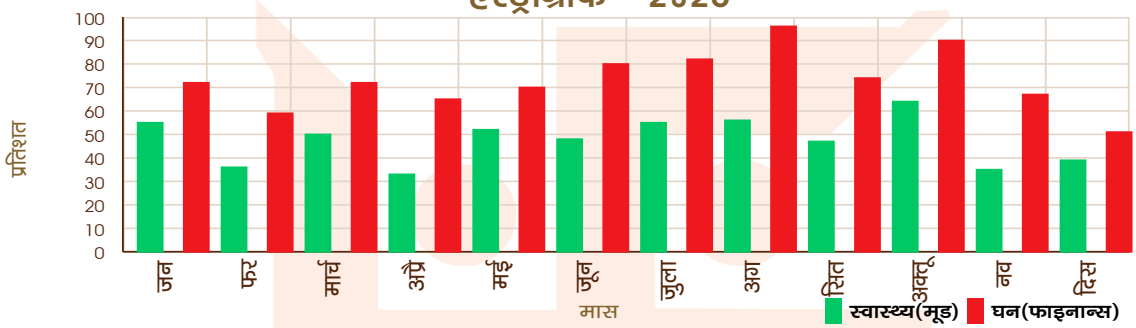

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2027

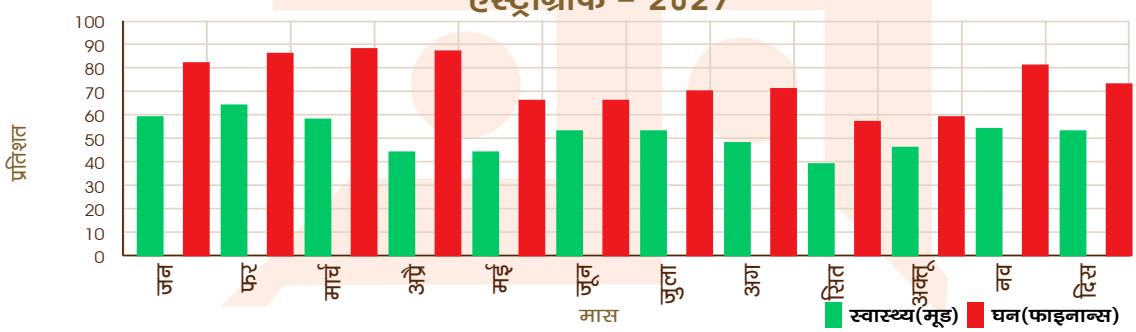

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2027

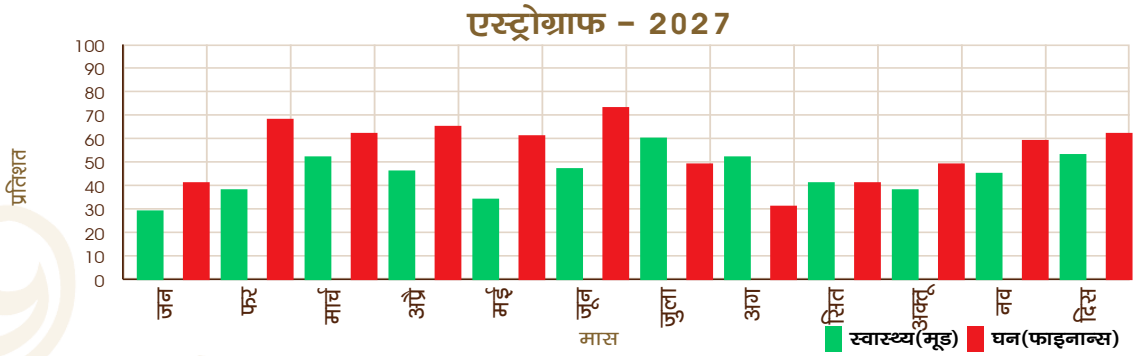

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2028

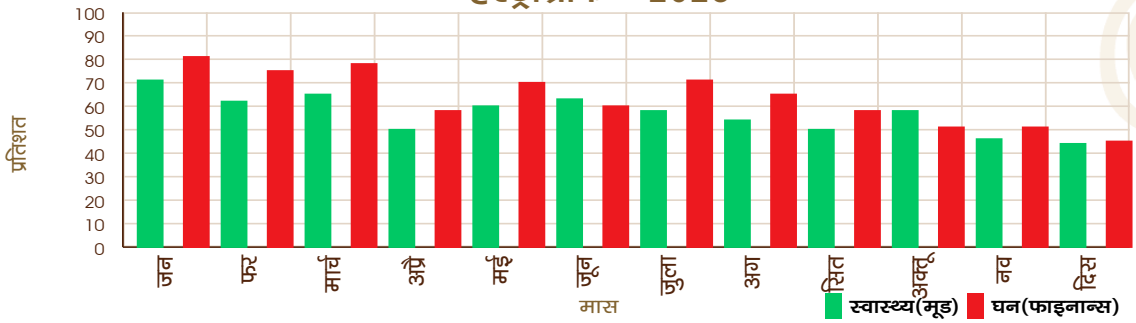

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2028

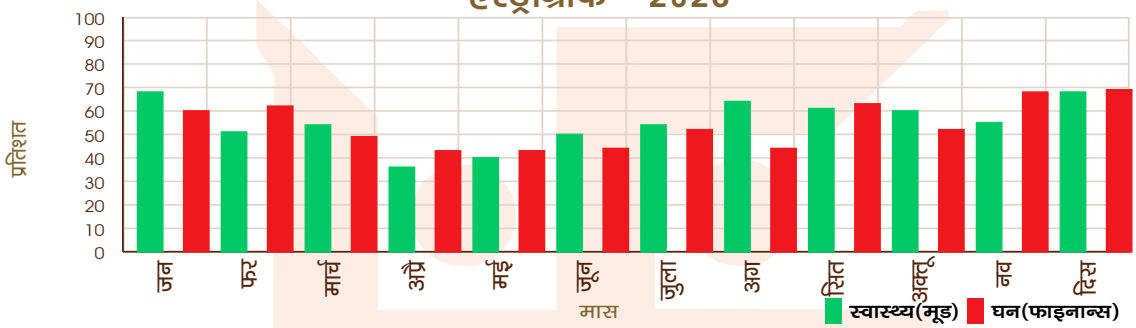

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2029

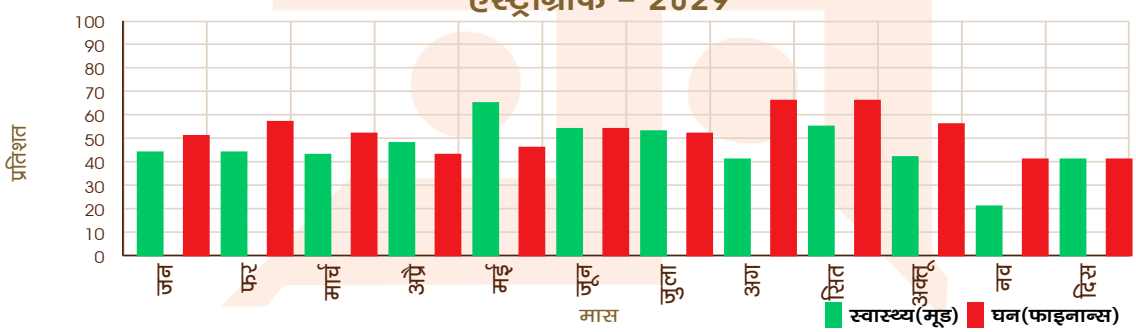

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2029

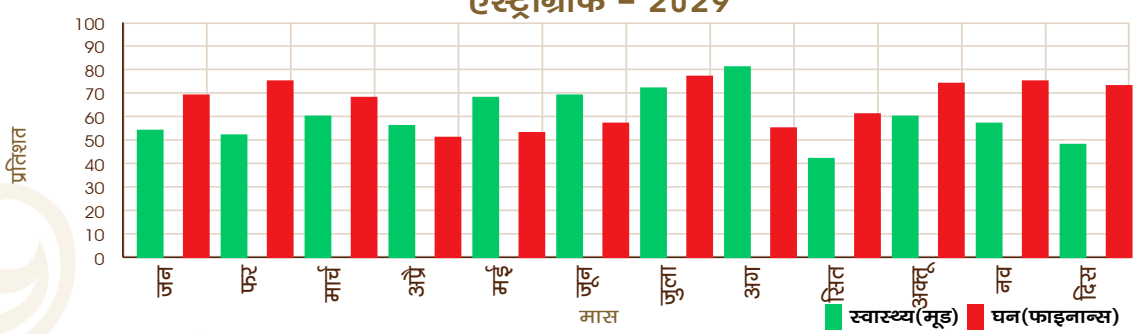

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2030

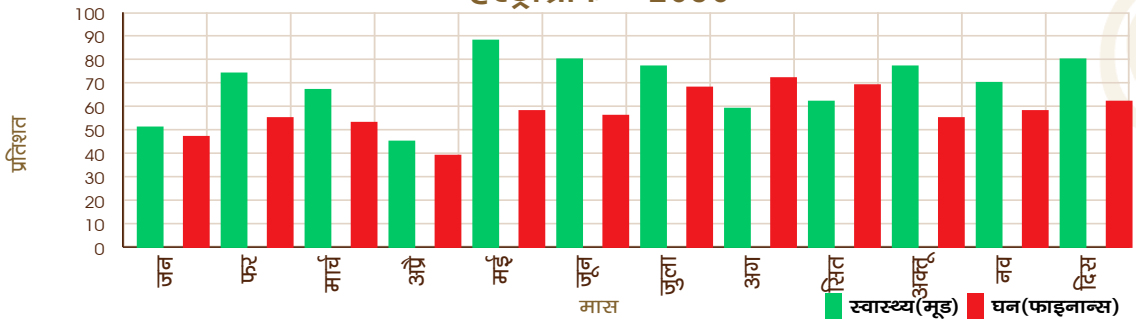

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2030

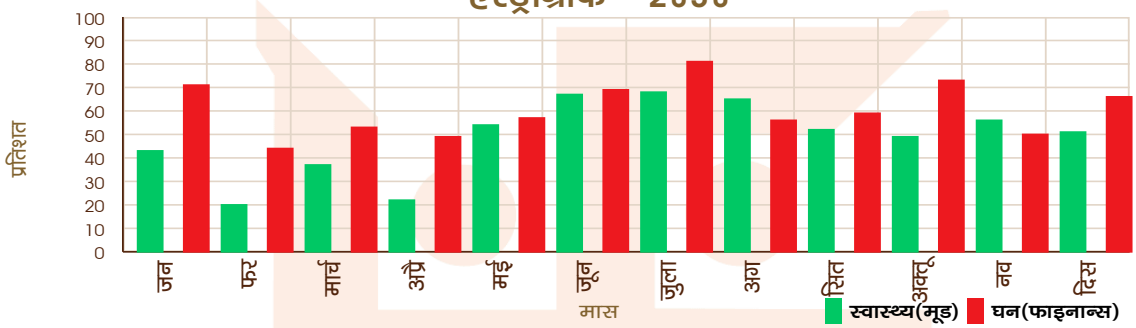

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2031

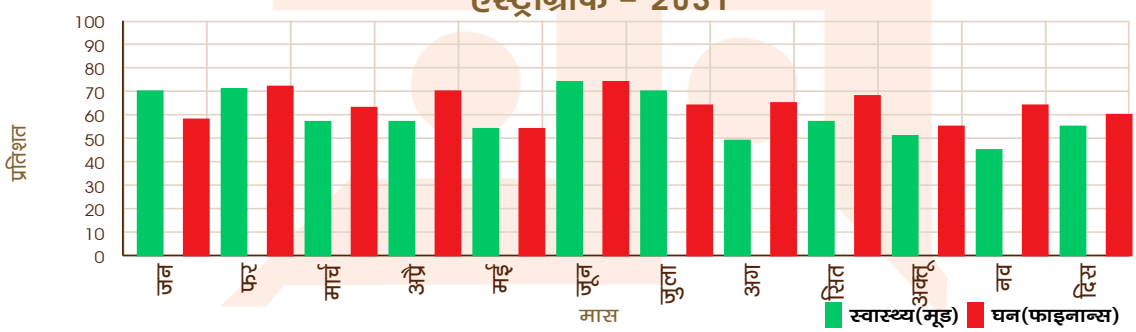

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2031

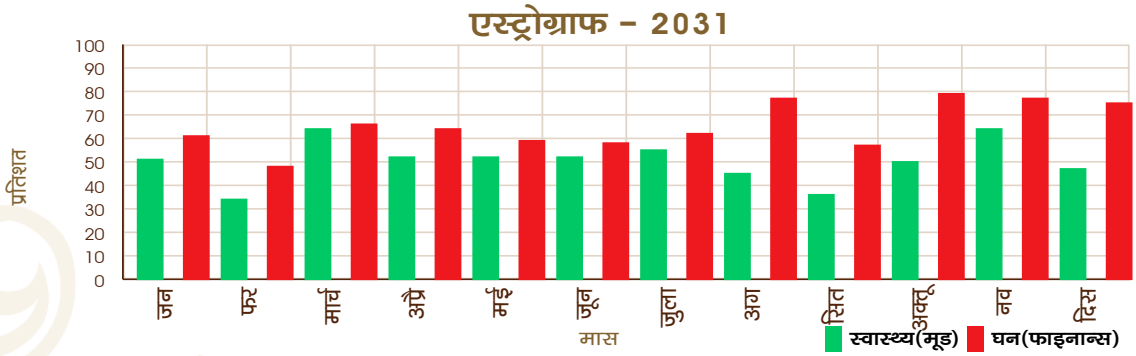

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
Email : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2032

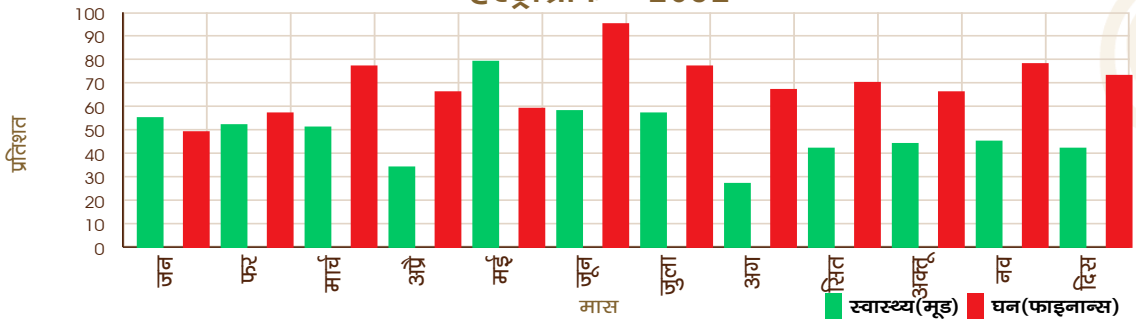

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2032

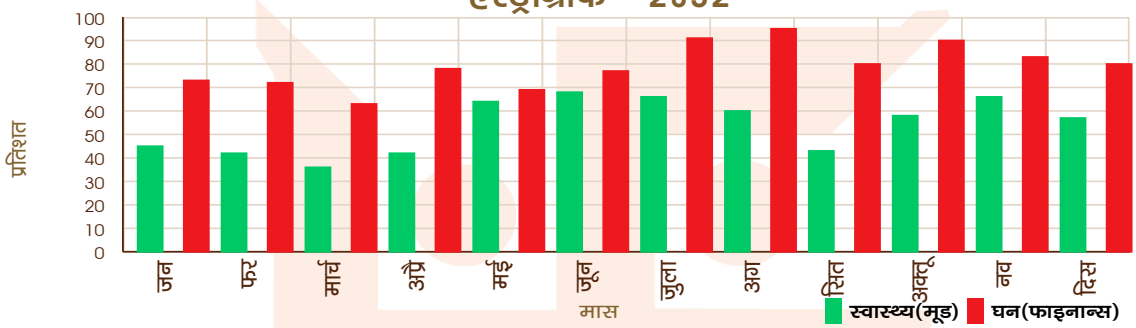

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2033

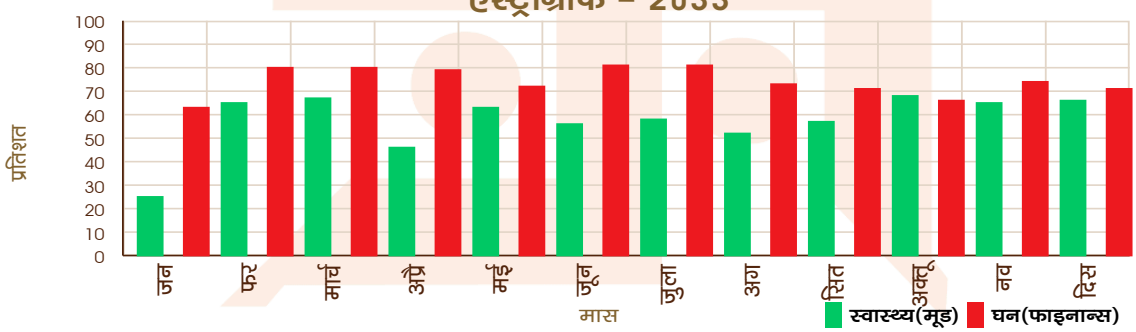

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2033

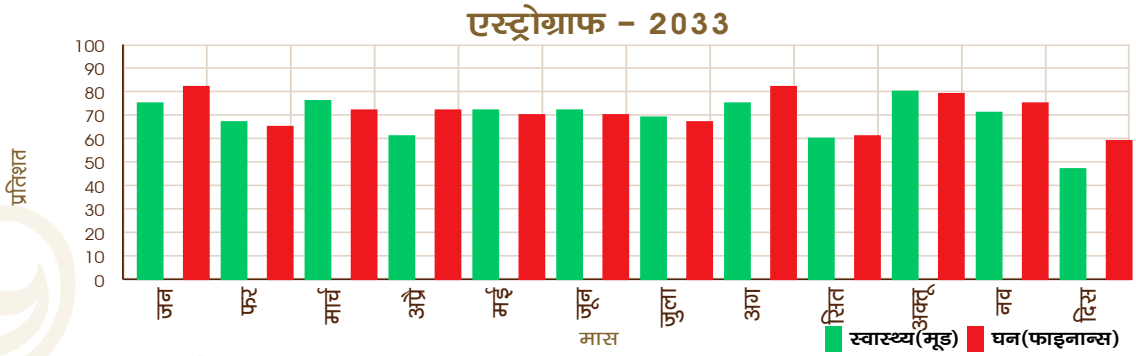

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2034

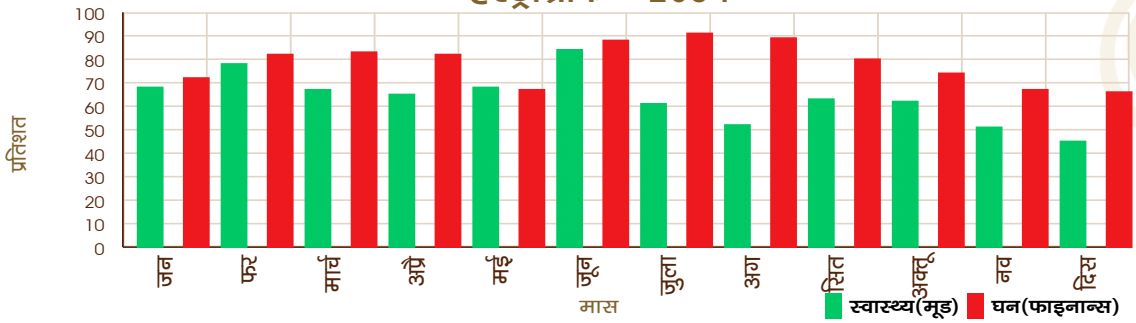

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2034

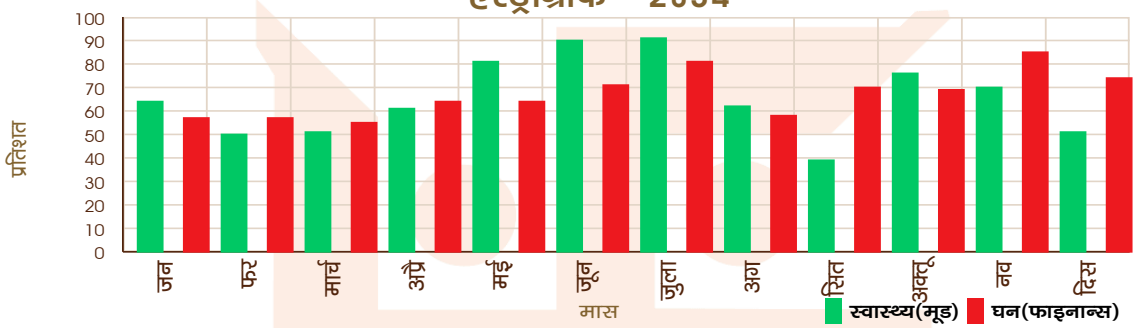

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2035

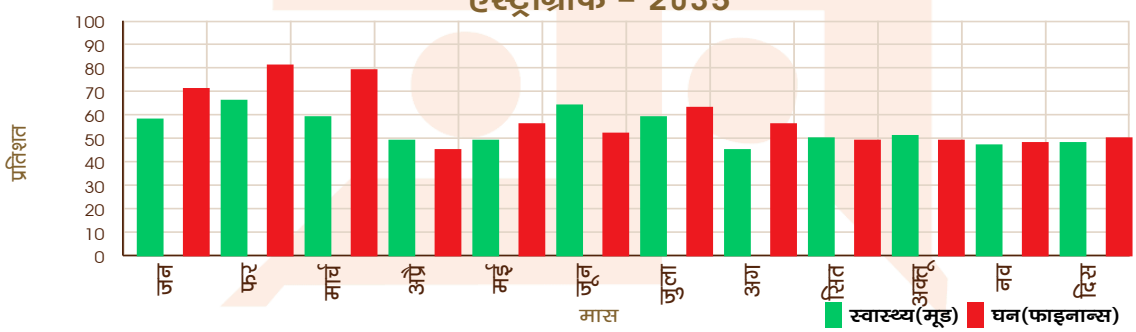

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2035